कोयलांचल संवाद

हिंदी दैनिक

www.ksnewsupdates.com

धनबाद, शुक्रवार 04 अक्टूबर, 2024, वर्ष : 33 अंक : 183, मूल्य : 2 रूपए

धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe

Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

ऊर्जा मित्रों ने राजभवन के समक्ष दिया धरना

रांची(ईएमएस)। बिजली विभाग के सैकड़ों उर्जा मित्रों ने पांच सूत्री मांग को लेकर गुरूवार को राजभवन के समक्ष एकदिवसीय धरना दिया।जुलुस में शामिल लोगों ने कहा कि 2017 से बिजली विभाग में ऊर्जा मित्र के रूप में काम कर रहे हैं।आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से सभी को नौकरी दी गई है।पूरे राज्य में 65 सौ ऊर्जा मित्र हैं.एक सब डिविजन में 20-25 ऊर्जा मित्र हैं। प्रत्येक तीन से चार साल में कंपनी बदलती रहती है। जब एक कंपनी में काम करते हैं।तब महीना में चार से पांच हजार रूपया वेतन दिया जाता है।वह भी पांच महीना बाद मिलता है। समय पर पैसा नहीं जाता है।बकाया पैसा भी नहीं दिया जाता है। आउटसोर्सिंग कंपनी का कार्यकाल जब पूरा हो जाता है।तब कंपनी ऊर्जा मित्रों का पैसा लेकर ग़फ़ु चक्कर हो जाती है।मौके पर अध्यक्ष इंगेश्वर ठाकुर,महावीर साहु,बैजु महतो,संतोष कुमार,प्रमोद मंडल,सागर प्रसाद, सरोज सौग़भ, अशोक कुशवाहा, इंद्र नाथ ठाकुर, रामकिशुन राम समेत अन्य शामिल थे।

डुमरी विधानसभा से चुनाव लड़ेंगे जयराम महतो

धनबाद(ईएमएस)।झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सुप्रीमो जयराम महतो ने डुमरी विधानसभा से चुनाव लड़ने की घोषणा की है।धनबाद परिसदन में गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में जयराम ने झारखंड की छह विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा की। इसमें डुमरी से जयराम महतो, जमुआ से रोहित कुमार दास, राजमहल से मोतीलाल सरकार, तमाड़ से दयमंती मुंडा, सरायकेला से प्रेम मार्डी व छतरपुर से प्रीति राज चुनाव लड़ेंगे।जयराम महतो ने कहा कि अब तक राज्य की 69 विधानसभा सीटों के लिए आवेदन मिले हैं। मोर्चा सब कुछ देख-परख कर ही उम्मीदवारों का अंतिम चयन करेगा।

झारखंड व महाराष्ट्र के आरओ और एआरओ के लिए दो दिवसीय रिफ्रेशर ट्रेनिंग का हुआ आयोजन

रांची : भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उनके लिए ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय रिफ्रेशर ट्रेनिंग का निर्वाचन सदन में आयोजन किया गया. इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में झारखंड के साथ–साथ महाराष्ट्र के भी निर्वाचन से जुड़े पदाधिकारियों को आयोग के प्रशिक्षकों ने चुनाव कराने संबंधी विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार के मार्गदर्शन में राज्य के विभिन्न विधानसभा क्षेत्र के वैसे पदाधिकारी जिनके द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव के लिए विगत माह में ही प्रशिक्षण पूरा कर लिया गया था. परंतु प्रशिक्षण के क्रम में आयोजित परीक्षा में काम अंक प्राप्त हुए थे. इस अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग के राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों ने ऑनलाइन माध्यम से निर्वाचन से जुड़े पदाधिकारियों को निर्वाचन के दौरान उनके कर्तव्यों एवं अधिकारों के विषय में बिंदुवार प्रशिक्षण दिया. साथ ही शांतिपूर्ण एवं त्रुटि रहित निर्वाचन कराने में आयोग के दिशा निर्देशों के अनुपालन संबंधित जानकारियां उपलब्ध कराई. प्रशिक्षण सत्र में विगत कम अंक प्राप्त करने वाले सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे.

रांची पीएमएलए कोर्ट ने स्वीकार की पूजा सिंघल की याचिका

रांची : रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने मनरेगा घोटाला के जरिए अवैध कमाई करने और उन पैसों की मनी लॉन्ड्रिंग करने की आरोपी निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल की याचिका स्वीकार कर ली है. दरअसल पूजा सिंगल की ओर से याचिका दाखिल कर कहा गया था कि ईडी के पास कई ऐसे दस्तावेज हैं, जो अनुसंधान के क्रम में जब्त किए गए हैं. लेकिन न्यायालय में दाखिल चार्जशीट में उन दस्तावेजों का जिक्र नहीं किया गया था. पूजा सिंघल की ओर से इन दस्तावेजों का अवलोकन करने की अनुमति मांगी गई थी. जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है.

रांची में पेड़ से लटका मिला एनडीआरएफ जवान का शव

राँचीः एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के पोखर टोली मैदान में एक व्यक्ति का शव इमली के पेड़ में लटका हुआ मिला है। बताया जा रहा है शव की पहचान किसी एनडीआरएफ जवान की है और छत्तीसगढ़ का है।पुलिस जांच में जुटी है।

बाबूलाल के सलाहकार रहे सुनील तिवारी के खिलाफ यौन उत्पीड़न केस में हाईकोर्ट का फैसला सुरक्षित

रांची : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के करीबी और उनके प्रेस सलाहकार रहे सुनील तिवारी के खिलाफ यौन उत्पीड़न के केस में ट्रायल कोर्ट द्वारा चार्जफ्रेम किए जाने के आदेश पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है. जिसके बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. सुनील तिवारी की याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत में सुनवाई हुई. उनकी ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव और पार्थ जालान ने पक्ष रखा. गुरुवार को इस केस में दोनों पक्षों की ओर से अंतिम बहस हुई. बता दें कि खूंटी की एक युवती ने सुनील तिवारी पर दुष्कर्म करने और जाति सूचक शब्द का इस्तेमाल करते हुए गाली देने का आरोप लगाया है. युवती ने 16 अगस्त 2021 को रांची के अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई है. प्राथमिकी में पूरे घटनाक्रम का क्रमवार जिक्र किया गया है.

नौ दिन एनजीटी की रोक हटेगी, फिर भी गहराया रहेगा बालू का संकट

रांची : झारखंड में बालू उठाव पर लगी रोक 15 अक्तूबर के बाद से हट जाएगी. रोक हटने के बावजूद प्रदेश में बालू का संकट बना रहेगा. इसकी वजह यह है कि अब तक 444 बालू घाटों में से 328 बालू घाटों के माइनिंग प्लान को मंजूरी नहीं मिल पायी है. वहीं 400 से अधिक बालू घाटों को पर्यावरण स्वीकृति भी नहीं मिल पाई है. नियमतः बिना माइनिंग प्लान मंजूर किए और पर्यावरण स्वीकृति के बिना बालू का उठाव नहीं हो सकता है. पर्यावरण स्वीकृति लेने से पहले ग्रामसभा से माइनिंग प्लान की मंजूरी लेनी पड़ती है. इसके बाद सिया के पास पर्यावरण स्वीकृति के लिए आवेदन देना होता है. पर्यावरण स्वीकृति मिलने के बाद बालू घाट से बालू उठाव के लिए कंसर्ट टू ऑपरेट (सीटीओ) मिलता है. अब तक सिर्फ 35 बालू घाटों को ही पर्यावरण स्वीकृति मिल पाई है. वहीं कटेगरी टू के बालू घाटों के लिए 256 एमडीओ चयनित किया गया है.

सीएम हेमंत सोरेन ने राज्य के पहले ट्रांसपोर्ट नगर का किया उद्घाटन

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड गठन के बाद पहली बार राज्य के बहुप्रतीक्षित ट्रांसपोर्ट नगर की बड़ी सौगात दी. मुख्यमंत्री ने गुरुवार को कांके सुकुरहुटू रिंग रोड के निकट 113.24 करोड़ और 40.68 एकड़ भूमि में निर्मित ट्रांसपोर्ट नगर फेज वन का उद्घाटन रिंग रोड आईटीबीपी कैंप सुकुरहुटू में किया. इसके शुरू हो जाने से अब शहर में बड़े एवं छोटे माल वाहक वाहनों का प्रवेश नहीं होगा और जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी. रिंग रोड से आकर यहां ठहराव होगा और फिर रिंग रोड के सहारे सभी वाहन अपने गंतव्य स्थान की ओर निकल जाएंगे. नया ट्रांसपोर्ट नगर अपनी तय अवधि 24 माह में बन कर तैयार हो गया. इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने अगले 18 महीने में तैयार होने वाले ट्रांसपोर्ट नगर फेज दो की भी भूमि पूजन के साथ आधारशिला रखी. जिसकी कुल लागत 57.82 करोड़ रुपए है. यह कुल 9.12 एकड़ भूमि पर बनेगा. इस मौके पर नगर विकास एवं भवन निर्माण विभाग के मंत्री हफीजुल हसन, सांसद डॉ. महुआ माजी, विभागीय सचिव सुनील कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे.

मेन रोड की तरह सुकुरहुटू का भी विकास होगा

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रांसपोर्ट विकास की एक कड़ी है. आने वाले दिनों में यहां और कई चीजें होगी. कई और आयाम जुड़ेंगे. अब झारखंड में ट्रांसपोर्ट से जुड़े लोगों का ये स्थाई ठिकाना हो गया. कई बड़े वाहन संकरी सड़कों पर जाते हैं. जिससे जाम की समस्या होती है. दुघर्टनाएं होती हैं. अब न आम लोगों को दिक्कत होगी न ट्रांसपोर्ट क्षेत्र के लोगों को दिक्कत होगी. बहुत जल्द हम प्रयास करेंगे कि जैसे कचहरी और मेन रोड को देखते हैं, उसी तरह से सुकुरहुटू का भी विकास हो जाए. शहर के विस्तार के लिए यह ट्रांसपोर्ट नगर मील का पत्थर साबित होगा. यहां से छोटी-छोटी गाड़ियों में सामान लादकर शहर के अंदर लाद कर ले जाया जाएगा.

मैंने यह अनुभव किया है कि अक्सर दूसरे राज्यों से जो ट्रक आते है, वो शहर में रास्ता भटक जाते हैं. मगर ये स्थान न रांची के लोग भूलेंगे न ट्रांसपोर्ट क्षेत्र के लोग. इस क्षेत्र में रहने वाले सभी नागरिकों और ट्रांसपोर्ट क्षेत्र के लोगों को बहुत-बहुत बधाई और जोहार करते हैं.

ट्रांसपोर्ट नगर की विशेषता

पूरे ट्रांसपोर्ट नगर में कहीं भी सीमेंट का इस्तेमाल नहीं किया गया है. पत्थर की इको फ्रेंडली गैबियन वॉल से ट्रांसपोर्ट नगर बनाया गया है. जुडको की देखरेख में हैदराबाद की एजेंसी केएमवी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने ट्रांसपोर्ट नगर में एकीकृत भवन व दो वेयर हाउस का निर्माण किया है. तीन तल्लों में छोटे से लेकर बड़े वाहनों की पार्किंग के लिए तीन स्तर का प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है. जी प्लस 3 एकीकृत भवन में 16 ऑफिस बनाये गये हैं. बाहर से आने वाले वाहनों के माल की अनलोडिंग के लिए दो लेवल का वेयर हाउस है. लेवल एक 6176 वर्गमीटर व लेवल दो 3900 वर्गमीटर का है. ट्रांसपोर्ट नगर में ड्राइवर व खलासी के आराम करने के लिए 180 बेड की डॉरमेट्री और 150 लोगों के बैठने के लिए फूड कोर्ट भी है. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, दो वे ब्रिज, सर्विस स्टेशन, प्रवेश द्वार, सीसीटीवी, वाई-फाई, लैंड स्केपिंग व मनोरंजन के लिए स्थान उपलब्ध कराया कराया गया है. ट्रांसपोर्ट नगर में बड़े-छोटे कुल 424 वाहनों को खड़ा करने का प्रावधान किया गया है. लेवल एक प्लेटफॉर्म पर 93 एक्स्ट्रा लार्ज (22 मीटर लंबा), 11 लार्ज टेलर (18 मीटर लंबा) और 27 स्मॉल (16 मीटर लंबा) वाहन खड़ा किये जा सकेंगे. लेवल दो प्लेटफॉर्म पर 179 लार्ज और 50 स्मॉल वाहन खड़े किये जाएंगे. वहीं, लेवल तीन के प्लेटफॉर्म पर 64 छोटे वाहन खड़े किये जा सकेंगे. बाहर से आनेवाले वाहनों के चालक वेयर हाउस में माल उतार कर मुक्त हो जाएंगे. वहां से ट्रांसपोर्टर छोटे वाहनों के माध्यम से माल जगह तक पहुंचाएंगे. ट्रांसपोर्ट नगर तैयार होने के बाद भारी वाहनों को शहर में प्रवेश करने के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा. राजधानी के मुख्य मार्गों को दरकिनार करते हुए भारी वाहन रिंग रोड का इस्तेमाल कर ट्रांसपोर्ट नगर तक पहुंच जाएंगे. ट्रांसपोर्ट नगर बनने से शहर में यातायात का भार कम होगा. वहीं, व्यापारियों के लिए भी मददगार होगा. ट्रांसपोर्ट नगर में जमशेदपुर (राष्ट्रीय राजमार्ग-33), हजारीबाग (एनएच-33), मेदिनीनगर (एनएच-75), गुमला (एनएच-23) और पुरुलिया (राज्य राजमार्ग-01) से रांची आनेवाले वाहन खड़े किये जाएंगे. रांची शहर के दक्षिण-पूर्व रेलवे से अच्छी तरह जुड़ा होना भी ट्रांसपोर्ट नगर के लिए लाभकारी होगा.

दूसरे फेज की रहेगी यह विशेषता

ट्रांसपोर्ट नगर फेज टू में नौ एकड़ भूमि पर 55.52 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण किया जाएगा. इस फेज में 256 वाहनों को खड़ा करने के लिए प्लेटफॉर्म व जलमीनार का निर्माण होगा. इसके अलावा डॉरमेट्री में बेड की संख्या भी बढ़ायी जाएगी. फिलहाल, ट्रांसपोर्ट नगर में 180 बेड की डॉरमेट्री है. इसे बढ़ा कर 600 बेड का किया जाएगा. योजना के लिए 55.82 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है. वर्ष 2025 में फेज टू पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है.

16 पुलिसकर्मियों की हत्या में शामिल माओवादी जोनल कमांडर रंथु उरांव समेत 5 नक्सली गिरफ्तार

रांची : 16 पुलिसकर्मियों की हत्या में शामिल भाकपा माओवादी संगठन का जोनल कमांडर रंथु उरांव समेत पांच नक्सली गिरफ्तार हुआ है. गुमला जिले की पुलिस ने यह कार्रवाई की है. जिन नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है इसमें पांच लाख इनामी जोनल कमांडर रंथु उरांव, जयशंकर महतो, रोहित उरांव, राजू अहीर और सुलेंद्र मुंडा शामिल है.

इनके पास से एक कार्बाइन, तीन राइफल, तीन देशी कट्टा, एक बंदूक और गोली 137 राउंड बरामद किया गया. इन सभी नक्सली की गिरफ्तारी गुमला थाना क्षेत्र के आंजन जंगल से हुई है. गुरुवार को गुमला एसपी कार्यालय में रांची रेंज के डीआईजी अनुप बिरथरे और गुमला एसपी शंभू सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी.

गुमला जिला में दो दशकों से सक्रिय था रंथु

रंथु उरांव गुमला जिला में पिछले दो दशकों से सक्रिय रहा था. और इस क्षेत्र में घटित सभी सभी नक्सली घटनाओं में शामिल रहा है. अब तक ये कुल 77 नक्सली घटनाओं में शामिल रहा. जिनमें गुमला जिला में कुल 62, लोहरदगा जिला में कुल 10 और लातेहार में पांच मामले शामिल है.

इन बड़ी घटनाओं को दिया अंजाम

26 जून 2007: गुमला के रायडीह थाना क्षेत्र में पुलिस बल पर जानलेवा हमला किया गया, जिसमें दो पुलिसकर्मी शहीद हो गए. **21 अक्टूबर 2010**: गुमला के रायडीह थाना क्षेत्र में पुलिस बल पर हमला किया गया, जिसमें एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया साथ ही रायफल और गोली छीन लिया गया. **16 जनवरी 2010**: गुमला के गुरदरी थाना क्षेत्र में पुलिस कर्मियों पर फायरिंग कर सात पुलिसकर्मियों और एक ट्रक ड्राईवर शहीद हो गए तथा उनका हथियार भी छीन लिया गया था. **13 मार्च 2013**: गुमला के कुरूमगढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस बलों पर अंधाधुंध फायरिंग किया गया जिसमें एक पुलिस कर्मी शहीद हो गए और दो जवान गंभीर रूप से जख्मी हो गये. **07 अप्रैल 2013**: गुमला के चैनपुर थाना क्षेत्र में पेट्रोलिंग वाहन पर फायरिंग किया था जिसमें पांच पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे.

किसानों से जुड़ी 1.01 लाख करोड़ रुपये से अधिक की योजनाएं स्वीकृत

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने किसानों और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास से जुड़ी कई परियोजनाओं के लिए हजारों करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में आज इन योजनाओं को मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने बताया कि सरकार ने PM राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और कृषि उन्नति योजना को मंजूरी दी है। इन योजनाओं के लिए 1 लाख 1321 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जाएगा। इसके अलावा 63 हजार करोड़ रुपये से अधिक की चेन्नई मेट्रो फेज-2 परियोजना को भी मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने के मकसद से सरकार ने कई अहम फैसले लिए हैं।

किसानों से जुड़ी 1.01 लाख करोड़ रुपये की योजना

वैष्णव ने बताया कि एक तरह से किसानों की आय से जुड़े लगभग हर बिंदु को 1,01, 321 करोड़ रुपए के कार्यक्रम के तहत कवर किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ा कार्यक्रम है जिसके कई घटक हैं। सभी घटकों को कैबिनेट ने अलग-अलग योजनाओं के रूप में मंजूरी दी है। बकौल अश्विनी वैष्णव, 'अगर कोई राज्य किसी एक योजना से जुड़ी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) लेकर आता है,

दुर्गा पूजा में बारिश डाल सकती है खलल, येलो अलर्ट जारी

रांची : दुर्गा पूजा में बारिश खलल डाल सकती है. मौसम विभाग ने बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है. आठ अक्तूबर तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश के साथ ही साथ वज्रपात की भी संभावना जतायी गयी है. मौसम विभाग की ओर से जारी अपडेट में कहा गया है कि चार अक्तूबर यानी शुक्रवार को राजधानी रांची में आंशिक बादल छाये रहेंगे. पांच अक्तूबर को

भी गरज के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है. तापमान में भी तीन डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है.

सुबह-शाम में होने लगेगा ठंड का अहसास

अब राज्य में सुबह और शाम में ठंड का एहसास होने लगेगा. अधिकतम तापमान में गिरावट आएगी. छह और सात अक्तूबर को न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना जतायी गयी है.

हाईकोर्ट का निर्देश, पूजा के दौरान अतिरिक्त महिला सुरक्षा बलों की तैनाती की जाए

रांची : झारखंड के अलग-अलग जिलों में महिलाओं और स्कूली बच्चों समेत नाबालिग लड़कियों के साथ बढ़ते अपराध पर रोक के लिए दायर जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. गुरुवार की सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि प्रमुख जगहों पर सीसीटीवी कैमरा से मॉनिटरिंग की जाए, महिलाओं की आपातकाल में मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर का स्थानीय टीवी

चैनल और अखबारों में विज्ञापन के जरिए प्रचार प्रसार किया जाए और सभी जगहों पर स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त किया जाए. वहीं अदालत ने दुर्गा पूजा को लेकर सरकार को पूजा पंडाल के आसपास अतिरिक्त महिला सुरक्षा बल की नियुक्ति करने और पिंक बसों के संचालन के समय को विस्तार देने का निर्देश दिया है. अब इस जनहित याचिका पर हाईकोर्ट 18 नवंबर को सुनवाई करेगा. हाईकोर्ट की महिला अधिवक्ता भारती कौशल ने इस संबंध में जनहित याचिका दायर की है. राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता गौरव कुमार ने इस मामले में पक्ष रखा.

मराठी-बंगाली समेत पांच भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा, चुनाव से पहले केंद्र का फैसला

नई दिल्ली : किसानों की आमदनी और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने से जुड़े हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी देने के अलावा केंद्र सरकार ने गुरुवार को मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली भाषाओं को शास्त्रीय भाषा (क्लासिकल लैंग्वेज) का दर्जा दिया है।

दरअसल 2013 में महाराष्ट्र सरकार ने मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का प्रस्ताव संस्कृति मंत्रालय की भाषा विशेषज्ञ समिति को भेजा था। इस बीच पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली भाषा को भी शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के

प्रस्ताव मिले। विशेषज्ञ समिति ने इन भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने की संस्तुति की। शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलने के बाद इन भाषाओं के लिए शैक्षिणिक और शोध क्षेत्र में महत्वपूर्ण रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा इन भाषाओं के प्राचीन ग्रंथों के संरक्षण, दस्तावेजीकरण और डिजिटलीकरण से संग्रह, अनुवाद, प्रकाशन और डिजिटल मीडिया में रोजगार पैदा होंगे। कैबिनेट फैसले के बाद इन भाषाओं का व्यापक सांस्कृतिक, शैक्षिणिक प्रभाव राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलेगा। वहीं असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस फैसले के लिए पीएम मोदी का आभार भी प्रकट किया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने एक्स पर पोस्ट किया कि असमिया अब एक शास्त्रीय भाषा है। असम के लोगों की ओर से मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करता हूं। पूरे केंद्रीय मंत्रिमंडल को असमिया को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के ऐतिहासिक निर्णय के लिए धन्यवाद देता हूं। असमिया चुनिंदा भाषाओं के समूह में शामिल हो गई है। उन्होंने लिखा कि यह असम की अनूठी सभ्यतागत जड़ों का उदाहरण है जो समय की कसौटी पर खरी उतरी है। कैबिनेट के निर्णय से हम अपनी मातृभाषा को बेहतर ढंग से संरक्षित कर पाएंगे, जो न केवल हमारे समाज को एकजुट करती है बल्कि असम के संतों, विचारकों, लेखकों और दार्शनिकों के प्राचीन ज्ञान के साथ एक अटूट कड़ी भी बनाती है। हमारी पीढ़ी ने असमिया भाषा और संस्कृति की रक्षा के लिए जो बलिदान दिया है, उसे देखते हुए आज का दिन मेरे जीवन के सबसे खुशी के दिनों में से एक है। भारत की विरासत को सुरक्षित रखने के उनके अथक प्रयासों के लिए एक बार फिर आदरणीय मोदी जी को हृदय से धन्यवाद।

संक्षिप्त खबरें

रांची के किशोरगंज में स्पा सेंटर में पुलिस ने की छापेमारी

रांची(ईएमएस)।रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के हरमू रोड के किशोरगंज स्थित स्पा सेंटर में पुलिस ने छापेमारी की। गुरुवार को पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए स्पर्श सलून एंड स्पा में छापेमारी की। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि स्पा सेंटर में सेक्स रैकेट का करोबार संचालित हो रहा है।जिसके बाद पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए छापेमारी की।इस दौरान पुलिस को देखकर स्पा सेंटर में काम करने वाली युवती ने बिल्डिंग छलांग लगा दी, हालांकि उसे कुछ हुआ नहीं। पुलिस लड़की से पूछताछ कर जानकारी जुटा रही है।

नौ दिन बाद एनजीटी की रोक हटेगी फिर भी गहराया रहेगा बालू का संकट

रांची(ईएमएस)।झारखंड में बालू उठाव पर लगी रोक 15 अक्तूबर के बाद से हट जाएगी।रोक हटने के बावजूद प्रदेश में बालू का संकट बना रहेगा।इसकी वजह यह है कि अब तक 444 बालू घाटों में से 328 बालू घाटों के माइनिंग प्लान को मंजूरी नहीं मिल पाई है।वहीं 400 से अधिक बालू घाटों को पर्यावरण स्वीकृति भी नहीं मिल पाई है। नियमतः बिना माइनिंग प्लान मंजूर किए और पर्यावरण स्वीकृति के बिना बालू का उठाव नहीं हो सकता है।पर्यावरण स्वीकृति लेने से पहले ग्रामसभा से माइनिंग प्लान की मंजूरी लेनी पड़ती है। इसके बाद सिया के पास पर्यावरण स्वीकृति के लिए आवेदन देना होता है। पर्यावरण स्वीकृति मिलने के बाद बालू घाट से बालू उठाव के लिए कंसर्ट टू ऑपरेट (सीटीओ) मिलता है। अब तक सिर्फ 35 बालू घाटों को ही पर्यावरण स्वीकृति मिल पाई है।वहीं कटेगरी टू के बालू घाटों के लिए 256 एमडीओ चयनित किया गया है। 148 एमडीओ के साथ इकरारनामा की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

निर्वाचन आयोग की पहल पर झारखण्ड एवं महाराष्ट्र के आरओ, एआरओ का 2 दिवसीय रिफ्रेशर ट्रेनिंग का हुआ आयोजन

रांची (ईएमएस)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार के मार्गदर्शन में राज्य के विभिन्न विधानसभा क्षेत्र के वैसे पदाधिकारी जिनके द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव हेतु विगत माह में ही प्रशिक्षण पूरा कर लिया गया था परंतु, प्रशिक्षण के क्रम में आयोजित परीक्षा में काम अंक प्राप्त हुए थे। भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा उनके लिए ऑनलाइन माध्यम से 2 दिवसीय रिफ्रेशर ट्रेनिंग का निर्वाचन सदन में आयोजन किया गया। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में झारखंड के साथ–साथ महाराष्ट्र के भी निर्वाचन से जुड़े पदाधिकारियों को आयोग के प्रशिक्षकों ने चुनाव कराने संबंधी विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया।इस अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग के राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों ने ऑनलाइन माध्यम से निर्वाचन से जुड़े पदाधिकारियों को निर्वाचन के दौरान उनके कर्तव्यों एवं अधिकारों के विषय में बिंदुवार प्रशिक्षण दिया। साथ ही शांतिपूर्ण एवं त्रुटि रहित निर्वाचन कराने में आयोग के दिशा निर्देशों के अनुपालन संबंधित जानकारियां उपलब्ध कराई।प्रशिक्षण सत्र में विगत में कम अंक प्राप्त करने वाले सभी पदाधिकारी उपस्थित रहें वहीं मुख्य निर्वाचन कार्यालय से पदाधिकारियों के प्रशिक्षण में सहायता हेतु सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार, सिस्टम एनालिस्ट एस. एन. जमील सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

अध्यात्म और पर्यटन का अद्भुत संगम होगा महातीर्थ सतीघाट मंदिर : सुदेश महतो

रांची(ईएमएस)।हमारी तैयारी महातीर्थ सतीघाट मंदिर की पहचान को राष्ट्रीय पटल पर स्थापित करने की है। सतीघाट मंदिर हमारी आस्था का बड़ा केंद्र है। आने वाले दिनों में अध्यात्म और पर्यटन का अद्भुत संगम होगा महातीर्थ सतीघाट मंदिर। उक्त बातें सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो ने सोनाहातु के बारेंदा पंचायत अंतर्गत पांडुडीह गांव में स्वर्णरेखा नदी के तट पर स्थित महातीर्थ सतीघाट मंदिर निर्माण हेतु आयोजित भूमि एवं शिला पूजन कार्यक्रम में कही। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में स्नान घाट निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास भी किया।पौराणिक सतीघाट मंदिर का संरक्षण, विकास और इसके सौंदर्यीकरण के लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। जल्द ही यह ऐतिहासिक मंदिर परिसर एक नए विकसित रूप में जनता के सामने होगा। आस्था के केंद्र सतीघाट मंदिर को एक मॉडल पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को सभी तरह की सुविधा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता होगी।कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सुदेश महतो ने महातीर्थ सतीघाट मंदिर निर्माण समिति के सभी सदस्यों को बधाई दी।महातीर्थ सतीघाट मंदिर का निर्माण सैंड स्टोन से होगा। यह खास सैंड स्टोन मिर्जापुर से मंगाए जाएंगे। 3.94 एकड़ में फैले मंदिर परिसर में दो तोरण द्वार, स्नान घाट, मेला के लिए मैदान, सेंट्रल प्लाजा, एमपी थियेटर, विभिन्न तरह की दुकानें, हॉल, पार्किंग, पार्क, सड़कें, पानी, बिजली, शौचालय आदि की व्यवस्था की जाएगी।भूमि एवं शिला पूजन कार्यक्रम से पूर्व कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कलश यात्रा में हजारों की संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। पूजा के बाद विभिन्न भक्ति कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। नवरात्रि के प्रथम दिन इस भव्य धार्मिक अनुष्ठान से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया।

रजरप्पा में शारदीय नवरात्रि की हुई शुरुआत, प्रथम दिन मां शैलपुत्री की हुई पूजा, विशेष भंडारा का हुआ आयोजन

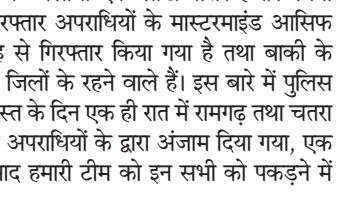

रामगढ़(ईएमएस)।रामगढ़ के रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिके प्रक्षेत्र में शारदीय नवरात्र की धूम मची हुई है। गुरुवार को प्रथम दिन मां शैलपुत्री की पूजा विधि विधान के साथ मंदिर न्यास समिति के पंडा समाज के द्वारा किया जा रहा है। कोलकाता से आए 30 कारीगरों के जत्थे के द्वारा पूरे मंदिर को आकर्षक साज सज्जा के साथ सजाया गया है। विभिन्न जगहों से आने वाले श्रद्धालुओं की गुरुवार की सुबह से ही पूजा अर्चना के लिए लंबी कतारे लगी हुई हैं। अन्य दिनों की तरह दोपहर का भंडारा भी पूरे नवरात्री में चलता रहेगा। बनारस से आए पुजारियों के द्वारा शाम से भव्य गंगा आरती की शुरुआत की गई जो अगले अष्टमी तक लगातार चलेगा। मौके पर मंदिर न्यास समिति के पुजारी पप्पू पंडा बताते हैं कि मंदिर न्यास समिति के पुजारी द्वारा आज प्रथम मां शैलपुत्री की पूजा की गई विशेष भंडारा का आयोजन हुआ तथा शाम में गंगा आरती का भी भव्य आयोजन होना है।पुणे में नौकरी करने वाली यहां की एक स्थानीय महिला श्रद्धालु बताती है कि बिहार झारखंड के बाहर के मंदिरों में निजीकरण स्पष्ट रूप से दिखता है जबकि छिन्नमस्तीके आने पर मां आप जैसी भी स्थिति में हो अपने शरण में स्थान देती हैं।

एटीएम काटकर पैसे उड़ाने वाले गिरोह के सरगना को रामगढ़ पुलिस ने हरियाणा से पांच को किया गिरफ्तार

रामगढ़(ईएमएस)।रामगढ़ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में गुरुवार को एटीएम कांड का खुलासा पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने एक सवांददाता सम्मेलन के माध्यम से किया है। इस कांड का खुलासा करते हुए पांच अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है जिनके पास से चार महंगी बड़ी गाड़ियों के साथ आधे दर्जन मोबाइल के अलावा एक लाख सत्तर हजार रुपया नगद बरामद किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों के मास्टरमाइंड आसिफ उर्फ गांजा को हरियाणा के नूह से गिरफ्तार किया गया है तथा बाकी के चार अपराधी बिहार के विभिन्न जिलों के रहने वाले हैं। इस बारे में पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 23 अगस्त के दिन एक ही रात में रामगढ़ तथा चतरा में एटीएम काटने की घटना को अपराधियों के द्वारा अंजाम दिया गया, एक महीने की कड़ी मशक्कत के बाद हमारी टीम को इन सभी को पकड़ने में सफलता हासिल हुई है।

पांच-छह अक्टूबर को राष्ट्रीय सम्मेलन गैस्ट्रोकॉन-24 का आयोजन, जुटेंगे 200 डॉक्टर

रांची : डोरंडा स्थित जैप-1 ऑडिटोरियम (शौर्य सभागार) में पांच-छह अक्टूबर को इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन गैस्ट्रोकॉन-24 का आयोजन किया जा रहा है. सम्मेलन में झारखंड के अलावा देशभर के प्रसिद्ध गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट भाग लेंगे. अलग-अलग राज्यों से 200 से ज्यादा एक्सपर्ट इसमें शिरकत करेंगे. गुरुवार को प्रेस क्लब में ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. मनोहर लाल प्रसाद और ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. प्रणव मंडल, को-चेयरमैन डॉ. जयंत घोष ने बताया कि गैस्ट्रोकॉन-24 में पेट, लीवर, आंत जैसे रोगों के बारे विस्तार से चर्चा की जाएगी. किस बीमारी के इलाज में क्या-क्या नई एडवांस तकनीक आयी है, हम चिकित्सक मरीजों को कैसे और बेहतर चिकित्सा सुविधा दे सकें, इस पर आपस में जानकारी साझा करेंगे. कौन सी चिकित्सा पद्धति का इस्तेमाल दूसरे राज्यों में एक्सपर्ट डॉक्टर कर रहे हैं, झारखंड में किन एडवांसमेंट को एडॉप्ट कर यहां के मरीजों का अच्छा इलाज किया जा सके, इस पर हमारा फोकस होगा. डॉ. मनोहर लाल ने बताया कि मोटर डिस्फेजिया (खाना घोटने में दिक्कत), पैनक्रियाटाइटिस, लीवर ट्रांसप्लांट, पेट में पानी भर जाने पर नया इलाज क्या है, हेपेटाइटिस बी के बारे में नए इलाज आदि की जानकारी आपस में साझा की जाएगी. मौके पर डॉ. प्रणव कुमार मंडल, डॉ. मनोहर लाल प्रसाद, डॉ. जयंत घोष, डॉ. रवीश रंजन, डॉ. चंदन यादव, डॉ. संगीत सौरभ, डॉ. सतीश मिड्ढा, डॉ. अखिलेश यादव, डॉ. अनिकेत अग्रवाल और डॉ. अंतरिक्ष कुमार मौजूद थे.

कॉन्फ्रेंस में देशभर के एक्सपर्ट डॉक्टर्स लेंगे हिस्सा

सम्मेलन में दिल्ली से डॉ. अनिल अरोड़ा, डॉ. पीयूष रंजन, डॉ. विकास सिंघला, चंडीगढ़ से डॉ. एसके सिन्हा, कोलकाता के डॉ. संदीप पाल, आईएलबीएस नई दिल्ली के डॉ. अशोक चौधरी, डॉ. अमर मुकुंद, हैदराबाद के डॉ. जीवी राव, डॉ. कपिल शर्मा समेत अन्य एक्सपर्ट डॉक्टर बतौर वक्ता हिस्सा लेंगे. कांफ्रेस के दौरान लाइव सर्जरी के साथ-साथ बिहार-झारखंड के चिकित्सक पेट, आंत-लीवर की बीमारियों पर अपनी महत्वपूर्ण केस स्टडी और विशेष शोध प्रस्तुत करेंगे. कांफ्रेस में पहली बार लाइव वर्कशॉप का आयोजन होगा, जिसमें बिना चीर-फाड़ के एंडोस्कोपिक पद्धति द्वारा खाने में होनेवाली दिक्कत से संबंधित बीमारी, एक्लासिया कार्डिया का ऑपरेशन, पैंक्रियाज से संबंधित बीमारी, पैंक्रिएटिक सिंडोसिस्ट का ड्रेनज, ईआरसीपी द्वारा पित्त की नली के बड़े-बड़े स्टोन का स्पाई ग्लास द्वारा ऑपरेशन किया जाएगा. साथ ही पीजी स्टूडेंट्स की बेहतर भागीदारी व ज्ञानवर्धन के लिए गैस्ट्रोक्विज और पोस्टर प्रेजेंटेशन का भी आयोजन किया जा रहा है.

लातेहार में अदालत ने बिजली तार को नुकसान पहुंचाने वाले को दी कारावास

लगाया अर्थ दंड

लातेहार(ईएमएस)।अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शशि भूषण शर्मा की अदालत ने बिजली की तार को नुकसान पहुंचाने वाले अपराधी गुप्तेश्वर यादव को अधिकतम 18 महीनों का कठोर कारावास एवं 10 हजार रुपए जुर्माना की सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार कनीय अभियंता अंकित कुमार ने मनिका थाना कांड संख्या 105/ 2021 दिनांक 22 अक्टूबर 2021 को मनिका थाना में मुकदमा दर्ज कराया था।दर्ज मुकदमा में बताया गया था कि आरोपी गुप्तेश्वर यादव गत 22 अक्टूबर 2021 को 11 हजार वोल्ट की बिजली तार के पास स्थित सेमल का पेड़ काट रहा था।पेड़ की टहनी तार पर गिर जाने से 11 हजार लाइन क्षतिग्रस्त हो गया था।मामले की जानकारी मिलने के बाद बिजली विभाग की ओर से प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।अदालत ने मामले पर संज्ञान लेते हुए आरोपी के विरुद्ध दिनांक 12 जनवरी 2024 को भादवि की धारा 427 और 3 डैमेज आफ पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट के तहत आरोप गठन किया था।अभियोजन पदाधिकारी रविंद्र नाथ चौरसिया के द्वारा अदालत में कुल छह गवाहों को पेश किया गया। गवाही के उपरांत शर्मा की अदालत ने गुप्तेश्वर यादव को दोषी ठहराया। अदालत ने भादवि की धारा 427 के तहत एक वर्ष का कठोर कारावास एवं 5000 रुपए जुर्माना एवं जुर्माना नहीं भरने की स्थिति में दो माह का अतिरिक्त कारावास एवं तीन डैमेज आफ पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट के तहत 18 महीनों की कठोर कारावास एवं 10 हजार रुपए जुर्माना लगाया है। जुर्माना नहीं देने की स्थिति में चार माह का अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाया है।अदालत ने सभी सजाए साथ-साथ चलने का आदेश जारी किया है। मालूम हो इस मामले का स्पीडी ट्रायल कर अदालत ने महज नौ महीनों के अंतराल में मामले को निष्पादित किया है। इस मामले में सजा सुनाए जाने के बाद सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों में दहशत फैला है।

गणेश महली ने खरसावां विस सीट पर पेश की अपनी दावेदारी

सरायकेला (ईएमएस)। जब से सरायकेला के वर्तमान विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन भाजपा में शामिल हुए हैं तभी से सरायकेला से विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए वर्षों से फील्डिंग कर नेताओं पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। इस सीट से दो बार भाजपा के टिकट पर भाग्य आजमा चुके गणेश महाली को इस बात का डर सता रहा है कि कहीं इस बार इनका टिकट कट न जाए। जबकि इस सीट पर एक और संभावित प्रत्याशी रमेश हांसदा टिकट की जुगत में ही दिन रात एक किए हुए हैं।इन सारी संभावनाओं के बीच गुरुवार को भाजपा जिला अध्यक्ष उदय सिंह देव को गणेश महाली ने आगामी विधानसभा चुनाव में खरसावां विधानसभा से पार्टी प्रत्याशी बनाने के लिए अपना दावेदारी पेश की है।चूंकि वह जान गए हैं कि चंपाई सोरेन के आने से उनका टिकट का गणित बिगड़ सकता है। इसलिए उन्होंने अब खरसावां सीट से अपनी दावेदारी पेश की है।ऐसे में सवाल उठता है कि अर्जुन मुंडा अगर सीएम कैंडिडेट के रूप में होंगे तो उनको पार्टी चुनाव कहां से लड़ाएगी।फिलहाल गणेश महाली के खरसावां सीट से दावेदारी प्रस्तुत करने से समीकरण बिगड़ता दिख रहा है।चूंकि गणेश महाली भी अर्जुन मुंडा के खास शिष्य हैं।तो क्या भविष्य में गणेश महाली अपने गुरु के लिए यह सीट जीतकर भी छोड़ देंगे।

पटमदा के किसानों को 16 वर्ष बाद मिली कोल्ड स्टोरेज की सौगात

पूर्वी सिंहभूम (ईएमएस)।पटमदा प्रखंड क्षेत्र के किसानों को 16 वर्ष बाद कोल्ड स्टोरेज की सौगात मिली।विधायक मंगल कालिंदी ने गुरुवार को इसका शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस कोल्ड स्टोरेज में स्थानीय किसान टमाटर, धनिया, बीट, गाजर, आलू, महुआ, गुड़, इमली, अंडा व विभिन्न प्रकार के फल रख सकते हैं।जिसे वे समय-समय पर निकालकर बाजार मूल्य के हिसाब से बेच सकते हैं।पटमदा में कोल्ड स्टोरेज की मांग वर्षों पुरानी थी।कृषि मंत्री दीपिका पांडेय से मुलाकात कर चालू करने की मांग रखी थी।हालांकि कोल्ड स्टोरेज का उद्घाटन 2021 में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन (ऑनलाइन) कर चुके थे। लेकिन संचालक नहीं मिलने की वजह से कोल्ड स्टोरेज बंद रहा। मिली जानकारी के अनुसार 2008 में तत्कालीन विधायक दुलाल भुइयां ने इसका शिलान्यास किया। लेकिन निर्माण नहीं हो पाया। साल 2014 में दुलाल भुइयां को हराकर रामचंद्र सहिस विधायक बने। रघुवर सरकार में कुछ समय के लिए वे मंत्री भी बने। उस दौरान उन्होंने कोल्ड स्टोरेज का दोबारा शिलान्यास किया।लेकिन निर्माण पूरा नहीं हो पाया। 2019 में मंगल कालिंदी के विधायक बनने के बाद उन्होंने इसका निर्माण शुरू कराया। 2021 में हेमंत सोरेन ने इसका ऑनलाइन उद्घाटन किया।लेकिन तकनीकी कारणों से संचालन बंद रहा।गौरतलब है कि कृषि एवं सहकारिता विभाग द्वारा 10 करोड़ की लागत से इस कोल्ड स्टोरेज का निर्माण कराया गया है।उन्होंने कहा कि राज्य में सबसे ज्यादा समय तक शासन करने वाले आजसू-बीजेपी सरकार ने लोगों को ठगने का काम किया है। वर्ष 2013 में हेमंत सोरेन सरकार ने गरीबों के लिए शुरू की गई 10 रुपए में धोती- साड़ी योजना को बंद कर दिया गया।पटमदा बोड़ाम में सालों भर खेती हो, इसके लिए चांडिल डैम से पानी लाने का वे प्रयास कर रहे हैं। उपस्थित लोगों से विधायक ने राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए हेमंत सोरेन को फिर से मुख्यमंत्री बनाने की अपील की।मौके पर जिला पार्षद खगेन चंद्र महतो, विधायक प्रतिनिधि चंद्रशेखर टुडू, रंजीत कुमार, ज्योति कुमारी, सिजेन हेम्ब्रम समेत अन्य कई लोग मौजूद थे।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन की ड्रोन कैमरे से होगी निगरानी

पूर्वी सिंहभूम (ईएमएस)। शारदीय नवरात्र प्रारंभ होने के साथ ही दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। उपायुक्त अनन्य मित्तल, एसएसपी किशोर कौशल, सिटी एसपी ऋषभ गर्ग समेत अन्य प्रशासनिक पदाधिकारियों ने दुर्गा पूजा कमिटी के पदाधिकारियों के साथ बागबेड़ा बड़ौदा घाट का निरीक्षण किया। बड़ौदा घाट जाने के दौरान नाला पर बने पुल की रेलवे द्वारा चारपहिया वाहनों का प्रवेश वर्जित किए जाने पर सिदो कान्हू मैदान के रास्ते विसर्जन जुलूस ले जाने का निर्देश दिया।साथ ही उक्त रास्ते का निरीक्षण किया। मौके पर मौजूद पूजा कमिटी के पदाधिकारियों से कहा कि बड़ी प्रतिमाएं एवं बड़े वाहन परिवर्तित मार्ग से नहीं जाएंगे। इसका ख्याल रखें। 407 वाहन में आने वाली छोटी प्रतिमाएं ही उस रास्ते से जाएंगी। अधिकारियों ने पर्याप्त विद्युत व्यवस्था, विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा की दृष्टि से घाटों पर बैरिकेडिंग किए जाने, ससमय साफ-सफाई सुनिश्चित कराने तथा विसर्जन के दौरान सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि इस बार विसर्जन जुलूस के साथ-साथ प्रतिमा विसर्जन की भी ड्रोन से निगरानी की जाएगी।इस दौरान घाट पर गहरे पानी में कोई नहीं जाए।इसके लिए लाल निशान लगाएं जाएंगे। गोताखोर की व्यवस्था रहेगी।उपायुक्त ने सभी दुर्गा पूजा समिति से अपील की कि तय समय पर विसर्जन करें जिससे विधि व्यवस्था बनाए रखने में कोई बाधा नहीं उत्पन्न हो। उन्होंने कहा कि घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे, पूजा समिति दुर्गा पूजा को सफल संपन्न कराने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि नदी किनारे फिसलन वाले क्षेत्रों में नहीं जाएं।

झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर पुलिस पदाधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आज

रांची : विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड पुलिस को चुनाव मोड में लाने की तैयारी शुरू हो गयी है. जल्द ही झारखंड में आचार संहिता लग सकती हैं. इसे देखते हुए चार अक्टूबर(शुक्रवार) को सभी रेंज के डीआईजी और जिलों के एसपी के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. प्रशिक्षण कार्यक्रम चुनाव आयोग के निर्देश पर आयोजित किया जा रहा हैं. धुर्वा स्थित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम दिन के 11 बजे से शाम के 5.15 बजे तक चलेगा. निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार और आईजी अभियान एवी होमकर पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण देंगे.

निर्वाचन आयोग के मैनुअल के तहत प्रशिक्षण दिया जायेगा

विधानसभा चुनाव स्वच्छ, निष्पक्ष, भयमुक्त व शांतिपूर्ण वातावरण में कराया जाना है. इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग नयी दिल्ली से जारी मैनुअल के तहत ही प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है. प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों को मतदानकर्मियों की सुरक्षा से लेकर बूथ की निगरानी तक की रणनीति से अवगत कराया जायेगा. उन्हें मतदान सामग्री की सुरक्षा, असामाजिक तत्वों, उपद्रवियों से निपटने के तरीके से भी बताये जायेंगे. मतदाताओं को असुविधा न हो, उन्हें कोई मतदान से वंचित न कर पाये और कोई उन्हें अपने पक्ष में मतदान के लिए कोई दबाव बनाये, तो वैसे लोगों से कैसे निपटना है, इससे संबंधित प्रशिक्षण दिया जायेगा.

प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने वाले पुलिस अधिकारी

प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईजी एवी होमकर, डीआईजी धनंजय सिंह इंद्रजीत महथा, अश्विनी कुमार सिन्हा, अनूप बिरथरे, सुनील भास्कर, संजीव कुमार,सुरेंद्र कुमार झा, चौथे मनोज रतन, वाईएस रमेश सहित सभी जिलों के एसपी, एसएसपी शामिल होंगे.

गढ़वा में बह रही है विकास की गंगा : मंत्री मिथिलेश

गढ़वा (ईएमएस)। जिले के विभिन्न प्रखंडों में जिला योजना अनाबद्ध निधि से लगभग 20 करोड़ रुपए की लागत से 118 योजनाओं का कार्य किया जाएगा। जिला योजना कार्यकारिणी समिति की आयोजित बैठक में शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, मत्स्य विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, पीसीसी, आंगनबाड़ी आदि की 118 योजनाओं की प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।सभी योजनाओं का कार्य शीघ्र ही प्रारंभ कर दिया जाएगा।जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि जिला योजना अनाबद्ध निधि से जिले के विभिन्न प्रखंड में 118 योजनाओं का चयन कर लिया गया है। शीघ्र ही सभी योजनाओं का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा. इसके तहत जिले के गढ़वा, मेराल, डंडा, रंका, चिनियां, रमकंडा, बरडीहा, खरौंधी, भवनाथपुर, केतार, कांडी आदि प्रखंड में पीसीसी पथ निर्माण, कलवर्ट, पुलिया, गार्डवाल, स्कूल में शौचालय, सिंचाई नाला, आंगनबाड़ी केंद्र का सुदृढ़ीकरण व मॉडलाइजेशन, खेल मैदान में चापाकल, अन्नराज जलाशय में क्रेज अधिष्ठापन, सदर अस्पताल में ड्रेनेज कार्य, खेल मैदान में चेंजिंग रूम, गोल पोस्ट, ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजना का सुदृढ़ीकरण, वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के लिए ट्रांसफार्मर, चिनिया प्रखंड में अनुसूचित जनजाति आवासीय कल्याण विद्यालय में सुधारीकरण संबंधी कार्य, रमकंडा प्रखंड में अनुसूचित जाति बालिका कल्याण आवासीय विद्यालय में सुदृढ़ीकरण कार्य, अनुसूचित जाति बालक कल्याण आवासीय विद्यालय में सुदृढ़ीकरण कार्य आदिसहित कई अन्य छोटी-छोटी योजनाएं शामिल हैं।उन्होंने बताया कि स्वीकृति की गई सभी योजनाएं अति महत्वपूर्ण हैं। लंबे समय से इन योजनाओं की मांग की जा रही थी. प्राथमिकता के आधार पर ही सभी योजनाओं का चयन किया गया है।मंत्री श्री ठाकुर ने कहा के पूरे गढ़वा जिला में विकास की गंगा बह रही है।प्रत्येक गांव, प्रत्येक टोला में चप्पे चप्पे पर योजनाएं संचालित की जा रहे हैं।पूरे गढ़वा में सड़कों का जाल बिछ गया है। उन्होंने कहा कि काफी कम समय में पूरे गढ़वा की तस्वीर बदल गई है।

संक्षिप्त खबरें

नवरात्र के पहले दिन सोना हुआ सस्ता, चांदी चमकी

सोना 76,150 रुपए प्रति दस ग्राम, चांदी 91,850 रुपए के करीब

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने के वायदा कारोबार में गुरुवार को सुस्ती देखी जा रही है, जबकि चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। इस समय सोने के वायदा भाव 76,150 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 91,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 276 रुपये की गिरावट के साथ 76,114 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 215 रुपये की गिरावट के साथ 76,175 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 469 रुपये की तेजी के साथ 91,844 रुपये पर खुला। इस समय यह 485 रुपये की तेजी के साथ 91,860 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,679.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,669.70 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 8.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,678.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32.10 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.92 डॉलर था। इस समय यह 0.15 डॉलर की तेजी के साथ 32.07 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

क्रूड में तेजी से बढ़ने लगे पेट्रोल-डीजल के भाव

वैश्विक बाजार में क्रूड 71 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली (ईएमएस)। ईरान के इजरायल पर हमले के बाद कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है। ऐसे में दुनियाभर में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल आने की संभावना बढ़ गई है। वैश्विक बाजार में क्रूड 71 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड का भाव 74.70 डॉलर प्रति बैरल है। अगर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी होती है तो महंगाई भी बढ़ेगी। इस बीच गुरुवार को ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के भाव अपडेट कर दिए हैं। देश के चारों महानगरों में ईंधन के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटी और बढ़ी हैं। आंध्रा प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ और जम्म-कश्मीर समेत कुछ प्रदेशों में पेट्रोल के दाम बढ़ गए हैं। वहीं कर्नाटक, केरल और ओडिशा समेत अन्य राज्यों में कीमतें घटी हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.95 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं गुरुग्राम में पेट्रोल 94.91 रुपये और डीजल 87.90 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 95.01 रुपये और डीजल 88.01 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.72 रुपये प्रति लीटर हो गया है। जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

रातू रोड में श्रीलेदर्स का तीसरा शोरूम खुला

रांची : 70 वर्षों से भारतीय फुटवियर उद्योग में अग्रणी, श्रीलेदर्स ने 4 अक्टूबर, 2024 को रांची शहर के रातू रोड में हेहल पिस्का मोड़ स्थित अपने तीसरे शोरूम के लॉन्च की गर्व से घोषणा की है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रीलदर्स के पार्टनर सुशांतो डे , पुजारिणी डे, सौरभ विश्वास , रातु रोड रांची स्थित नए शोरूम के संचालक रवि सिंह और झारखंड फेमिना की विजेता रिया तिर्की ने संबोधित करते हुए श्रीलदर्स के प्रोडक्ट की जानकारी देते हुए कहा कि झारखंड, बिहार और उड़ीसा में कई स्टोरों की सफल शुरुआत रणनीतिक विस्तार है जिससे इस क्षेत्र में श्रीलेदर्स का प्रभुत्व मजबूत हुआ। 1952 में स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय सुरेश चंद्र डे द्वारा स्थापित, श्रीलेदर्स ने लगातार किफायती कीमतों पर आरामदायक जूते उपलब्ध कराए हैं। गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति ब्रांड की अटूट प्रतिबद्धता ने इसे एक वफादार ग्राहक आधार और आरामदायक और स्टाइलिश जूते के साथ-साथ चमड़े के सामान में एक महत्वपूर्ण बाजार हिस्सेदारी अर्जित की है। एक विश्व स्तरीय उत्पाद पोर्टफोलियो का अनावरण श्रीलेदर्स के इस नए शोरूम में किया गया । रांची शहर के रातू रोड पर हेहल पिस्का मोड़ स्थित नया शोरूम में जूते की किफायती रेंज ,प्रीमियम जूते,चमड़े का सामान , बैग ,यात्रा बैग ,खेल के जूते व एक्टिववियर की व्यापक रेंज प्रदर्शित करेगा । किफायती कीमतों पर,श्रीलेदर्स की नवीनतम श्रेणी, एसएल प्रीमियम को खुदरा और ऑनलाइन ग्राहकों से अच्छी समीक्षा मिली है। पार्टनर शेखर डे ने जोर देकर कहा, "फ्रेंचाइजी को उत्पाद वितरित करने से पहले गुणवत्ता और ग्राहक स्वीकार्यता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं।" पार्टनर और तीसरी पीढ़ी के परिवार के सदस्य, सुशांतो डे ने ब्रांड के दृष्टिकोण का खुलासा कियाः "हम विश्व स्तरीय गुणवत्ता वाले खेल के जूते पेश कर रहे हैं, जिसमें बैडमिंटन, वॉलीबॉल और बास्केटबॉल के लिए एक अलग लाइन है। विश्व स्तरीय गुणवत्ता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अटूट है, जबकि जेब के अनुकूल कीमतें सुनिश्चित करना।" एसएल स्पोर्ट्स ब्रांड एक्टिव वियर और स्पोर्ट्स जूतों की बढ़ती मांग को पूरा करेगा।

यमुना में बाढ़ नहीं आने से दिल्ली में बढ़ सकता है प्रदूषण का खतरा

नई दिल्ली(ईएमएस)। पिछले वर्ष 13 जुलाई को दिल्ली में पुराना लोहा पुल के पास यमुना का जलस्तर 208.66 मीटर पहुंच गया था। पहली बार यमुना का जल स्तर इतना अधिक पहुंचा था जिससे दिल्ली में कई दिनों तक बाढ़ की स्थिति रही थी। जुलाई के बाद सितंबर में भी कई दिनों तक यमुना का जलस्तर चेतावनी स्तर 204.5 मीटर से अधिक था। लेकिन इस बार यमुना में बाढ़ की स्थिति नहीं बनने से प्रदूषण की समस्या बढ़ सकती है। साउथ एशिया नेटवर्क ऑन डैम्स, रिवर्स एंड पीपल्स (सेनड्राप) के प्रमुख भीम सिंह रावत का कहना है कि यह

स्थिति असामान्य है क्योंकि आमतौर पर मानसून के दौरान यमुना में कम से दो बार कम या मध्यम बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है। कम पानी आने से यमुना में प्रदूषण बढ़ा है। यही कारण है कि मानसून के दौरान ही ओखला बैराज के आसपास नदी में झाग की समस्या उत्पन्न हुई। बाढ़ आने से नदी में तीन से चार महीने तक प्रवाह बहाल रहता है। इस बार प्रवाह में कमी आएगी। आने वाले महीनों में यमुना में प्रदूषण का स्तर और बढ़ने वाला है। यमुना में कम पानी आने से जुलाई के अंतिम सप्ताह में यमुना में झाग उत्पन्न होने के साथ ही अमोनिया का स्तर बढ़ गया जिससे कई दिनों तक जल आपूर्ति की समस्या रही। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की रिपोर्ट के अनुसार भी मानसून में यमुना में प्रदूषण का स्तर बढ़ा रहा। बता दें कि इस वर्ष मानसून में एक बार भी यमुना का जलस्तर चेतावनी स्तर को पार नहीं किया। इससे दिल्लीवासियों को राहत मिली है, क्योंकि पिछले वर्ष जुलाई में यमुना का जलस्तर बढ़ने से दिल्ली में कई दिनों तक बाढ़ की समस्या रही थी। इस बार दिल्लीवासियों को बाढ़ का सामना नहीं करना पड़ा, परंतु विशेषज्ञ इस स्थिति को यमुना के उचित नहीं मान रहे हैं। इससे नदी में प्रदूषण और जल आपूर्ति की समस्या बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। पिछले वर्ष की परेशानी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए पूरी तैयारी की थी। परंतु, इस तरह की समस्या उत्पन्न नहीं हुई। जबकि पिछले वर्ष हथनी कुंड से कई दिन तीन लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया था। इस वर्ष एक बार भी एक लाख क्यूसेक का आंकड़ा नहीं पार हुआ। 26 सितंबर को सुबह छह बजे अधिकतम 87,017 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था।

काम मांगों अभियान की शुरुआत

गिरीडीहः 3 अक्टूबर को सदर प्रखंड, गिरीडीह के पहाड़पुर पंचायत भवन में काम मांगों अभियान की शुरुआत की गई। आंबेडकर सामाजिक संस्थान, गिरीडीह एवम् मजदूर मंच, गिरीडीह द्वारा आभियान चलाया जा रहा है। पहाड़पुर पंचायत की मुखिया, मुन्नी हेंब्रम, जिला परिषद सदस्य प्रवीण मुर्मू, वार्ड सदस्य व मांझी हेडम सीकर बेसरा एवं आंबेडकर सामाजिक संस्थान, गिरीडीह के सचिव रामदेव विश्वबंधु ने संयुक्त रूप से इस अभियान की शुरुआत की। जिप सदस्य प्रवीण मुर्मू ने कहा कि झारखण्ड में अकूत संपत्ति है, फिर भी झारखण्ड के मजदूर अन्य राज्यो मे रोजी रोजगार के लिए पलायन करते हैं। उन राज्यों में दुर्घटना होने पर किसी को पता भी नहीं चलता। रामदेव विश्वबंधु ने कहा कि कोरोना काल में जब सब रोजगार ठप था तो, मनरेगा ने ही रोजगार उपलब्ध कराई। अपने गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराना है, संपति का सृजन भी करना है। साल में सौ दिन की गारंटी है। मुखिया मुन्नी हेंब्रम ने कहा कि, महिलाओं को जॉब कार्ड बनाना चाहिए, और काम की मांग करनी चाहिए। मुखिया ने आश्वासन दिया कि कल से पंचायत सेवक और रोजगार सेवक भी हाजिर रहेंगे। इस अवसर पर, शांति मुर्मू, सीमा कुमारी, राजेश वर्मा, वाजीर दास आदि कई ग्रामीण लोग मौजुद थे। ज्ञात हो कि, गिरीडीह सदर प्रखंड में, अम्बेडकर सामाजिक संस्थान गिरीडीह, मजदूर मंच गिरीडीह, एवम सामाजिक परिवर्तन संस्थान गिरीडीह, मनरेगा योजना के तहत काम मांगों अभियान चलाया जा रहा है। बेंगाबाद, एवं गांडेय प्रखंड में अभिव्यक्ति फाउंडेशन द्वारा आभियान चलाया जा रहा। ताकि अधिक से अधिक लोगों को मनरेगा के तहत काम मिल सके।

गिरिडीह में भारी मात्रा में नकली अंग्रेजी शराब जब्त

गिरिडीह(ईएमएस)।दुर्गापूजा से पहले पुलिस ने भारी मात्रा में नकली अंग्रेजी शराब बरामद कर एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया है।गिरिडीह जिले के हीरोडीह थाना क्षेत्र के बालासोर गांव में पुलिस ने छापा मारकर नकली अंग्रेजी शराब बनाने का कारखाना पकड़ा हैं। गिरिडीह एसपी डॉक्टर विमल ने बताया कि सांझला मरांडी के घर पर नकली अंग्रेजी शराब बनाया जा रहा था।पुलिस ने मौके से रॉयल स्टेग और ब्लू इंपीरियल ब्रांड को सात सौ से अधिक बोतल शराब जप्त किया है। एसपी ने बताया कि मौके से भारी मात्रा में खाली बोतल रेपर,ढक्कन और 10लीटर स्प्रिट और दूसरे सामान को जप्त किया गया है।

बदलापुर मामले में स्कूल ट्रस्टी गिरफ्तार, जांच टीम करेगी पूछताछ

पुणे(ईएमएस)। जिले के बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले में स्कूल के दो आरोपित न्यासियों (ट्रस्टी) को गिरफ्तार कर लिया गया। बांबे हाई कोर्ट ने एक दिन पहले ही स्कूल के अध्यक्ष और सचिव को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। इसके साथ ही इनकी गिरफ्तार न होने पर पुलिस को फटकार भी लगाई थी। यह जांच टीम बदलापुर स्थित स्कूल में किंडरगार्टन में पढ़ रहीं दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न की घटना की जांच कर रही है।हाई कोर्ट ने मंगलवार को अपने आदेश में कहा था कि प्रथम दृष्टया यह साबित करने के लिए सामग्री है कि दोनों आरोपितों को 16 अगस्त से पहले घटना की जानकारी थी, लेकिन उन्होंने इस बारे में पुलिस को जानकारी नहीं दी। इस घटना का मुख्य आरोपित अक्षय शिंदे 23 सितंबर को पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा जा चुका है।

गांधी जयंती पर कंगना का विवादित बयान

नई दिल्ली(ईएमएस)। अभिनेत्री से भाजपा नेत्री बनीं सांसद कंगना रानौत ने एक बार फिर विवादित बयान देकर बखेड़ा खड़ा कर दिया है। उन्होंने गांधी जयंती के मौके पर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, देश के पिता नहीं, देश के तो लाल होते हैं। धन्य हैं भारत माता के ये लाल।लाल बहादुर शास्त्री और महात्मा गांधी पर पोस्ट पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने महात्मा गांधी पर उनके कटाक्ष के लिए कंगना रनौत की आलोचना की है।श्रीनेत ने कहा, भाजपा सांसद कंगना ने महात्मा गांधी की जयंती पर यह भद्दा कटाक्ष किया।

झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ का हड़ताल सकारात्मक वार्ता के बाद स्थगित

रांचीः झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ की ओर शुरू हड़ताल प्रबंधन से हुए सकारात्मक वार्ता के बाद स्थगित कर दिया गया ।

इससे पूर्व झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के हजारों सदस्यों ने धुर्वा गोल चक्कर मैदान से जुलूस के रूप में ऊर्जा विकास निगम मुख्यालय के लिए निकला ।

इस दौरान धुर्वा थाना प्रभारी सहित मौजूद पुलिस कर्मियों के साथ झड़प के बाद जोर जबरदस्ती निगम की ओर चल दिया। इस दौरान लगातार पुलिसकर्मियों के साथ धका मुक्की की इस्थिति बनी रही।मौके वारदात पर हटिया डी एस पी प्रमोद मिश्रा ने मामले को संभाला और जुलूस के साथ निगम मुख्यालय तक चलकर प्रबंधन के साथ वार्ता करवाई । निगम की ओर से वितरन के परियोजना के निर्देशक व प्रबंध निदेशक ट्रांसमिशन श्री के के वर्मा, महाप्रबंधक कार्मिक सामान्य प्रशासन श्री सुनील दत्त खाखा,उपमहाप्रबंधक कार्मिक सह सामान्य प्रशासन अनिल पांडे सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए जबकि यूनियन की ओर से केंद्रीय अध्यक्ष श्री अजय राय,विजय सिंह,आशीष कुमार, मो अकरम मनुभगवान मिश्रा,मंजुल अंसारी, रजी अंसारी,मुकेश साहू,बालगोविंद महतो ,प्रवीन दुबे ,प्रमोद कुमार,बासुदेव उरॉव ,अजय दास सहित अन्य शामिल हुए।

वार्ता में निम्न मांगो पर सहमति बनी

(1) आउटसोर्स खत्म करने को लेकर निर्देशक मंडल में प्रस्ताव ले जाया जाएगा।
(2) पारा शिक्षक के तर्ज पर 60 वर्ष का अनुबंध एवम 50% आरक्षण का मामला निर्देशक मंडल के प्रस्ताव में ले जाया जाएगा।
(3) मानदेय बढ़ाने के मामले पर कल कमिटी की बैठक में निर्णय लिया जाएगा।
(4) 10 वर्ष तक लगातार कार्य करने वाले विद्युत कर्मियों का विवरण 2014 में हुए सर्वे रिपोर्ट देखने के उपरांत कमेटी निर्णय लेगी।
(5) एरियर एवम मानदेय गड़बड़ी को लेकर निगम की ओर से एक दो सदस्यीय कमेटी का घटन किया गया जो सभी सर्किल से अकाउंट डिटेल्स के साथ पूरे मामले की जांच करेंगी। इन सारे मामलों पर सहमति के उपरांत आज से शुरू हुए शुरू किए गए हड़ताल को वापस लेने की घोषणा संघ के केंद्रीय अध्यक्ष श्री अजय राय ने की।
आज के हड़ताल में रांची जमशेदपुर सरायकेला चाईबासा धनबाद बोकारो गिरिडीह लोहरदगा गुमला सिमडेगा खूंटी चतरा रामगढ़ हजारीबाग कोडरमा दुमका देवघर,गोड्डा साहेबगंज पाकुड़ सहित अन्य जगहों से शामिल हुए।

भुताहा तालाब दुर्गा पूजा समिति का सप्तमी को होगा उद्घाटन

रांची : श्री दुर्गा पूजा समिति, भुताहा तालाब रांची हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है।श्री दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष उमंग सुल्तानिया एवं महामंत्री प्रिंस मेहता ने कहा की पूजा पंडाल का 9 अक्टूबर बुधवार को उद्घाटन किया जाएगा। सुबह सात बजे नवपत्रिका प्रवेश, सर्ववेदी पूजन करने के बाद प्रातः 10:00 बजे श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति के मुख्य संरक्षक, संरक्षक मंडली, अध्यक्ष, महामंत्री एवं दुर्गा पूजा के भी सभी पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। प्रवक्ता नमन भारतीय ने बताया की आज कलश स्थापना सुबह 8:40 के बाद गौरी पूजन, गौरी गणेश पूजन एवं दुर्गा सप्तशती पाठ के बाद दुर्गा पूजा नवरात्री का शुभ प्रारंभ किया गया। यह जानकरी दुर्गा पूजा समिति के कार्यकरणी अध्यक्ष राहुल सिंह एवं प्रवक्ता नमन भारतीय ने दिया।

सड़क जाम करने वाले लोगों पर हुआ एफआईआर दर्ज

बरकट्ठा(हजारीबाग)। बरकट्ठा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप सोमवार की शाम हुई सड़क दुर्घटना के बाद सड़क जाम करने वाले लोगों पर एफआईआर दर्ज किया गया है। आपको बता दें कि 30 सितंबर की शाम को हुई सड़क हादसे में ग्राम पहाड़पुर निवासी लीला देवी 30 वर्ष पति सूरज बास्के की मौत हो गई थी। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर लगभग 9 घंटे जीटी रोड़ को जाम कर दिया था। इस बाबत बरकट्ठा थाना में कांड संख्या 189/24 के तहत दर्जनों नामजद एवं करीब 150 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। बरकट्ठा थाना प्रभारी राजेश कुमार भोक्ता ने बताया कि सड़क जाम करने वाले लोगों ने सरकारी कार्यो में बाधा उत्पन्न किया था। दर्ज एफआईआर में ग्राम डोंढहरा शिलाडीह निवासी छत्रु पंडित, ग्राम परबत्ता निवासी दिपक राणा, आनन्द सोनी, राजेश मंडल, सुनील साव, लाटो यादव, सिक्की विश्वकर्मा, ग्राम डाकडीह निवासी प्रकाश साव,ग्राम बंडासिंगा निवासी, राजेश कसेरा, नागेश्वर साव, बदरी ठाकुर, दिलीप साव, सुनील यादव, ग्राम बेलकप्पी निवासी अभीषेक पांडेय समेत लगभग डेढ़ सौ अज्ञात लोग के नाम शामिल हैं।

5 अक्टूबर को परम पूज्य श्री शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती 1008 जी महाराज आएंगे पहाड़ी मंदिर

रांचीः सनातन धर्म में वेद, उपनिषद, पुराणों सहित समस्त धर्म शास्त्रों में गो की महिमा गई है। गाय को पशु नहीं अपितु माता की प्रतिष्ठा दी गई है यही सनातन धर्मी हिंदुओ की पवित्र भावना है, आस्था है। इसी धार्मिक आस्था हेतु संविधान एवं कानून में गाय को राज्य सूची से हटाकर केंद्रीय सूची में डालकर गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान दिलाने तथा गौहत्या मुक्त भारत बनाने के लिए संपूर्ण भारत में गौ प्रतिष्ठा आंदोलन चलाया जा रहा है। स्वतंत्रता प्राप्त से ही निरन्तर गौमाता की प्रतिष्ठा एवं रक्षा के प्रयास होते रहे है जिसमें 1966 के धर्म सम्राट यतिचक्रचूडामणि पूज्य करपात्री जी महाराज जी के नेतृत्व में हुआ प्रचलित गौरक्षा आंदोलन है जिसके लिए हजारों गौभक्तों का बलिदान हुआ था। इसी क्रम में गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान दिलाकर गोहत्या मुक्त भारत बनाने हेतु परम गोभक्त पूज्य गोपाल मणि जी ने गौ प्रतिष्ठा आंदोलन का नेतृत्व कर देशभर में इसे जीवन्त रखा तथा इस पवित्र अभियान में चारो पीठों के जगद्गुरु शंकराचार्यों का आशीर्वाद प्राप्त किया। चारो पीठों के पूज्य जगद्गुरू शंकराचार्यों द्वारा अभिषिंचित एवं समर्थित गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान दिलाने एवं गौहत्या बंदी कानून हेतु देश में गौ संसद का आयोजन हुआ जिसमें रामा गौ प्रतिष्ठा संहिता बिल सहित 42 बिंदु का धर्मादेश भी पारित किया जा चुका है । गौ प्रतिष्ठा के इस अभियान को प्रज्वलित करने हेतु गौ घृत की ज्योति को प्रकाशित कर ज्योर्तिमठ के परम पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज जी ने इस आंदोलन का निर्देशन कर रहे है जिन्होंने 14 मार्च से लेकर 28 मार्च 2024 तक नंगे पैर पदयात्रा गोवर्धन से दिल्ली तक भी की । पूज्य जगद्गुरू ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य जी के निर्देशन में आज गौ प्रतिष्ठा का अभियान निरन्तर देशभर में गतिमान है जिन्होंने इस संवत्सर को गौ संवत्सर के रूप में घोषित भी किया है। पूज्य ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के निर्देशन एवं नेतृत्व में संपूर्ण भारत

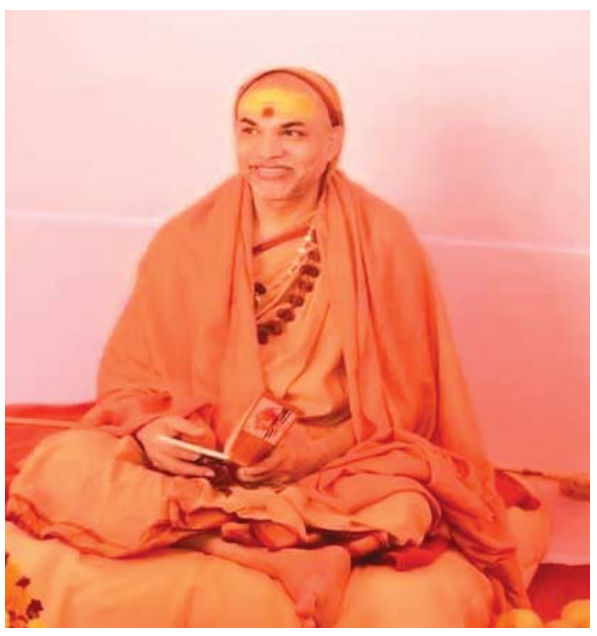

में गौ प्रतिष्ठा आंदोलन के अंतर्गत गो ध्वज स्थापना भारत यात्रा दिनांक 22 सितंबर से 26 अक्टूबर तक होनी निश्चित हुई है जो भारत के समस्त 37 प्रदेशों की राजधानियों तक जाएगी तथा वहां एक गो ध्वज की स्थापना की जाएगी। गो प्रतिष्ठा आंदोलन के संयोजक पूज्य गोपाल मणि जी महाराज भी पूरे समर्पण और शक्ति के साथ यात्रा की सफलता हेतु प्राण-प्रण से शंकराचार्य जी के साथ हर कदम में साथ रहेंगे। प्रत्येक राज्य की राजधानियों में विशाल गो प्रतिष्ठा सम्मेलन का दिव्य भव्य आयोजन होगा जिसका श्रीगणेश गोरक्षक, गोभक्त भगवान श्रीराम जी की राजधानी अयोध्या से होगा जहां भगवान रामलला के रूप में विद्यमान हैं जहां से यह पूर्व, पश्चिम, दक्षिण, उत्तर होते हुए 26 अक्टूबर को देश की राजधानी दिल्ली में होगी। पूज्य जगद्गुरू शंकराचार्य जी द्वारा समस्त भारत के प्रखर गोभक्तो को सम्मानित भी किया जाएगा। झारखंड की राजधानी रांची में पूज्य शंकराचार्य जी 5 अक्टूबर को सुबह 9 बजे शिला सदन , देवी मंडप ,रातू रोड में आएंगे उसके बाद 11 बजे से मीनाक्षी गली रातू रोड से पहाड़ी मंदिर तक शोभायात्रा यात्रा करते हुए 11.30 में पहाड़ी मंदिर में उनका भव्य स्वागत के साथ गौ ध्वज का स्थापना किया जाएगा एवं 11 बजे दोपहर से रानी सती मंदिर में सभा को संबोधित करेंगे। इसके उपरांत वो अग्रिम यात्रा हेतु ओडिशा को प्रस्थान करेंगे। इस गो ध्वज स्थापना भारत यात्रा का लक्ष्य संपूर्ण भारत में गो प्रतिष्ठा आंदोलन हेतु समस्त राष्ट्र के गोभक्त हिन्दुओं को जागृत कर एक सूत्र में पिरोने का है तथा गोमाता की दुर्गति , गो हत्या के कलंक को मिटाकर कर, पशु के अपमान से हटा कर राष्ट्रमाता का सम्मान दिलाना है। इस गो ध्वज स्थापना पद यात्रा का सूत्रवाक्य है : गौ माता, राष्ट्र माता - राष्ट्र माता, भारत माता इस ऐतिहासिक यात्रा को सफल बनाने के लिए ज्योतिषपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के प्रतिनिधि एवं यात्रा के संयोजक ब्रह्मचारी मुकुंदानंद जी तथा सह-संयोजक गोभक्त विकास पाटनी जी, प्रदेश यात्रा संयोजक श्री प्रकाश पांडेय जी, प्रादेशिक आयोजक - श्री विज्ञान सिंह , रानी सती मंदिर के अध्यक्ष सतीश तुलस्यान जी एवं भानु जालान जी , पहाड़ी मंदिर से राजेश साहू , बादल सिंह एवं तमाम सनातनी भक्त जोर-शोर से लगे हुए हैं।

राष्ट्रीय एनजीओ संघ के झारखंड प्रदेश कमेटी की हुई बैठक

रांचीः राष्ट्रीय एन.जी.ओ.संघ के झारखंड प्रदेश कमेटी की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष इंद्रेश प्रजापति (उत्तर प्रदेश)के निर्देशानुशार झारखंड प्रदेश कमेटी के उपाध्यक्ष सुभाष कुमार जी के अध्यक्षता में लोवाडीह,नामकुम, इंडस्ट्रीयल एरिया कार्यालय में संपन्न हुआ।इस बैठक में झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष मानव कुमार (राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अंतरर्राष्ट्रीय सामाजिक सहारा),प्रदेश उपाध्यक्ष सुभाष कुमार,(राष्ट्रीय अध्यक्ष,जागृत सिद्धार्थ फाउंडेशन), प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद कामरान अहमद,(राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्व इंडिया ग्रुप), प्रदेश महासचिव रंजीत उपाध्याय (राष्ट्रीय अध्यक्ष, भविष्य फाउंडेशन ट्रस्ट), प्रदेश सचिव सूमीर कुमार (राष्ट्रीय अध्यक्ष,प्रज्वलित बिहार), प्रदेश कानूनी सलाहकार अजीत कुमार सिंह (राष्ट्रीय अध्यक्ष,ब्रहतर अखंड भारत नवनिर्माण सेना) एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी शिव किशोर शर्मा (राष्ट्रीय अध्यक्ष, विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच) उपस्थित थे। बैठक मे सभी पदाधिकारी ने महात्मा गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर अपने अपने विचार प्रकट एवं श्रद्धा सुमन अर्पित किए साथ ही इस बैठक में झारखंड राज्य के सभी 24 जिला के जिला कमेटी का गठन एवं गरीब,जरूरतमंद,असहाय लोगों को सहायता पहुंचाने एवं उनके बीच भोजन,गर्म कपड़ा, कंबल आदि वितरण करने का निर्णय लिया गया।

बिजली बिल माफी प्रमाण पत्र का वितरण

बरकट्ठा(हजारीबाग)।बरकट्ठा विद्युत पावर सब स्टेशन में समारोह आयोजित कर बिजली बिल माफी प्रमाण पत्र वितरण किया गया। इस मौके पर जेबीभीएनएल रांची के एई विजय कुमार घोष, बरही एई केएम हेस्सा, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष प्रदीप प्रसाद, उपाध्यक्ष कुद्दूश अंसारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष परमेश्वर साव मौजूद थे।शिविर में मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली योजना के अंतर्गत विद्युत विपत्र माफी के 350 लाभुकों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया। जिसमें बरकट्ठा और चलकुशा प्रखंड क्षेत्र के 28,196 लाभुकों का बिजली बिल का कुल 45,67,53,577 रूपये बिजली बिल माफ़ हुआ है। इस अवसर पर चौपारण एई केडी प्रजापति, जेई बरकट्ठा अभिषेक आनंद,ओमकार जायसवाल, पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष बसंत साव, विद्युत कर्मी कौलेश्वर प्रसाद, निजाम अंसारी, हेमंत कुमार, अमजद, संतोष, विजय, सुरेश, राहुल, लक्ष्मण समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त ख़बरें

बाढ़ प्रभावितों से मिले पप्पू यादव बोले बेकार पड़े हेलिकॉप्टर को भेजा

सहरसा (ईएमएस)। पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव सहरसा के नौहट्टा प्रखंड क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों से मिलने के लिए पहुंचे। बाढ़ प्रभावित इलाके में बाइक से लोगों से मिले और एक-एक हजार रुपए के साथ सूखा राशन दिया। वहीं बायु सेना के हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने मामले को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जानबूझ कर सेना को खराब हेलिकॉप्टर मुहैया कराया गया। इससे हादसा हुआ। नीतिश और मोदी सरकार की ओर से भेजी जा रही राहत सामग्री को लेकर कहा कि पांच दिन बाद सेना को भेजा वहां भी बेकार पड़े हेलिकॉप्टर के साथ। इसके कारण सेना का हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हादसा दुखद है।

बिहार में शक्ति उपासना का प्रमुख केंद्र है पटनदेवी मंदिर

पटना की नगर रक्षिका भगवती पटनेश्वरी

पटना (ईएमएस)। पटना में स्थित पटन देवी मंदिर को शक्ति उपासना का प्रमुख केंद्र माना जाता है। बड़ी पटन देवी मंदिर परिसर में काले पत्थर की बनी महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती की प्रतिमा स्थापित हैं। इसके अलावा यहां भैरव की प्रतिमा भी है।देवी भागवत पुराण के अनुसार, सती की दाहिनी जांघ यहां गिरी थी। पूरे देश में सती के 51 शक्तिपीठों में प्रमुख इस उपासना स्थल में माता की तीन स्वरूपों वाली प्रतिमाएं विराजित हैं। मंदिर में पटन देवी भी दो हैं, छोटी पटन देवी और बड़ी पटन देवी जिनके लिए अलग-अलग मंदिर हैं। पटना की नगर रक्षिका भगवती पटनेश्वरी हैं, जो छोटी पटन देवी के नाम से जानी जाती हैं। यहां मंदिर परिसर में मां महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती की स्वर्णाभूषणों, छत्र एवं चंवर के साथ विद्यमान हैं। मंदिर के पीछे एक बहुत बड़ा गड्ढा है, जिसे 'पटनदेवी खंदा' कहा जाता है। मान्यता के अनुसार इस स्थान से मूर्तियां अवतरित हुई थीं।बिहार ही नहीं बल्कि देश में प्रसिद्ध शक्तिपीठ की मूर्तियां सतयुग की मानी जाती हैं। मंदिर परिसर में ही योनिकुंड है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि इसमें डाली जाने वाली हवन सामग्री भूगर्भ में चली जाती है। देवी को प्रतिदिन दिन में कच्ची और रात में पक्की भोज्य सामग्री का भोग लगता है। वैसे यहां मां के भक्तों की प्रतिदिन भारी भीड़ लगी रहती है, लेकिन नवरात्र के प्रारंभ होते ही इस मंदिर में भक्तों का तांता लग जाता है। लोग प्रत्येक मांगलिक कार्य के बाद यहां जरूर आते हैं।'नवरात्र के दौरान महाष्टमी और नवमी को पटन देवी के दोनों मंदिरों में हजारों श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए आते हैं।

आज फिर बारिश की संभावना 12 जिलों में अलर्ट

पटना (ईएमएस)। बिहार में मौसम विभाग ने 4 अक्टूबर को पूर्वी बिहार में 12 जिलों बारिश होने की संभावना जाहिर की है।वहीं कोसी नदी के जलस्तर में बीते दिनों हुई भारी वृद्धि और पश्चिमी कोसी बांध टूटने के बाद कोसी क्षेत्र की लाइफ लाइन सहरसा-मानसी रेलखंड पर पानी का दबाव बढ़ सकता है। रेलवे की ओर से 15 अक्टूबर तक पहले से अलर्ट जारी रखा गया है। अधिकारियों की अलग-अलग टीमरेल ट्रैक का लगातार निरीक्षण कर रही है।इधर, बुधवार को बिहार के उत्तर और पूर्वी क्षेत्रों में नदियों के जलस्तर में कमी आई। हालांकि, बाढ़ प्रभावित इलाकों में अब भी बड़ी संख्या में लोगों व मवेशियों के साथ तटबंधों और सड़कों के किनारे शरण लिए हुए हैं। उन्हें भोजन, पानी, दूध व दवाइयों की कमी से जूझना पड़ रहा है। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक राज्य के 17 जिलों की 14.62 लाख आबादी बाढ़ के पानी से घिरी हुई है। पटना मौसम विभाग के मुताबिक नवरात्रि में अधिकतर हिस्सों में सामान्य अथवा सामान्य से अधिक बारिश होने का पूर्वानुमान है। जिसकी संभावना 30 से 40 प्रतिशत है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 8 से 10 अक्टूबर तक मानसून की विदाई हो जाती है। लेकिन, इस साल 15 अक्टूबर तक बारिश होने की संभावना है। इस दौरान बिहार के अधिकतर हिस्सों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की की संभावना है।

हाजीपुर-पाटलिपुत्र के रास्ते रक्सौल और लोकमान्य तिलक टर्मिनल, मुंबई के मध्य एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर, (ईएमएस)। अगामी पर्व-त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर-हाजीपुर-पाटलिपुत्र के रास्ते रक्सौल और लोकमान्य तिलक के मध्य दिनांक 04 अक्टूबर से 02 फरवरी 2025 तक एक जोड़ी एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 05585/05586 रक्सौल-लोकमान्य तिलक-रक्सौल एक्सप्रेस स्पेशल का परिचालन किया जायेगा। इस स्पेशल में शयनयान श्रेणी के 13 कोच तथा साधारण श्रेणी के 07 कोच सहित कुल 22 कोच होंगे। पूर्व मध्य रेल के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार गाड़ी सं. 05585 रक्सौल-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस स्पेशल दिनांक 04.10.2024 से 31.01.2025 तक सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को रक्सौल से 16.55 बजे खुलकर 17.44 बजे बैरगनिया, 18.25 बजे सीतामढ़ी, 21.50 बजे मुजफ्फरपुर, 23.15 बजे हाजीपुर रूकते हुए शनिवार को 00.50 बजे पाटलिपुत्र, 01.18 बजे दानापुर एवं 05.00 बजे डीडीयू रूकते हुए रविवार को 05.30 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी सं. 05586 लोकमान्य तिलक-रक्सौल एक्सप्रेस स्पेशल दिनांक 06.10.2024 से 02.02.2025 तक सप्ताह के प्रत्येक रविवार को लोकमान्य तिलक से 16.35 बजे खुलकर सोमवार को 20.05 बजे डीडीयू, 23.40 बजे दानापुर एवं मंगलवार को 00.05 बजे पाटलिपुत्र, 00.55 बजे हाजीपुर, 02.30 बजे मुजफ्फरपुर, 05.20 बजे सीतामढ़ी एवं 05.56 बजे बैरगनिया रूकते हुए 07.45 बजे रक्सौल पहुंचेगी।

दानापुर और आरा के मध्य एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर, (ईएमएस)। अगामी पर्व-त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु दानापुर और आरा के मध्य दिनांक 03 अक्टूबर से 01 जनवरी 2025 तक एक जोड़ी एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 03303/03304 का परिचालन किया जायेगा। इस स्पेशल का परिचालन गाड़ी सं. 13225/13226 जयनगर-दानापुर-जयनगर एक्सप्रेस के रेक द्वारा किया जायेगा अर्थात इस स्पेशल में तृतीय वातानुकूलित इकॉनोमी श्रेणी का 01 कोच, एसी चेयरकार का 01 कोच, चेयरकार का 03 कोच, साधारण श्रेणी के 11 कोच तथा एसएलआरडी के 02 कोच सहित कुल 18 कोच होंगे। गाड़ी सं. 03303 दानापुर-आरा एक्सप्रेस स्पेशल दिनांक 03.10.2024 से 31.12.2024 तक प्रतिदिन दानापुर से 18.45 बजे खुलकर 18.58 बजे बिहटा, 19.11 बजे कुलहड़िया रूकते हुए 19.40 बजे आरा पहुंचेगी। गाड़ी सं. 03304 आरा-दानापुर एक्सप्रेस स्पेशल दिनांक 04.10.2024 से 01.01.2025 तक प्रतिदिन आरा से 05.40 बजे खुलकर 05.50 बजे कुलहड़िया एवं 06.03 बजे बिहटा रूकते हुए 06.50 बजे दानापुर पहुंचेगी। इस बात की जानकारी पूर्व मध्य रेल के जनसंपर्क विभाग ने दी है।

नवरात्रि के पहले दिन पटनावासियों को नीतिश ने दी सौगात, छात्र हुए खुश

पटना (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नवरात्रि के पहले दिन राजधानीवासियों को एक बड़ा उपहार देकर पटनासिटी में 26.42 करोड़ की लागत से बने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) भवन का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने गायघाट जेपी गंगापथ एप्रोच रोड की भी शुरुआत की, इससे पटना के अशोक राजपथ से जेपी गंगा पथ तक वाहनों का आवागमन सरल और सुरक्षित हो सकेगा। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने सात निश्चय-2 योजना के तहत 87 आईटीआई में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत भवन निर्माण के लिए 408.75 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास भी किया।यह आईटीआई भवन पटनासिटी के छात्रों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि पहले उन्हें दीघा स्थित आईटीआई में प्रशिक्षण के लिए जाना पड़ता था। अब अपने नए भवन में प्रशिक्षण मिलने से छात्रों में काफी उत्साह है, और उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आभार व्यक्त किया।इस मौके पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह ने कहा कि गायघाट स्थित आईटीआई कॉलेज देश का एक मॉडल संस्थान साबित होगा।

बांध पर खुले आसमान में रहने को विवश बाढ़ पीड़ित

दरभंगा : दरभंगा जिले के किरतपुर कुशेश्वरस्थान सहित छह प्रखंड के लगभग दो लाख लोग कोसी नदी और कमला बलान नदी के बांध टूटने से आई बाढ़ के कारण परेशान बने हुए हैं। प्रशासनिक दावों के हिसाब से काफी राहत कार्य चलाए जा रहे हैं। लेकिन इसकी जमीनी हकीकत थोड़ा हटके है। बता दें कि बाढ़ का पानी आए इन इलाकों में पांच दिन हो गए हैं। अभी काफी संख्या में लोग खुले आसमान में रहने को विवश हैं। कइयों का तो इस बाढ़ के कारण उनके घर तक बह जाने की बात कर रहे हैं। बाढ़ पीड़ित महिला वीणा देवी ने बताया, राहत शिविरों में जो सामुदायिक किचेन चलाकर खाना खिलाया जा रहा है, उसमें बड़े बूढ़े लोग तो खा ले रहे हैं। जबकि छोटे-छोटे बच्चों को खिलाने- पिलाने की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। पशुपालकों ने बताया कि मवेशियों को खिलाए जाने वाला चारा नहीं मिल पा रहा, जिस कारण मवेशियों सही ढंग से दूध नहीं दे पा रहे हैं। हालांकि, दरभंगा के डीएम राजीव रोशन ने कहा है कि करीब पांच हजार फूड पैकेट एयरड्रॉप एवं अन्य सोर्स से बाढ़ पीड़ितों के बीच वितरण किया जा चुका है। बाढ़ पीड़ितों के बीच लगातार पॉलिथीन वितरण किया जा रहा है। इस बाढ़ के दौरान एक व्यक्ति की कुशेश्वरस्थान में कमला बलान नदी में डूबने से मौत हो गई है। शव को पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। जबकि प्रतिदिन फूड पैकेट बनाने का काम तेजी से किया जा रहा है। बाढ़ पीड़ितों के लिए पीएचईडी विभाग के द्वारा लगभग चालीस चापाकल नगर निगम द्वारा नौ पानी के टैंकरों को लगाया है। जबकि शौचालय का भी निर्माण कराया गया है। उन्होंने कहा है किरतपुर के भूभौल गांव कोसी नदी के कटे तटबंध को बनाने का काम तेजी से चल रहा है। उम्मीद है शीघ्र इस तटबंध का मरम्मत कर लिया जाएगा।किरतपुर में बांध पर शरण ले रही रवीना खातून ने बताया कि उनके छह बच्चे हैं, जिनको खाने लिए कोई व्यवस्था नहीं है। वहीं, एक पशुपालक बाबू साहब साहू ने बताया कि पूरा इलाका बाढ़ के पानी से डूबा हुआ है। पशुओं को खिलाने के चारा नहीं मिल रहा है। काफी दूर जाने के बाद भी थोड़ा सा चारा मिलता है, उससे पशुओं का पेट नहीं भर पाता, जिस कारण पशु सही तरीके से दूध नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं। इस संकट की घड़ी में सरकार उनकी मदद करे।बांध पर शरण ले रही झगरुआ निवासी समीरती देवी ने बताया कि 28 सितंबर की रात एक बजे कोसी नदी का बांध टूट गया, जिसके बाद वे अपनी जान बचाकर किसी तरीके भागकर बांध पर आ गई थी। उनके पास पहने हुए कपड़े को छोड़कर कुछ भी नहीं है। मेरे घर में छाती से ऊपर पानी आ गया था। मैंने अपने बच्चे को कंधे पर बैठाकर बांध पर भागकर आई थी। कोई भी अधिकारी या जनप्रतिनिधि अब तक हम लोगों का हालचाल पूछने तक नहीं आया है। हम लोग सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं। लेकिन कोई नहीं पूछने आया है।

बिजली की चपेट में आने से युवक की मौत

औरंगाबाद : बिहार के औरंगाबाद जिले में गोह थाना क्षेत्र के सरसोल गांव में गुरुवार की सुबह बिजली की चपेट में आने से एक युवक की मौत मौके पर ही हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद भेज दिया है। बता दें कि जानकारी मिली की सरसोल गांव निवासी दिलीप यादव (25) सुबह मुख्य सड़क पर टहलने जा रहा था। उसी दौरान पूर्व से गिरे बिजली की हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलते ही सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई और दिलीप को अस्पताल ले जाने की तैयारी की, तब तक गोह पुलिस मौके पर पहुंच गई। थानाध्यक्ष कमलेश पासवान ने बताया कि घटना स्थल पर जाकर पंचनामा के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल, औरंगाबाद लाया गया है। इधर, मौत की खबर से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। आसपास के लोग ढाढ़स बंधाने में जुटे हुए हैं।

पूर्व मध्य रेल ने पहली छमाही में किया 97.95 मिलियन टन लदान, 15871 करोड़ रूपये से अधिक की हुई प्रारंभिक आय

हाजीपुर, (ईएमएस)। पूर्व मध्य रेल को चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहली छमाही में अप्रैल से सितंबर माह तक माल ढुलाई सहित अन्य सभी स्रोतों से प्राप्त होने वाले आय में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ कुल 15871 करोड़ रूपए से अधिक की प्रारंभिक आय प्राप्त हुई है। यह आय पिछले वर्ष के समान अवधि में प्राप्त प्रारंभिक आय 15181 करोड़ रूपये के तुलना में 4.55 प्रतिशत अधिक है। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार चालू वित्तीय वित्त वर्ष 2024-25 के अप्रैल से सितंबर माह तक पूर्व मध्य रेल द्वारा 97.95 मिलियन टन का माल लदान किया गया जो पिछले वित्तीय वर्ष के इसी अवधि में किये गये माल लदान 96.99 मिलियन टन की तुलना में लगभग 01 प्रतिशत अधिक है। इस प्रकार अप्रैल से अगस्त माह तक किये गये कुल माल लदान से पूर्व मध्य रेल को कुल 13125 करोड़ रूपए की आय प्राप्त हुई जो पिछले वित्तीय वर्ष के इसी अवधि के दौरान किये गये माल लदान से प्राप्त आय 12810 करोड़ रूपये की तुलना में 2.46 प्रतिशत अधिक है।अप्रैल से सितंबर के दौरान मक्का, गेहूं, बॉक्साइट एवं मिनरल ऑयल के लोडिंग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गयी है। पिछले वर्ष 2023 में मक्का के 265 रेक की तुलना में सितंबर, 2024 तक मक्का के 400 रेक लोड किए गए, जो 50.94 प्रतिशत की वृद्धि है। पिछले वर्ष गेहूं के 19 रेक की तुलना में सितंबर, 2024 तक गेहूं के 40 रेक लोड किए गए, जो 110 प्रतिशत की वृद्धि है। इसी तरह पिछले वर्ष 128 रेक की तुलना में सितंबर, 2024 तक बॉक्साइट के 143 रेक लोड किए गए, जो 11.72 प्रतिशत की वृद्धि है। मिनरल ऑयल पिछले वर्ष सितंबर तक 198 रेक की लोडिंग की गयी थी जबकि इस वर्ष सितंबर, 2024 तक मिनरल ऑयल के 322 रेक लोड किए गए, जो 62.63 प्रतिशत ज्यादा है। इसी तरह चालू वित्तीय वित्त वर्ष 2024-25 के अप्रैल से सितंबर माह तक पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार से 122 मिलियन यात्रियों ने यात्रा की जिससे लगभग 2430 करोड़ रूपए का राजस्व प्राप्त हुआ जो पिछले वित्तीय वर्ष के इसी अवधि में यात्री यातायात से प्राप्त राजस्व लगभग 2095 करोड़ रूपये की तुलना में लगभग 16 प्रतिशत अधिक है।

बिहार के अधिकारी की अनोखी गाड़ी आगे बिहार तो पीछे यूपी का है नंबर

सहरसा : एक गाड़ी का परिवहन विभाग के अनुसार एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर होता है, जिसका दो प्लेट बनता है। एक आगे और एक पीछे लगाया जाता है। लेकिन बिहार के सहरसा जिले के सौर बाजार प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) का पर्सनल वाहन अनोखा है। वाहन के आगे बिहार का रजिस्ट्रेशन नंबर (बीआर 06 डीटी 8204) और उसके ऊपर बिहार सरकार प्रशासन प्रखंड विकास पदाधिकारी सौर बाजार सहरसा का बोर्ड लगा है। वहीं उसी गाड़ी के पीछे में यूपी का रजिस्ट्रेशन नंबर (यूपी 14 सीजे 7708) लगा हुआ है। एक ही वाहन और वह भी किसी पदाधिकारी का जिस पर दो अलग अलग राज्य का नंबर प्लेट लगा है खूब वायरल हो रहा है।

पदाधिकारी ने कहा बिहार में नम्बर बदलवाया गया है

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यही बात किसी आम नागरिक के वाहन पर होता तो न जाने किस किस तरह के जुर्माने और कार्रवाई से गुजरना पड़ता। इस बाबत पूछे जाने पर बीडीओ नेहा कुमारी ने कहा कि सौर बाजार में वीडियो और फोटो वायरल होना पुरानी बात है। पहले यूपी का नंबर था, जिसे बिहार का कराया गया है। डीटीओ कार्यालय में पीछे वाला नंबर प्लेट नही खुला और उन्हें जल्दबाजी थी कार्यालय आने का तो वह चली आई। इसी दौरान किसी ने फोटो और वीडियो बना कर वायरल कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह बिहार के रजिस्ट्रेशन के लिए मुजफ्फरपुर से नंबर लिया गया था, लेकिन नंबर प्लेट सहरसा जिला परिवहन कार्यालय सेलिया गया है। वहां नंबर प्लेट नहीं खुला तो बाहर से खोलवा कर आने को कहा था। वह इस वाहन से अपने आवास से कार्यालय आती जाती है। क्षेत्र में जाने के लिए सरकारी वाहन का उपयोग करती है। मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस संबंध में लोगों का कहना है कि जिस वाहन पर आगे में सरकारी बोर्ड और पीछे शीशा पर बड़ा सा बिहार सरकार लिखा हो, इस संबंध में पदाधिकारी चुप्पी साध लिए हैं।

पिंकू बिस्वास को दुबई में इंडो अरब लीडर्स समिट में मिला अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

पटना : दुबई, संयुक्त अरब अमीरात - एशिया और मध्य पूर्व के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में, आयाना सिनेमैटिक्स के संस्थापक पिंकू बिस्वास को दक्षिण एशिया में सबसे तेजी से बढ़ती एनिमेशन और फिल्म निर्माण कंपनी के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित प्रतिष्ठित इंडो अरब लीडर्स समिट में प्रस्तुत किया गया, जिसमें आयाना सिनेमैटिक्स की तेजी से बढ़ती सफलता और वैश्विक मीडिया और मनोरंजन उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता दी गई।आयाना सिनेमैटिक्स, जो अपनी नवीनता और उच्च-गुणवत्ता वाली प्रस्तुतियों के लिए प्रसिद्ध है, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में एक प्रमुख 'क्ति बन चुकी है। बिस्वास के नेतृत्व में, कंपनी न केवल दक्षिण एशिया में अपना विस्तार कर रही है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय प्रोडक्शन कंपनियों के साथ कई सह-उत्पादन परियोजनाओं पर भी काम कर रही है, जिससे उसकी वैश्विक उपस्थिति और मजबूत हो रही है।अपने स्वीकृति भाषण में, बिस्वास ने गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा, "ऐसे प्रतिष्ठित एशिया और मध्य पूर्व के नेताओं की उपस्थिति में यह पुरस्कार प्राप्त करना अविश्वसनीय सम्मान की बात है। यह मान्यता आयाना सिनेमैटिक्स की हमारी टीम की कड़ी मेहनत और रचनात्मकता का प्रमाण है। हम फिल्म और एनिमेशन की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों के बारे में उत्साहित हैं जो हमारी कहानी कहने की क्षमता को नए स्तरों तक ले जाएंगी।"इस शिखर सम्मेलन ने विभिन्न उद्योगों के प्रभावशाली नेताओं को एकत्रित किया और दक्षिण एशियाई कंपनियों, जैसे कि आयाना सिनेमैटिक्स, के वैश्विक मनोरंजन क्षेत्र में बढ़ते प्रभाव को उजागर किया। रचनात्मकता, गुणवत्ता और सहयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यह कंपनी दक्षिण एशिया और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एनिमेशन और फिल्म निर्माण में अग्रणी बनी हुई है।जैसे-जैसे आयाना सिनेमैटिक्स अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के साथ नई सह-उत्पादन परियोजनाओं की 'ुरुआत कर रही है, कंपनी का भविष्य उज्ज्वल दिख रहा है, जो सिनेमा और एनिमेशन की दुनिया पर एक स्थायी प्रभाव डालने के लिए तैयार है।

बिहार को अब जाति नहीं, काबिलियत पर ध्यान देना चाहिए

पटना (ईएमएस)। चुनावी रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर (पीके) ने बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरणों और नेताओं की भूमिका पर अपनी राय रखी। उन्होंने नीतीश कुमार और लालू यादव की पार्टियों को जातीय राजनीति के मुद्दे पर आड़े हाथों लेकर कहा कि इन दोनों नेताओं को जबरन अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) का नेता बना दिया गया, जबकि उनकी जातियां ईबीसी में नहीं आतीं। पीके का कहना था कि बिहार की राजनीति में जातियों की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन यह राजनीति की एकमात्र सच्चाई नहीं होनी चाहिए।उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि जैसे कर्नाटक और गुजरात में भी जातियों का महत्व है, लेकिन वहां की राजनीति केवल जाति तक सीमित नहीं है। पीके ने दावा किया कि 2014 के बाद से बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर बड़ी संख्या में लोग वोट दे रहे हैं, जबकि पीएम मोदी की जाति बिहार में नहीं पाई जाती।आरजेडी के जातिगत समीकरण पर पीके ने कहा कि यादवों के साथ मुसलमानों का आरजेडी को समर्थन मिलता है, जबकि मुसलमान लालू की जाति से नहीं हैं। इससे साफ होता है कि जाति के अलावा भी राजनीतिक समर्थन का आधार हो सकता है।प्रशांत किशोर ने जाति आधारित राजनीति की आलोचना कर कहा कि अब बिहार को जाति से आगे बढ़कर काबिलियत पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने अपनी पार्टी जन सुराज के अध्यक्ष मनोज भारती का उदाहरण देकर कहा कि उन्हें उनकी काबिलियत के आधार पर चुना, न कि उनकी जाति के आधार पर। पीके का कहना था कि काबिलियत ही समाज को आगे बढ़ाने का सही मार्ग है, और हर जाति के काबिल लोगों को राजनीति में हिस्सेदारी मिलनी चाहिए।

बेटी की पढ़ाई के लिए रुपये निकाल कर आ रहे अधिवक्ता से चार लाख की लूट

मुजफ्फरपुर : मुजफ्फरपुर जिले में दिनदहाड़े सिविल कोर्ट के अधिवक्ता से चार लाख रुपये की छिनतई हुई है। अधिवक्ता बेटी की पढ़ाई के लिए रुपये निकाल कर ले जा रहे थे। ऐसे में नगर थाना क्षेत्र के हेड पोस्ट ऑफिस कैंपस में हुई घटना की जानकारी के बाद मौके पर पुलिस पहुंची। सीसीटीवी फुटेज में दो संदिग्धों को देखा गया, जो बाइक पर सवार होकर आए और वारदात को अंजाम दिए। घटना को लेकर बताया जा रहा है, सिविल कोर्ट अधिवक्ता सुनील कुमार ओझा अपनी बेटी की पढ़ाई के लिए अगली किश्त को जमा करने के लिए प्रधान डाक घर से रुपये निकालने आए हुए थे। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाशों ने बुजुर्ग अधिवक्ता की पहले पोस्ट ऑफिस में घुसकर रेकी किया और फिर निकलने का इंतजार करने लगे। जैसे ही बुजुर्ग अधिवक्ता रुपये को निकाल कर बाहर जाने लगे तो पीछे से दोनों ही बदमाश नजदीक पहुंचे और रुपये से भरे हुए बैग की छिनतई कर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं, कुछ दूर तक बुजुर्ग अधिवक्ता भागते हुए पीछा किए। लेकिन दोनों बाइक सवार बदमाश भाग खड़े हुए। यह घटना नगर थाना क्षेत्र के सबसे बड़े प्रधान डाक घर के कैंपस की बताई गई है। घटना की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

स्नातक की छात्रा का फंदे से लटकता मिला शव

समस्तीपुर : समस्तीपुर जिले में मुफस्सिल थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के कृष्णापुरी मोहल्ले से स्नातक की एक छात्रा का शव फंदे से लटकता हुआ बरामद किया है। छात्रा विभूतिपुर थाना क्षेत्र के महथी गांव के मनोज कुमार सिंह की पुत्री मौसमी कुमारी (18) बताई गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। वहीं, इस मामले में छात्रा के बॉयफ्रेंड को पुलिस ने हिरासत में लिया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। बताया गया है कि पहली बार छात्रा को उसी ने फंदे से लटकता हुआ देखा था और फिर परिवार के लोगों को सूचना दी थी। घटना के संबंध में बताया गया है कि मौसमी विमेंस कॉलेज में पार्ट-2 की स्टूडेंट थी। वह शहर के कृष्णा पुरी मोहल्ले में किराए के मकान में अकेले रहती थी। मौसमी के परिवार के लोगों का कहना है कि सुबह करीब 9:30 बजे उसने फोन किया था तो वह काफी रो रही थी और उसके बाद उसका फोन उठाना बंद हो गया। इसके बाद करीब 2:30 बजे परिवार के लोग यहां पहुंचे तो उसका शव देखा। इस दौरान पूर्व से ही वहां पर उसके साथ पढ़ने वाला हर्षवर्धन नामक युवक अपनी मां के साथ था। परिवार के लोगों ने हत्या का शक जाहिर किया है।

छात्रा ने रात में एंड्रॉयड फोन की खरीद की थी

छात्रा का मित्र हर्षवर्धन का कहना है कि रात में मौसमी ने एक एंड्रॉयड फोन की खरीद की थी, जिसके बाद उसकी मां ने उसे डांट लगाई थी। सुबह मौसमी का फोन आया कि वह गांव जाना चाहती है, वह उसे वहां पहुंचा दे। लेकिन जब वह उसके क्वॉर्टर पर पहुंचा तो उसका कमरा बंद था। इसके बाद उसने अपनी मां के साथ ही मौसमी के मां और पिता को भी फोन कर जानकारी दी। हर्षवर्धन शहर के बीआरबी कॉलेज का छात्र है। मौसमी से उसकी जान पहचान इंटर से थी, दोनों साथ में कोचिंग किया करते थे।

पुलिस पदाधिकारी ने क्या कहा

मुफस्सिल थाना अध्यक्ष पिंकी प्रसाद ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस ने शव को जब्त कर लिया है और पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। ताकि यह स्पष्ट हो सके कि मौत किस कारण से हुई है। मौसमी के मित्र हर्षवर्धन को पूछताछ के लिए थाने लाया गया है, उससे पूछताछ की जा रही है। चूंकि पहले उसी ने छात्रा का शव फंदे से लटकता हुआ देखा था। परिवार के लोगों द्वारा लगाए जा रहे आरोप की भी जांच की जा रही है। क्योंकि छात्र के कमरे में कोई सुसाइड नोट अथवा कोई वैसी संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है। उसका सारा सामान सुरक्षित है। कमरे में भी कोई अल्टरेशन नहीं पाया गया।

बरी हुए सिंह और राजन तिवारी, भावुक रमा देवी, मां भगवती से न्याय की उम्मीद

मुजफ्फरपुर (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने 1998 में बिहार के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की हत्या से जुड़े मामले में गुरुवार को अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला और मंटू तिवारी को उम्रकैद की सजा सुनाई, जबकि पूर्व सांसद सूरजभान सिंह और राजन तिवारी सहित छह अन्य आरोपियों को बरी कर दिया।रमा देवी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देकर अपने संघर्षपूर्ण जीवन की कहानी साझा की। उन्होंने बताया कि उनके पति की हत्या बाहुबलियों द्वारा की गई थी, जो अस्पताल में हथियारों से लैस होकर आए थे। रमा देवी ने कहा कि उनका जीवन और उनके बच्चों का भविष्य घटना के बाद पूरी तरह अंधकारमय हो गया। रमा देवी ने कहा कि यह सफर बहुत मुश्किलों भरा रहा, लेकिन वे इस लड़ाई को अंत तक लड़ती रहीं।रमा देवी ने कहा कि जब हाईकोर्ट ने आरोपियों को बरी किया था, हाईकोर्ट का फैसला समझ नहीं आया कि किस आधार पर निर्णय लिया। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मामले को सुप्रीम कोर्ट में ध्यान देने की अपील की थी। हालांकि, उन्होंने बरी किए गए आरोपियों के खिलाफ आगे अपील करने की बात से इंकार कर कहा कि अब उन्हें मां भगवती से ही न्याय की उम्मीद है।

सड़क चौड़ीकरण के नाम पर गरीबों को किया बेघर

जहानाबाद : जहानाबाद जिला मुख्यालय के एरकी मोहल्ला में बरसात के इस मौसम में गरीब गुरबे के घर पर बुलडोजर चलाकर उन्हें सड़क चौड़ीकरण के नाम पर बेघर कर दिया गया। ऐसी स्थिति में गरीब परिवार खुले आकाश के नीचे रहने को मजबूर है। दरअसल, जहानाबाद के नगर थाना क्षेत्र के एरकी गांव में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर मकान बना लिए थे। कब्जा करने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दर्जनों मकान को ध्वस्त किया है। जहां ग्रामीणों द्वारा पटना-गया मुख्य सड़क मार्ग एनएच-83 किनारे सरकारी जमीन को अवैध रूप से कब्जा कर पक्का मकान का निर्माण कर रखा था, जिसके खिलाफ सीओ सुधीर तिवारी के नेतृत्व में अभियान चलाकर जेसीबी की मदद से दर्जनों मकानों को ध्वस्त किया। वहीं, इस कार्रवाई से अतिक्रमण करने वाले अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया। अंचलाधिकारी ने बताया कि बिहार अतिक्रमण अधिनियम और एनएच चौड़ीकरण के तहत यह कार्रवाई की जा रही है। यहां 40 से 50 लोगों ने हाइवे किनारे सरकारी जमीन पर अपना-अपना पक्का मकान और दुकान खोल रखी है, जिसे आज हटाया जा रहा है। हटाने से पूर्व इन्हें कई बार नोटिस भी दिया, बावजूद इसके लोग खाली नहीं किए तो उन्हें जेसीबी की मदद से हटाया जा रहा है।वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि एक साल पूर्व नोटिस दिया गया था। उसके बाद वे लोग कभी हटाने नहीं आए। आज इतने दिनों बाद अचानक मकान तोड़ने आ गए और हम लोगों का पूरा मकान तोड़ दिया, जिससे हम गरीबों का सब कुछ बर्बाद हो गया।

संक्षिप्त खबरें

बाढ़ प्रभावितों से मिले पप्पू यादव बोले बेकार पड़े हेलिकॉप्टर को भेजा

सहरसा (ईएमएस)। पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव सहरसा के नौहट्टा प्रखंड क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों से मिलने के लिए पहुंचे। बाढ़ प्रभावित इलाके में बाइक से लोगों से मिले और एक-एक हजार रुपए के साथ सूखा राशन दिया। वहीं वायु सेना के हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने मामले को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जानबूझ कर सेना को खराब हेलिकॉप्टर मुहैया कराया गया। इससे हादसा हुआ। नीतिश और मोदी सरकार की ओर से भेजी जा रही राहत सामग्री को लेकर कहा कि पांच दिन बाद सेना को भेजा वहां भी बेकार पड़े हेलिकॉप्टर के साथ। इसके कारण सेना का हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हादसा दुखद है।

नौकरी दिलाने के नाम पर कोचिंग संचालक ने कई युवाओं से की धोखाधड़ी

गाजीपुर (ईएमएस)। फर्जी परिचय पत्र देने और नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी कर करीब 15 लाख रुपये ठगने वाले गिरोह को पुलिस तलाश रही है। ठगी का आरोप कोचिंग संचालक और उसके सहयोगियों पर लगा है। गाजीपुर पुलिस ने संचालक सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। कुछ दिन पूर्व नगदिलपुर के रहने वाले विदेशी चौधारी ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर अपने साथ हुए फ्रॉड की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि फर्जी तरीके से बिहार में नौकरी देने के नाम पर धोखाधड़ी की। करीब 15 लाख रुपये और 10 लाख रुपये की जमीन आरोपियों ने ले ली। मांगने पर वापस करने से इंकार कर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। मामला नकदीलपुर गांव में चलने वाला बकसु बाबा कोचिंग सेंटर का है। जहां आस-पास के गांव के साथ ही यूपी और बिहार के कई जिलों के युवक आर्मी भर्ती, पुलिस भर्ती और अन्य भर्ती के लिए कोचिंग करने आते हैं। इसका फायदा उठाकर कोचिंग संचालक विनोद कुमार गुप्ता ने इन लोगों को नौकरी दिलाने का लालच दिया। आरोप है कि कोचिंग संचालक ने इसके बदले 10 से 15 लाख रुपये लिए। आरोपी ने बिहार सरकार के सचिवालय में एलडीसी की भर्ती का फर्जी नियुक्ति पत्र और आई कार्ड भी सभी अभ्यर्थियों को दे दिया। जब अभ्यर्थी बिहार सचिवालय पहुंचे, तब उन लोगों को पता चला कि इस तरह के पद का वहां पर विज्ञापन नहीं आया है। इसके बाद यह सभी लोग वापस आए, अपने पैसे के लिए दबाव बनाने लगे। गुप्ता ने कई लोगों को 8 से 9 लाख रुपये का चेक किसी नीतू नाम की महिला के बैंक खाते का दिया। हालांकि जब चेक पाए हुए लोग बैंक पहुंचे तब पता चला कि महिला के खाते में उतना पैसा नहीं है कि चेक भुनाया जा सके। वह लोग लगातार कोचिंग संस्थान से लेकर रेवतीपुर थाने का चक्कर लगा रहे थे।

सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर-हाजीपुर-पाटलिपुत्र के रास्ते रक्सौल और लोकमान्य तिलक टर्मिनल, मुंबई के मध्य एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर, (ईएमएस)। अगामी पर्व-त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर-हाजीपुर-पाटलिपुत्र के रास्ते रक्सौल और लोकमान्य तिलक के मध्य दिनांक 04 अक्टूबर से 02 फरवरी 2025 तक एक जोड़ी एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 05585/05586 रक्सौल-लोकमान्य तिलक-रक्सौल एक्सप्रेस स्पेशल का परिचालन किया जायेगा। इस स्पेशल में शयनयान श्रेणी के 13 कोच तथा साधारण श्रेणी के 07 कोच सहित कुल 22 कोच होंगे। पूर्व मध्य रेल के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार गाड़ी सं. 05585 रक्सौल-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस स्पेशल दिनांक 04.10.2024 से 31.01.2025 तक सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को रक्सौल से 16.55 बजे खुलकर 17.44 बजे बैरगनिया, 18.25 बजे सीतामढ़ी, 21.50 बजे मुजफ्फरपुर, 23.15 बजे हाजीपुर रूकते हुए शनिवार को 00.50 बजे पाटलिपुत्र, 01.18 बजे दानापुर एवं 05.00 बजे डीडीयू रूकते हुए रविवार को 05.30 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी सं. 05586 लोकमान्य तिलक-रक्सौल एक्सप्रेस स्पेशल दिनांक 06.10.2024 से 02.02.2025 तक सप्ताह के प्रत्येक रविवार को लोकमान्य तिलक से 16.35 बजे खुलकर सोमवार को 20.05 बजे डीडीयू, 23.40 बजे दानापुर एवं मंगलवार को 00.05 बजे पाटलिपुत्र, 00.55 बजे हाजीपुर, 02.30 बजे मुजफ्फरपुर, 05.20 बजे सीतामढ़ी एवं 05.56 बजे बैरगनिया रूकते हुए 07.45 बजे रक्सौल पहुंचेगी।

सेना की वर्दी पहन कर रहा था शराब की तस्करी, गिरफ्तार

न्यू बोंगाईगांव (ईएमएस)। असम के न्यू बोंगाईगांव रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने फर्जी सैनिक को गिरफ्तार किया है, जो सेना की वर्दी पहनकर शराब की तस्करी कर रहा था। जीआरपी ने एक अभियान चलाकर शख्स को धर दबोचा। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान संजीब कुमार के रूप में हुई है।
जीआरपी ने उसके पास से तीन सूटकेस बरामद किए, जिसमें कुल 65 बड़ी शराब की बोतलें थीं। पुलिस की जांच के दौरान सामने आया हैं कि वहां यह शराब बेचने वाला था। इसके पहले भी सेना के भेष में ठगी के मामले सामने आए हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया था, जो खुद को भारतीय सेना का हवलदार बताकर लोगों से धोखाधड़ी कर रहा था। आरोपी अरविंद राणा के पास से भारतीय सेना का फर्जी आई-कार्ड, दो फर्जी आधार कार्ड और दो फर्जी पैन कार्ड भी बरामद किए गए थे।

जिनको घंटे और शंख से परेशानी होती है, वो अपने कान बंद कर लें

जब-जब अत्याचार बढ़ेगा, हरि आएंगे

कैथल (ईएमएस)। हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। कैथल और जींद में आयोजित जनसभाओं में योगी ने सनातन संस्कृति और कांवड़ यात्रा को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को घंटे और शंख की आवाज से परेशानी होती है, वे अपने कान बंद कर लें और घर में रहें। योगी ने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा में डीजे, घंटा और घड़ियाल बजते रहेंगे, और अगर कोई इसमें बाधा डालने की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कैथल में जनसभा के दौरान सीएम योगी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, जब-जब अत्याचार बढ़ेगा, हरि आएंगे। उन्होंने कांग्रेस पर सनातन धर्म से नफरत करने और समाज को बांटने का आरोप लगाया। योगी ने कहा कि कांग्रेस देश को नशे की ओर धकेलना चाहती है और इसके नेता नशे के कारोबार में लगे हुए हैं। उन्होंने नशे के कारोबारियों की तुलना पौराणिक दानव चंड-मुंड और महिषासुर से की।
जींद में योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि 2017 से पहले कांवड़ यात्रा को बाधित किया जाता था, लेकिन उनकी सरकार ने इसे पूरी स्वतंत्रता से चलने दिया। उन्होंने कहा, कांवड़ यात्रा में डीजे भी बजेगा, घंटा और घड़ियाल भी बजेगा। जिन लोगों को इससे परेशानी होती है, वे अपने कान बंद कर लें और अपने घरों में रहें।

बिहार को अब जाति नहीं, काबिलियत पर ध्यान देना चाहिए

पीके ने पार्टी लांच करते ही लालू और नीतिश पर बोला हमला

पटना (ईएमएस)। चुनावी रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर (पीके) ने बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरणों और नेताओं की भूमिका पर अपनी राय रखी। उन्होंने नीतीश कुमार और लालू यादव की पार्टियों को जातीय राजनीति के मुद्दे पर आड़े हाथों लेकर कहा कि इन दोनों नेताओं को जबरन अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) का नेता बना दिया गया, जबकि उनकी जातियां ईबीसी में नहीं आतीं। पीके का कहना था कि बिहार की राजनीति में जातियों की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन यह राजनीति की एकमात्र सच्चाई नहीं होनी चाहिए।
उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि जैसे कर्नाटक और गुजरात में भी जातियों का महत्व है, लेकिन वहां की राजनीति केवल जाति तक सीमित नहीं है। पीके ने दावा किया कि 2014 के बाद से बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर बड़ी संख्या में लोग वोट दे रहे हैं, जबकि पीएम मोदी की जाति बिहार में नहीं पाई जाती।

पराली जलाना नहीं रुका, पंजाब और हरियाणा सरकारों को फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पंजाब और हरियाणा सरकारों को पराली जलाने वाले किसानों से केवल नाममात्र का मुआवजा वसूलने पर कड़ी फटकार लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पराली जलाने के कारण दिल्ली की वायु गुणवत्ता गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है, जिससे दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। इसके साथ ही, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को भी सुप्रीम कोर्ट की आलोचना का सामना करना पड़ा।
न्यायमूर्ति अभय एस ओका और ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि आयोग ने पराली जलाने की घटनाओं को रोकने में आवश्यक निर्देशों को लागू करने का कोई प्रयास नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि 29 अगस्त को हुई बैठक में सिर्फ 11 में से 5 सदस्य ही उपस्थित थे इतना ही नहीं बैठक में अदालत के निर्देशों पर चर्चा नहीं की गई।
कोर्ट ने कहा, जब तक लोग यह नहीं समझते कि उन्हें वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग अधिनियम के तहत गंभीर दंड का सामना करना पड़ेगा, तब तक पराली जलाना नहीं रुकेगी। यह आयोग की जिम्मेदारी है कि वहां प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।
कोर्ट ने आयोग की स्थिति रिपोर्ट की समीक्षा कर कहा, आयोग केवल बैठकें आयोजित करने में व्यस्त है और अपने आदेशों को लागू करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। न्यायाधीशों ने स्पष्ट किया कि आयोग को अधिनियम के तहत आपराधिक मामले दर्ज करने, जुर्माना लगाने और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों को बंद करने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने आंकड़ों का हवाला देकर कहा कि 15 से 30 सितंबर के बीच पंजाब और हरियाणा में 129 अवैध पराली जलाने की घटनाएं हुईं। कोर्ट ने कहा कि केवल जुर्माना वसूलना पर्याप्त नहीं है, क्योंकि अब आवश्यकता है कि इन्हें कानून के तहत जवाबदेह ठहराया जाए।
पंजाब सरकार ने बताया कि वहां किसानों को वैकल्पिक प्रोत्साहन प्रदान करने के बाद ही दंडात्मक कार्रवाई करेगी। राज्य के एडवोकेट जनरल ने कहा कि राज्य में 1.4 लाख से अधिक पराली हटाने वाली मशीनें उपलब्ध हैं, लेकिन छोटे किसानों को मशीनों के संचालन के लिए ड्राइवर और ईंधन की आवश्यकता है। इस मामले की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी।

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार धर्मेंद्र जी को मिलना चाहिए : हेमा मालिनी

मिथुन चक्रवर्ती को बताया अच्छा एक्टर

कोटा,(ईएमएस)। दशहरा मेला उद्घाटन में दुर्गा नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देने कोटा पहुंचीं बॉलिवुड अभिनेत्री और मथुरा सांसद हेमा मालिनी ने दादासाहेब फाल्के पुरस्कार को लेकर एक बड़ा बयान दे दिया है। उन्होंने कहा है कि यह अवार्ड धर्मेंद्र जी को दिया जाना चाहिए। गौरतलब है कि इस साल का दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड डिस्को डांसर मिथुन चक्रवर्ती को दिए जाने की घोषणा की जा चुकी है। ऐसे में हेमा का यह बयान खासा मायने रखता है।
अपने जमाने की मशहूर एक्ट्रेस और वर्तमान सांसद हेमा मालिनी गुरुवार को कोटा पहुंचीं हैं। यहां वो दशहरा मेला उद्घाटन में दुर्गा नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देंगी। इससे पहले उन्होंने

उम्मेद भवन पैलेस में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दादासाहेब फाल्के को पुरस्कार हर साल एक कलाकार को दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कलाकारों को पुरस्कार मिलना ही चाहिए। जब उनसे मिथुन चक्रवर्ती को अवार्ड दिए जाने का सवाल किया गया तो उन्होंने बड़ा बयान देने हुए कहा, कि मुझे लगता है कि धरम जी को यह पुरस्कार मिलना चाहिए था। वैसे धरमी जी को तो 10-15 साल पहले ही यह पुरस्कार मिल जाना चाहिए था। इसके साथ ही उन्होंने मिथुन दा की तारीफ करते हुए कहा कि इस वर्ष मिथुन को अवार्ड मिला है, वो बहुत अच्छा एक्टर और व्यक्ति हैं।
इसी दौरान हेमा मालिनी ने कोटा पहुंचने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, कि यहां आकर मुझे बहुत अच्छा लगा है। प्लेन से रिवर फ्रंट देखकर बहुत अच्छा लगा वह बहुत सुंदर दिखा। उन्होंने कोटा की डोरिया साड़ी का भी जिक्र किया और कहा कि जब साड़ियों का नाम आता है तो कोटा डोरिया साड़ी का जिक्र भी आता है। कोटा साड़ियों के लिए फेमस है। हेमा मालिनी ने नृत्य नाटिका के संबंध में भी बात की और बताया कि कोटा में नृत्य नाटिका प्रस्तुति का अवसर मिला है। इसके बाद हेमा मथुरा में भी दुर्गा नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देने जाएंगी।

केन्द्र और राज्य सरकार को मंदी से जूझ रहे सूरत के हीरा उद्योग की चिंता नहीं : कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस)| गुजरात में हीरा पॉलिशिंग उद्योग जो अनगिनत लोगों को आजीविका प्रदान करता है और बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा अर्जित करता है वह आज एक अभूतपूर्व संकट का सामना कर रहा है। इस उद्योग से लाखों लोगों का भरण-पोषण होता है। उद्योग में संकट के कारण 100 से अधिक हीरा तराशने वाले कर्मचारियों ने आत्महत्या कर ली है। हीरा उद्योग जगत में पैदा हुए इतने अभूतपूर्व संकट के बावजूद यह दुखद तथ्य है कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार कारीगरों या उद्योग की सुरक्षा के लिए जरा भी चिंता नहीं दिखा रही हैं। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख और राज्यसभा सांसद शक्तसिंह गोहिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हीरा उद्योग में आये अभूतपूर्व संकट के बारे में प्रेस एवं मीडिया को विस्तृत जानकारी दी एवं हीरा उद्योग के लिए कल्याणकारी मांगें रखीं| शक्तसिंह गोहिल ने कहा कि भाजपा के चंदा और वोट जुटाने में अग्रणी होने के बावजूद भाजपा सरकार को हीरा उद्योग से जुड़े लाखों लोगों की चिंता नहीं है। हजारों कारीगरों ने अपनी नौकरियाँ खो दीं और एक गंभीर मंदी आ गई जिसमें विशेष रूप से कारीगरों का शोषण किया जा रहा था। कारीगरों को अनिवार्य छुट्टियाँ और वेतन कटौती तथा अनावश्यक छुट्टियाँ दी जा रही हैं। इस अभूतपूर्व मंदी के कारणों पर नजर डालें तो मुख्य कारण यह है कि जी-7 देशों यानी अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और यूनाइटेड किंगडम ने फैसला किया है कि हम रूस के रफ से तैयार हीरे नहीं खरीदेंगे। दरअसल सबसे ज्यादा रूसी हीरे भारत में लाकर यहां के हीरों पूरी दुनिया में आपूर्ति की जाती है। इस प्रकार भारत का नुकसान रूस से ज्यादा है| फिर भी भारत के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री जी-7 देशों के बिना सोचे-समझे लिए गए फैसले पर चुप हैं। हाल ही में जब प्रधानमंत्री अमेरिका गए तो उन्हें 56 का सीना दिखाना चाहिए था और लाल आंखें दिखाकर कहना चाहिए था कि जी-7 देश भारत के हीरे किस रफ से बने हैं यह देखे बगैर खरीदेंगे तभी भारत का हित सुरक्षित होगा| लेकिन केंद्र सरकार द्वारा ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया है।

बीजेपी की रैली से निकले तंवर कांग्रेस में हुए शामिल

एक घंटे के अंतराल में ही हो गई अशोक की घर वापसी

चंडीगढ़ (ईएमएस)। हरियाणा में चुनावी मौसम में अचानक हुए राजनीतिक उलटफेर ने सभी को चौंका दिया है। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के उम्मीदवारों के लिए वोट की अपील करने वाले पूर्व सांसद अशोक तंवर ने कुछ ही घंटे पहले कांग्रेस का हाथ थाम लिया। तंवर ने राहुल गांधी की जींद रैली में शामिल होकर कांग्रेस में अपनी वापसी की। तंवर, जो हरियाणा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं, चुनाव प्रचार थमने से ठीक पहले बीजेपी के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल थे। उन्हें कैंपेन कमेटी का सदस्य भी बनाया गया था। इतना ही नहीं राहुल गांधी के मंच पर पहुंचने के पहले, तंवर बीजेपी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार कर रहे थे और सोशल मीडिया पर बीजेपी के लिए अपनी समर्थन की तस्वीरें भी साझा कर रहे थे। तंवर ने बीजेपी उम्मीदवार रणधीर पनिहार के समर्थन में रैली की तस्वीरें पोस्ट की थीं, जिसमें उन्होंने तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनने का विश्वास जाहिर किया था। इसके अलावा, उन्होंने जींद की सफीदो विधानसभा सीट के बीजेपी उम्मीदवार रामकुमार गौतम के समर्थन में भी प्रचार किया। इस राजनीतिक घटनाक्रम ने यह सवाल उठाया है कि क्या यह सिर्फ एक चुनावी रणनीति है या फिर कुछ और। तंवर ने कांग्रेस में शामिल होने के बाद अपने सभी बीजेपी संबंधी पोस्ट डिलीट कर दिए, जिससे उनके अचानक बदलाव की स्पष्टता और भी बढ़ गई है।
तंवर ने पहले कांग्रेस में अपना करियर शुरू किया था, लेकिन 2019 में पार्टी छोड़ने के बाद आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए थे।

दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति मुर्मू, बेटियां ऐसा कोई काम ना करे जिससे उनके चरित्र पर दाग लगे

उदयपुर,(ईएमएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के 32वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया, जहां राष्ट्रपति मुर्मू ने शिक्षा के सशक्तिकरण और बेटियों की उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि समारोह में मेडल प्राप्त करने वाले छात्रों में बेटियों की संख्या ज्यादा है। राष्ट्रपति ने छात्रों से अपील की कि वे ऐसा कोई कार्य न करें जिससे उनके चरित्र पर दाग लगे। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, आज हमारी बेटियां सभी क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही हैं और वे समाज तथा राष्ट्र के लिए आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने राणा सांगा, महाराणा प्रताप और मीरा के क्षेत्र को शक्ति और भक्ति का संगम बताकर छात्राओं को बधाई दी। राष्ट्रपति मुर्मू के राजस्थान की दो दिवसीय यात्रा पर आने पर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने उनका स्वागत किया। उन्होंने उदयपुर हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति को पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। राष्ट्रपति शाम को सिरोही जिले के आबूरोड़ पहुंचेंगी, जहां रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मुख्यालय में चार दिवसीय ग्लोबल समिट का उद्घाटन करेंगी।
इसके पहले राष्ट्रपति ने छात्रों को हमेशा छात्र की भावना बनाए रखने की सलाह देकर कहा कि निरंतर कड़ी मेहनत और समर्पण उन्हें जीवनभर मदद करेगा। उन्होंने महत्वाकांक्षाओं और सामाजिक संवेदनशीलता के बीच संतुलन बनाने की भी बात की। उन्होंने कहा कि उच्चतम नैतिक मूल्य उनके व्यवहार और कार्यशैली का हिस्सा होने चाहिए। उन्हें हर पहलू में ईमानदारी होनी चाहिए, और उनका प्रत्येक कार्य न्यायसंगत एवं नैतिक होना चाहिए, उन्होंने जोर दिया। राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय के गांवों को गोद लेने और छात्रों को ग्रामीण विकास में शामिल करने की सराहना की। समारोह के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू ने 102 गोल्ड मेडल में से 69 छात्रों को प्रदान किए, जिनमें 16 छात्र और 69 छात्राएं शामिल थीं। इस मौके पर कुलपति प्रोफेसर सुनीता मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया, और कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल बागडे ने की। कार्यक्रम में पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया और उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा भी उपस्थित रहे।

अमित शाह ने अहमदाबाद में देश के प्रथम टेली-रिहैबिलिटेशन सेंटर का उद्घाटन किया

अहमदाबाद (ईएमएस)| केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को अहमदाबाद के सोला सिविल हॉस्पिटल में देश के प्रथम टेली-रिहैबिलिटेशन सेंटर का उद्घाटन किया। सरकारी संस्थानों में इस प्रकार का सेंटर शुरू करने वाला गुजरात देश का पहला राज्य है। उद्घाटन अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सोला सिविल हॉस्पिटल स्थित ऑडियोलॉजी एंड स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी कॉलेज के आधुनिकीकरण का भी लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही, कॉक्लियर इम्प्लांट के संदर्भ में लिखित 'ए कॉम्प्रिहेंसिव गाइड टू हियरिंग, स्पीच एंड लैंग्वेज डेवलपमेंट इन चिल्ड्रन विद कॉक्लियर इम्प्लांट्स' नामक पुस्तक का विमोचन भी किया गया। यह पुस्तक कॉक्लियर इम्प्लांट लगवाने वाले बच्चों में विभिन्न स्तरों पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से श्रवण, वाणी और भाषा के विकास को दर्शाने के लिए डिजाइन की गई है। इस पुस्तक में सुनने, बोलने और भाषा की क्षमता के विकास पर केंद्रित तीन मॉड्यूल का समावेश किया गया है। अमित शाह ने टेली-रिहैबिलिटेशन सेंटर का शुभारंभ करने के बाद सेंटर का दौरा कर वहां की गतिविधियों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने कॉक्लियर इम्प्लांट लगवाने वाले बच्चों के साथ संवाद किया और इन बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं। उल्लेखनीय है कि कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी करवाने वाले बच्चों को रिहैबिलिटेशन में तत्काल स्पीच थेरेपी की आवश्यकता होती है। इस थेरेपी सेशन के लिए गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों से बच्चों को अहमदाबाद के सोला सिविल हॉस्पिटल में आना पड़ता था। अहमदाबाद से दूर रहने वाले मरीजों को यात्रा खर्च वहन करने की असमर्थता तथा ऑडिटरी वर्बल थेरेपी के अभाव के कारण

बहुत मामूली लाभ मिल पाता था। इसके कारण बच्चे में सुनने और बोलने का पर्याप्त विकास नहीं हो पाता था। इसलिए कई मामलों में कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी का सफल परिणाम नहीं मिलता था। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा 25 लाख रुपए की लागत से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य केंद्र (आरबीएसके), प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट (पीआईयू) और डिस्ट्रिक्ट अर्ली इंटरवेंशन सेंटर (डीईआईसी) तथा ऑडियोलॉजी कॉलेज की मदद से टेली-रिहैबिलिटेशन के लिए महत्वपूर्ण व्यवस्था विकसित की गई है, ताकि इस कार्यक्रम के सार्थक परिणाम मिल सकें और बच्चे सर्जरी के बाद बोल और सुन सकें। टेली-रिहैबिलिटेशन की मदद से कॉक्लियर इम्प्लांट लगवाने वाले बच्चों को अब जिला स्तर पर डिस्ट्रिक्ट अर्ली इंटरवेंशन सेंटर में स्पीच थेरेपी सेशन का लाभ मिल पाएगा। इस सेंटर से वीडियो कॉलिंग कर अद्यतन साउंडप्रूफ कमरे में ऐसे बच्चों को थेरेपी दी जाएगी। जिलों में स्थित ये केंद्र पीडियाट्रिक, ऑडियोलॉजिस्ट और आरबीएसके आदि के साथ एक साथ कनेक्ट होंगे। इससे पहले केवल ऑडियो के माध्यम से यह सेवा उपलब्ध थी। अब, इस टेली-रिहैबिलिटेशन सेंटर के संचालित होने से वीडियो कॉलिंग के माध्यम से थेरेपी की पूरी प्रक्रिया की जाएगी। केंद्रीय मंत्री अमित शाह के करकमलों द्वारा ऑडियोलॉजी कॉलेज के आधुनिकीकरण का लोकार्पण किया गया। ऑडियोलॉजी कॉलेज के विस्तारीकरण और आधुनिकीकरण के लिए सरकार की ओर से आवंटित 35 लाख रुपए की मदद से अंतरराष्ट्रीय स्तर के 7 नए साउंडप्रूफ कमरे बनाए गए हैं। इन साउंडप्रूफ कमरों के बनने से सुनने, बोलने और चक्कर आने की तकलीफ के अलावा लकवा मारने के बाद भोजन निगलने में तकलीफ वाले मरीजों को जांच के साथ ही थेरेपी उपचार भी मिल सकेगा।
ऑडियोलॉजी कॉलेज में वेस्टिबुलोनीस्टेग्मोग्राफी (वीएनजी) की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यह उपकरण चक्कर आने के कारणों का पता लगाने में सहायक होता है। इस उपकरण की मदद से मरीज को कान या दिमाग में तकलीफ होने के कारण आने वाले चक्कर का निदान किया जा सकता है। इसके अलावा, स्ट्रोक, गले के कैंसर या अन्य किसी तंत्रिका तंत्र की तकलीफ के कारण आहार निगलने में तकलीफ वाले मरीजों के लिए वाइटल स्टिमुलेशन नामक आधुनिक उपकरण स्थापित किया गया है।
यह उपकरण गले के अंदर आहार को निगलने वाली मांस-पेशियों को उत्तेजित करता है। उल्लेखनीय है कि ऑडियोलॉजी एंड स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी कॉलेज वर्ष 2021 में रिहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया की मान्यता और 20 बैठकों की मंजूरी के साथ शुरू की गई थी।

संपादकीय
कोयलांचल संवाद

ईरान द्वारा इस्राइल पर मिसाइल हमला तृतीय विश्व युद्ध की आहट

ईरान और इस्राइल के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव ने एक नया चिंताजनक मोड़ ले लिया है। ईरान ने इस्राइल पर मंगलवार की रात सैकड़ों मिसाइलें दागी हैं। यह संख्या पहले डेढ़ सौ से दो सौ के बीच बताई जा रही थी। अब यह आंकड़ा तीन सौ से चार सौ के बीच बताया जा रहा है। यह हमला न केवल दोनों देशों के बीच के तनाव को चरम पर ले गया है, वरन पूरे मध्य पूर्व की स्थिरता को गंभीर खतरे में डाल दिया है।

इस्राइल और ईरान के बीच की दुश्मनी कोई नई बात नहीं है। दोनों देश वर्षों से एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रहे हैं। ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाएं और इस्राइल का सुरक्षा तंत्र और इजरायल द्वारा किया जा रहा है। यह विस्तार मुख्य झगड़े की जड़ है। हाल के हमले ने इस संघर्ष को विश्व स्तर का बना दिया है। इतने बड़े पैमाने पर मिसाइल हमले का मतलब है, ईरान अब न केवल इस्राइल के खिलाफ अपनी आक्रामकता को खुलकर दिखा रहा है, बल्कि वह इसराइल और अमेरिका के साथ खुलकर लड़ने के लिए मैदान में आ गया है। यह ईरान की शक्ति का प्रदर्शन माना जा सकता है। ईरान अपनी सैन्य क्षमता का संदेश सारी दुनिया को देना चाहता है। इस्राइल ने कई बार ईरान के परमाणु कार्यक्रमों पर निशाना साधने और उसके आंतरिक मामलों में दखल देने के कारण ईरान को आक्रामक बना दिया है। इस्राइल की ओर से इस हमले का जवाब ईरान को मिलना तय है। इस्राइल की प्रतिक्रिया से ईरान सहित पूरे मध्य पूर्व में तनाव बढ़ना तय है। इसमे वैश्विक शक्तियों के हस्तक्षेप की संभावना बढ़ गईं है। यह पूरी स्थिति विश्व शांति के लिए बेहद चिंताजनक है। जब दुनिया के देश कई विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे है। यह सैन्य संघर्ष की शुरुआत पूरे विश्व को अस्थिर कर सकती है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठन इस लड़ाई में मध्यस्थता के लिए जो प्रयास अभी तक किए गये हैं, वह सब विफल रहे हैं। जल्द ही समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह संघर्ष भयावह हो सकता है।मिसाइल हमले के बाद की स्थिति में क्षेत्रीय स्थिरता, नागरिकों की सुरक्षा और वैश्विक शांति सभी खतरे में पड़ती दिख रही है। अब यह देखना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस संकट को शांत करने के लिए क्या प्रयास करता है। इजराइल ने जिस तरह से आक्रामक तेवर दिखाये हैं, अमेरिका ने पीछे से इजराइल का समर्थन किया है। पिछले कई महीनो से इजराइल नरसंहार कर रहा है। गाजा पट्टी पर कब्जा करने के बाद इजराइल अब लेबनान में घुस गया है। ईरान को सीधी चेतावनी दे दी गई है ऐसी स्थिति में अब ईरान के पास भी और कोई विकल्प नहीं रह गया था। ईरान के हमले के बाद वैश्विक स्तर पर चीन और रूस का समर्थन ईरान को मिलना तय है। यूक्रेन और रूस के बीच में पिछले कई महीनो से युद्ध चल रहा है। नाटो के देश और अमेरिका खुलकर यूक्रेन का साथ दे रहे हैं। इजराइल अपनी विस्तारवादी नीतियों के कारण आक्रामक बना हुआ है। रूस और चीन जैसी महा शक्तियों को अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए इस युद्ध में ईरान के पक्ष में कूदना ही पड़ेगा। रूस ने चेतावनी दी है, वह अपनी परमाणु और एटमी शक्ति का उपयोग कर सकता है। ऐसी स्थिति में तृतीय विश्व युद्ध की आशंका अब व्यक्त की जाने लगी है। दुनिया के सारे देश आर्थिक मंदी में फंसे हुए हैं। दुनिया के देशों में शासको के खिलाफ बड़े पैमाने पर आंदोलन चल रहे हैं। राजनीतिक दृष्टि से जब आंतरिक चुनौतियों तेज हो जाती हैं, तब शासक वर्ग इसी तरह से जनता का ध्यान भटकाने के लिए बाहय युद्ध का हउआ खड़ा करके अपनी सत्ता को बचाना चाहते हैं। सत्ता की इस लड़ाई में एक बार फिर विश्व शांति खतरे में पड़ रही है। कोई किसी की नहीं सुन रहा है। जिस तरह की स्थिति बन गई है, उसमें खाड़ी के देश ईराक, जार्डन, सऊदी, यूएई, कतर जैसे देश भी इस लड़ाई में शामिल होंगे। ईरान ने चेतावनी देते हुए कहा मिसाईल का यह हमला ट्रेलर है। पूरी पिक्चर बाकी है। ईरान ने अमेरिकी परस्त खाड़ी देशों को भी निशाने पर ले लिया है। इससे सारी दुनिया में इस लड़ाई को तीसरे विश्व युद्ध की लड़ाई का प्रारंभिक चरण माना जा रहा है।

शक्तिशाली देशों की सूची में भारत पहुंचा तीसरे स्थान पर

प्रहलाद सबनानी

आस्ट्रेलिया के एक संस्थान, लोवी इन्स्टिटयूट थिंक टैंक, ने हाल ही में एशिया में शक्तिशाली देशों की एक सूची जारी की है। "एशिया पावर इंडेक्स 2024" नामक इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया है। वर्ष 2024 के इस इंडेक्स में भारत ने जापान को पीछे छोड़ा है। इस इंडेक्स में अब केवल अमेरिका एवं चीन ही भारत से आगे है। रूस तो पहिले से ही इस इंडेक्स में भारत से पीछे हो चुका है। इस प्रकार अब भारत की शक्ति का आभास वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जाने लगा है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 के प्रतिवेदन में बताया गया है कि वर्ष 2023 के इंडेक्स में भारत को 36.3 अंक प्राप्त हुए थे जो वर्ष 2024 के इंडेक्स में 2.8 अंक से बढ़कर 39.1 अंकों पर पहुंच गए हैं एवं भारत इस इंडेक्स में चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर आ गया है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 को विकसित करने के लिए कुल 27 देशों और क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों का आंकलन एवं सूक्ष्म विश्लेषण किया गया है। एशिया में जो नए शक्ति समीकरण बन रहे हैं उनका ध्यान भी इस इंडेक्स में रखा गया है तथा विभिन्न मापदंडों पर आधारित पिछले 6 वर्षों के आकड़ों का विश्लेषण कर यह इंडेक्स बनाया गया है। आर्थिक क्षमता, सैन्य (मिलिटरी) क्षमता, अर्थव्यवस्था में लचीलापन, भविष्य में संसाधनों की उपलब्धता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध एवं सांस्कृतिक प्रभाव जैसे मापदंडो पर उक्त 27 देशों एवं क्षेत्रों का आंकलन कर विभिन्न देशों को इस इंडेक्स में स्थान प्रदान किया गया है। उक्त इंडेक्स में अमेरिका, 81.7 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर है। चीन 72.7 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर है। भारत ने इस इंडेक्स में 39.1 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जापान को 38.9 अंक, आस्ट्रेलिया को 31.9 अंक एवं रूस को 31.1 अंक प्राप्त हुए हैं एवं इन देशों का क्रमशः चतुर्थ, पांचवा एवं छठवां स्थान रहा है। इस इंडेक्स में प्रथम 5 स्थानों में से 4 स्थानों पर "क्वाड" के सदस्य देश हैं - अमेरिका, भारत, जापान एवं आस्ट्रेलिया। एशिया में अमेरिका की लगातार बढ़ती मजबूत ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जबकि, चीन की मजबूत मिलिटरी ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। जापान के इस इंडेक्स में तीसरे से चौथे स्थान पर आने के कारणों में मुख्य कारण उसकी आर्थिक स्थिति में लगातार आ रही गिरावट है। भारत ने चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर छलांग लगाई है। आर्थिक क्षमता एवं भविष्य में संसाधनो की उपलब्धता के क्षेत्र में भारत को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही, सैन्य क्षमता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध के क्षेत्र एवं सांस्कृतिक प्रभाव के क्षेत्र में भारत को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। अब केवल अमेरिका और चीन ही भारत से आगे हैं एवं जापान, आस्ट्रेलिया एवं रूस भारत से पीछे हो गए हैं। जबकि, कुछ वर्ष पूर्व तक विश्व की महान शक्तियों में भारत का कहीं भी स्थान नजर नहीं आता था। केवल अमेरिका, रूस, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रान्स आदि देशों को ही विश्व में महाशक्ति के रूप में गिना जाता था। अब इस सूची में भारत तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। उक्त इंडेक्स तैयार करते समय आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि अन्य शक्तिशाली देशों का भी आंकलन किया गया है। साथ ही, विश्व में तेजी से बदल रहे शक्ति के नए समीकरणों का भी व्यापक आंकलन किया गया है। इस आंकलन के अनुसार अमेरिका अभी भी एशिया में सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बना हुआ है। चीन तेजी से आगे बढ़कर दूसरे स्थान पर आया है। तेजी से बढ़ती सेना एवं आर्थिक तरक्की चीन की मुख्य ताकत है। उक्त प्रतिवेदन में यह तथ्य भी बताया गया है कि उभरते हुए भारत से अपेक्षाओं एवं वास्तविकताओं में अंतर दिखाई दे रहा है। इस प्रतिवेदन के अनुसार, भारत के पास अपने पूर्वी देशों को प्रभावित करने की सीमित क्षमता है। परंतु, वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत अपने पड़ौसी देशों नेपाल, भूटान, श्रीलंका, बंगलादेश, म्यांमार एवं अफगानिस्तान, आदि की विपरीत परिस्थितियों के बीच भारी मदद करता रहा है। आसियान के सदस्य देशों की भी भारत समय समय पर मदद करता रहा है, एवं इन देशों का भारत पर अपार विश्वास रहा है। कोरोना के खंडकाल में एवं श्रीलंका, म्यांमार तथा अफगानिस्तान में आए सामाजिक संघर्ष के बीच भारत ने इन देशों की मानवीय आधार पर भरपूर आर्थिक सहायता की थी एवं इन्हें अमेरिकी डॉलर में लाइन आफ क्रेडिट की सुविधा भी प्रदान की थी ताकि इनके विदेशी व्यापार को विपरीत रूप से प्रभावित होने से बचाया जा सके।

महिला सुरक्षा -दर्पण झूठ न बोले

निर्मल रानी

महिला सुरक्षा व संरक्षण के जितने दावे हमारे देश में किये जाते हैं उतने किसी देश में नहीं किये जाते। इसी तरह जितना धार्मिक होने का दिखावा हमारे देश में किया जाता है,धर्म व अध्यात्म की जितनी चर्चा हमारे देश में की जाती है शायद अन्यत्र कहीं नहीं होती। परन्तु इसके विपरीत पूरे देश में उतना ही अधिक अधर्म व्याप्त नज़र आता है। कोई क्षेत्र कोई संस्था कोई विभाग ऐसा नहीं जहाँ नारी का अपमान न होता हो,जहाँ झूठ और भ्रष्टाचार सिर चढ़कर न बोलता हो। जहाँ स्वार्थ और मुफ़्तख़ोरी का बोल बाला न हो। परन्तु इस वास्तविकता के बावजूद सुबह से शाम तक पूरे देश में बड़े बड़े पेशेवर प्रवचन कर्ताओं के सत्संग आयोजित होते रहते हैं। देश के लाखों मंदिरों मस्जिदों व अन्य सभी धर्मस्थलों से भजन कीर्तन आरती अज़ान भजन शब्द प्रेयर आदि की आवाज़ें सुनाई देती हैं। विभिन्न धर्मों व समुदायों के धार्मिक जुलूस सड़कों पर उतर कर अपने धार्मिक होने का प्रदर्शन करते रहते हैं। कन्याओं की पूजा भी शायद हमारे देश के सिवा और कहीं नहीं की जाती। देवियों की परिकल्पना भी शायद सिर्फ़ हमारे ही देश में की गयी है। परन्तु हक़ीक़त तो बिल्कुल इससे विपरीत है। नारी शोषण तथा नारी अत्याचार की जितनी घटनाएं बल्कि जितनी घिनौनी और वीभत्स घटनायें हमारे देश में होती हैं उतनी कहीं नहीं होतीं। और इससे भी शर्मनाक बात यह कि बलात्कारियों व हत्यारों को सत्ता का संरक्षण मिलते हुये भी देखा जा सकता है। पिछले दिनों तो ऐसी अनेक घटनाएं देश में घटीं जिन्हें सुनकर यह सोचने के लिये मजबूर होना पड़ा कि जब संभ्रांत व अभिजात वर्ग की महिलाओं का यह हाल है,वे तक सुरक्षित नहीं फिर आख़िर साधारण परिवार की या ग़रीब घरों की कन्याओं की सुरक्षा की बात कैसे सोची जा सकती है ? कोलकाता में गत अगस्त माह में आरजी कर मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ उसी अस्पताल के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पहले बलात्कार किया गया उस के बाद उसकी हत्या कर दी गयी। चूँकि मामला बंगाल राज्य का था इसलिये इस मामले में विरोध प्रदर्शन का स्तर काफ़ी ऊँचा रहा। इतना ऊँचा कि लंबे समय तक राज्य के डॉक्टर्स हड़ताल पर रहे। ख़बरों के मुताबिक़ डॉक्टरों की इसी हड़ताल के दौरान राज्य भर में 23 मरीज़ों की जान भी चली गयी।

इसी प्रकार 15 सितंबर को एक सैन्य अधिकारी की मंगेतर के साथ ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित भरतपुर पुलिस स्टेशन में पहले बदसलूकी की उसका यौन-उत्पीड़न किया, फिर आर्मी ऑफ़िसर को लॉकअप में बंद कर दिया। हद तो यह है कि पीड़िता के अनुसार थाने में मौजूद पुलिस अधिकारी ने पहले उसके हाथ-पैर बांधे फिर उसके कपड़े उतारे उसके बाद एक पुरुष पुलिस अधिकारी ने उनके अंडरगारमेंट उतारे, फिर छाती पर लातें मारीं। उसके बाद जब थाने में इंस्पेक्टर-इन-चार्ज पहुंचा तो उसने पीड़ित की पैंट नीचे कर उसे अपना प्राइवेट पार्ट दिखाया और अश्लील बातें कीं। हालांकि इस मामले के हाई प्रोफ़ाइल हो जाने के बाद 5 पुलिसकर्मी सस्पेंड होने की ख़बर ज़रूर है परन्तु इस सवाल से कैसे मुंह मोड़ा जा सकता है कि एक शिक्षित महिला अपने सैन्य अधिकारी मंगेतर के साथ जब सुरक्षित नहीं फिर आख़िर साधारण महिलाओं की इज़्ज़त आबरू की कौन सी गारंटी ? ख़बर यह भी है कि इस घटना के बाद सेना में भी रोष पैदा हो गया था। याद कीजिये गत वर्ष 30 अगस्त को एक बावर्दी महिला कांस्टेबल ख़ून से लथपथ हालत में अयोध्या स्टेशन के क़रीब सरयू एक्सप्रेस में बर्थ के नीचे छुपी मिली थी। यानी चलती ट्रेन में दुस्साहसी अपराधियों ने उसकी वर्दी की परवाह किये बिना उसपर हमला बोल दिया था। बाद में पुलिस द्वारा दावा किया गया कि घटना के 20 दिन बाद ही आरोपी को यूपी पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया। इसी तरह विभिन्न सरकारी कार्यालयों से ख़बरें आती हैं कि कार्यालय के वरिष्ठ या दबंग क़िस्म के लोग अपनी अधीनस्थ महिला कर्मियों को अपनी हवस का शिकार बनाते हैं। उत्तर प्रदेश के पी डब्ल्यू डी विभाग का ऐसा ही एक मामला तो इस वक़्त काफ़ी चर्चित हो गया है जिसमें सह कर्मचारियों द्वारा एक महिला को डरा धमकाकर कई बार बलात्कार किया गया। वह गर्भवती हो गयी और कोविड के दौरान उसकी मौत भी हो गयी। धर्मस्थान व धर्मगुरु तो नारी शोषण बलात्कार को लेकर तो कुछ ज़्यादा ही चर्चा में रहते हैं। कहीं मंदिर में बलात्कार की ख़बरें आती हैं। कहीं कोई पुजारी पकड़ा जाता है। हद तो यह है कि पिछले दिनों अयोध्या के नवनिर्मित राम जन्म भूमि मंदिर में वहां की एक सफ़ाई कर्मी महिला के साथ वहां कार्यरत लोगों द्वारा बलात्कार किये जाने की ख़बर आ गयी। उससे अधिक पवित्र,सुरक्षित व सम्मानित स्थान और किसे कहा जाये ? कुछ समय पूर्व ग़ाज़ियाबाद ज़िले में पड़ने वाली गंग नहर के किनारे स्थित एक मंदिर में वहां के महंत द्वारा महिलाओं के कपड़े बदलने वाले हिस्से में एक गुप्त कैमरा लगाया गया था। इस कैमरे को महंत अपने मोबाईल फ़ोन में देखता रहता था। और कई नग्न महिलाओं की क्लिप को बार बार देखा करता था। पता चलने पर उसकी शिकायत हुई वह गिरफ़्तार हुआ तथा तमाम आपत्तिजनक वीडिओ क्लिप उसके मोबाइल से बरामद की गयी।

इसी तरह मध्य प्रदेश के इंदौर में तेजाजी नगर के एक मंदिर में एक पुजारी के घिनौने कृत्य का पर्दाफ़ाश हुआ। यहाँ एक 35 वर्षीय पुजारी ने एक 21 साल की युवती के साथ मंदिर में बने कमरे में ही दुष्कर्म कर डाला। इतना ही नहीं बल्कि पुजारी ने दुष्कर्म करने के बाद न केवल युवती को धमकाया बल्कि वह युवती के पिता पर इस बात के लिये दबाव भी बनाया करता था कि वह अपनी बेटी को रोज़ मंदिर भेजा करे। देश के किसी न किसी कोने से आए दिन ऐसी कई घटनाएं रोज़ होती रहती हैं। यहाँ तक कि मासूम किशोरियों को भी भेड़िये मानसिकता के लोग नहीं बख़्शते। दरअसल जहाँ लोगों की विकृत मानसिकता इन घटनाओं के लिये ज़िम्मेदार है वहीँ बलात्कारियों को मिलने वाला सत्ता का प्रश्रय व सहयोग भी इसके लिये कम ज़िम्मेदार नहीं। कहीं आजीवन कारावास काट रहे किसी हत्यारे बलात्कारी को अपने राजनैतिक लाभ के लिये चार साल में रिकार्ड 15 बार पेरोल दे दी जाती है तो कहीं सामूहिक बलात्कारियों व हत्यारों को सत्ता द्वारा चरित्र प्रमाण पत्र देकर जेल से रिहा करवा दिया जाता है। महिला सुरक्षा को लेकर सरकार जो चाहे दावे करे या अपनी पीठ थपथपाये परन्तु सच तो यही है कि दर्पण कभी भी झूठ नहीं बोलता।

सियासत में जलेबी, चूरमा और लड्डू

राकेश अचल

| मुझे इजराइल-लेबनान युद्ध पर नहीं लिखना। मै फ़िलहाल चिराग पासवान पर भी नहीं लिखना चाहता। मै जलेबी और चूरमा पर लिख रहा हूँ ,क्योंकि मुझे लगता है कि मौजूदा कड़वी सियासत के दौर में जलेबी और चूरमा ज्यादा बेहतर विषय है लिखने के लिए। फ़िलहाल जलेबी और चूरमा पर हिन्दू-मुसलमान की छाप भी नहीं पड़ी है ,इसलिए वे अब तक समरसता का बोध कराने वाले मिष्ठान हैं। आप मानें या न मानें लेकिन हकीकत ये है कि कड़वाहट से भरे नेताओं को भी मिष्ठान प्रिय होते हैं,भले ही नेता मधुमेह के शिकार हों। मिष्ठान सामने आ जाये तो पीछे नहीं हटता । देश के पूर्व प्रधानमंत्री और ग्वालियर के सपूत अटल बिहारी बाजपेयी को बहादुरा के लड्डू और गुलाब जामुन प्रिय थे,हालांकि वे चाची के मंगौड़ों के भी मुरीद थे।मुझे लगता है की भाजपा ने यहीं से मंगौड़े तलने की बात शुरू की थी । जब तक अटल जी रोग शैय्या पर नहीं गए थे तब तक इन लड्डुओं और मंगौड़ों का सेवन करते रहे। बाजपेयी जी से मिलने वाले उनके रिश्तेदार हों या और कोई यदि उन्हें बहादुरा के लड्डू भेंट करते थे तो उनके मुखमंडल पर एक स्निग्ध मुस्कान तैरने लगती थी।पूर्व राष्ट्रपति डॉ शंकर दयाल शर्मा जलेबी कि शौकीन थे । वे राष्ट्रपति भवन में आगंतुकों को भी जलेबी ही खिलते थे। हाल ही में तिरुपति के प्रसादम में मिलने वाले लड्डुओं के विवाद के बावजूद ग्वालियर में न बहादुर के लड्डुओं के प्रेमियों की संख्या कम हुई है और न लखनऊ में ठग्गू के लड्डुओं की। लड्डू हैं ही ऐसी मिठाई जिसे हर जाति और धर्म के लोग खाते हैं। लड्डू मेरे हिसाब से मिठाइयों का राजा है। कायदे से उसे अब रक राष्ट्रीय मिष्ठान घोषित कर देना चाहिए था। मुमकिन है की महाराष्ट्र सरकार ने जैसे हाल ही में गाय को राज्य माता का दर्जा दिया है वैसे ही आने वाले दिनों में कोई लड्डू प्रेमी सरकार लड्डू को भी राज्य या राष्ट्र मिष्ठान का दर्जा दे दे। हमारे यहां दर्जा देना या पेरोल देना बहुत आसान काम है। हरियाणा विधानसभा के चुनाव प्रचार में गोहाना पहुंचे लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता और भाजपा के सर पर चढ़े भूत राहुल गांधी भी जलेबी नाम के एक मिष्ठान के मुरीद हो गए। गोहाना की चुनवाई सभा के मंच पर राहुल गांधी ने मातूराम हलवाई की जलेबी का स्वाद चखा। दीपेंद्र हुड्डा ने राहुल गांधी को अपने हाथों ये जलेबी खिलाई। राहुल को इसका स्वाद इतना पसंद आया कि उन्होंने एक डिब्बा अपनी बहन प्रियंका गांधी के लिए पैक करवा लिया।

उन्होंने अपनी रैली में भी इस जलेबी का जिक्र किया। बता दें कि लाला मातूराम की जलेबी कोई सामान्य जलेबी नहीं है, इनका आकार सामान्य जलेबी से ज्यादा बड़ा है।एक जलेबी ढाई सौ ग्राम तक की होती है। जलेबी केवल हम भारतीयों को ही नहीं बल्कि भारत के बाहर तमाम इस्लामिक राष्ट्रों की जनता को भी प्रिय है । वे इसे हिन्दू मिठाई मानकर इसका तिरस्कार नहीं करते। जानकार बताते हैं कि जलेबी भारतीय उपमहाद्वीप व मध्यपूर्व की एक लोकप्रिय मिठाई है। यह किसी कर्ण कुंडल की तरह ऐसी रस्सभरी होती है कि आप इसे खाये बिना रह नहीं सकते । कोई इसे दूध में डालकर खाता है तो कोई रबड़ी डालकर । किसी को जलेबी दही के साथ खाना पसंद है लेकिन खाते सब है। कहीं जलेबी बहुत छोटे आकर की बनती है तो गोहाना में 250 ग्राम की एक। सागर में तो जलेबी में मावा भरा जाता है। इसका स्वाद में मीठी और खमीर की वजह से हल्की सी खट्टी जलेबी की लोकप्रियता ऐसी है की हमारे यहां सुंदर महिलाओं का नाम तक जलेबी बाई रखा जाता है।जलेबी की लोकप्रियता का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि हमारे यहां जलेबी बाई फ़िल्मी गीत भी है ,बेव सीरीज भी है और कार्टून श्रंखला भी

जलेबी की धूम मैंने अपनी अनेक विदेश यात्राओं में भी देखी भारत के अलावा बांग्लादेश, पाकिस्तान, ईरान के साथ समस्त अरब देशों में भी यह जानी-पहचानी है। मैंने तो स्पेन में भी जलेबी खाई। अमेरिका में तो जलेबी आसानी से मिल जाती है। जलेबी की तारीफ़ कर इसके जरिये रोजगार की बात कर राहुल गांधी भले ही अपने विरोधियों द्वारा ट्रोल किये जा रहे हों लेकिन इससे जलेबी का तो भला ही हुआ।वैसे भी हमारे राम जी सभी का भला करते हैं । जलेबी के बाद आइये बात करते हैं चूरमा की । चूरमा राजस्थान का अघोषित राज्य मिष्ठान है और इसकी धूम देश-विदेश तक है । हाल ही में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी भी चूरमा खाकर न सिर्फ गदगद हो गए बल्कि उन्हें अपनी दिवंगत माँ की याद भी आ गयी । भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा की मान ने ये चूरमा भेजा था । मोदी जी ने चूरमा न सिर्फ खुद खाया बल्कि जमैका के प्रधानमंत्री को भी खिलाया और भावुक होकर नीरज की माँ श्रीमती सरोज देवी को एक आभार पत्र भी लिख दिया । आपको याद होगा की मोदी जी सामान्य तौर पर किसी कि पत्र का जबाब नहीं देते । मल्लिकार्जुन खरगे तक कि पत्र का जबाब उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से दिलवाया था, लेकिन नीरज की माँ को मोदी जी ने खुद पत्र लिखा । ये चूरमे की ही ताकत तो थी । मोदी जी ने लिखा -, आज इस चूरमे को खाने के बाद आपको पत्र लिखने से खुद को रोक नहीं सका. भाई नीरज अक्सर मुझसे इस चूरमे की चर्चा करते हैं, लेकिन आज इसे खाकर मैं भावुक हो गया. आपके अपार स्नेह और अपनेपन से भरे इसे उपहार ने मुझे मेरी मां की याद दिला दी.

अब आप समझ ही गए होंगे कि मिष्ठान चाहे कोई भी हो बहुत ताकतवर चीज है। मिष्ठान शुष्क से शुष्क आदमी को भी सरस् बना सकता है। मिष्ठान कड़वाहट मिटाने का सबसे बढ़िया विकल्प है ,आप इसे कड़वाहट का ऐंटी डोज भी कह सकते हैं शायद इसीलिए हमारे यहां तीज-त्यौहारों पर मिठाइयों का आदान-प्रदान किया जाता है। मै तो कहता हूँ कि मिष्ठान बिना जग सूना है। सियासत में बढ़ती कड़वाहट और अदावत को मिष्ठान के जरिये दूर किया जा सकता है,फिर मिष्ठान चाहे लड्डू हो,जलेबी हो,चूरमा हो या बंगाल का रसोगुल्ला। मै तो कहता हूँ कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर स्वच्छता पखवाड़ा मानते हुए आम जनता को रसोगुल्ला वितरित करना चाहिए था। यदि ऐसा होता तो प्रधानमंत्री जी और उनकी पार्टी के तमाम लोग संदेशखाली और कोलकाता जैसे मुद्दे उठाना भूल जाते।

देश में पुरखों की विदाई के बाद देवी स्वरूपा दुर्गा का आगमन हो चुका है । हमें इन नौ दिनों में मिष्ठान के जरिये सौहार्द की वापसी की कोशिश करना चाहिए। मुहब्बत की दूकान खोलने से आपको ऐतराज हो सकता है किन्तु मिष्ठान की दूकान खोलने से नही। यदि यही मिष्ठान हमारे लिए रोजगार पैदा करने लगे तो भी क्या बुरा है। मिष्ठान भी किसी मंगौड़े से कम नहीं है।हम तो 8 अक्टूबर को हरियाणा और जम्मू -कश्मीर के सभी नए विधायकों से मिठाई खाएंगे।

नौ शक्तियों का मिलन पर्व है नवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

शारदीय नवरात्रि 3-12 अक्तूबर पर विशेष

आदि शक्ति दुर्गा की पूजा के पावन पर्व नवरात्रि की शुरूआत हो चुकी है। नवरात्रि के ये दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। शारदीय नवरात्रि की शुरुआत इस वर्ष 3 अक्तूबर से हुई है, जिनका समापन 12 अक्तूबर को होगा। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है। दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है।

दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड़ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं। नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त सिद्धिदात्री महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर सड़क पर उतरे छात्र

दुमकाः हाल ही में झारखंड में संपन्न हुए जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर छात्र समन्वय समिति ने झारखंड बंद का आह्वान किया है. जिसका दुमका में काफी असर देखा जा रहा है. छात्र सड़कों पर उतर आए और साहिबगंज-गोविंदपुर हाइवे और रिंग रोड को फूलो झानो चौक के समीप जाम कर दिया. इससे सैकड़ों वाहन जाम में फंस गए. परिचालन पूरी तरह से ठप है. प्रदर्शनकारियों ने झारखंड सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. छात्र हेमंत सोरेन पर नौकरियों को बेचने का आरोप लगा रहे हैं. छात्रों के इस विरोध का असर दुमका-पाकुड़, दुमका-साहिबगंज, दुमका-सिउड़ी के आवागमन पर पड़ा है.

हेमंत सोरेन से परीक्षा रद्द करने की मांग

सड़क पर उतरे छात्रों की मांग है कि जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को रद्द किया जाए, क्योंकि इसमें कदाचार हुआ है. प्रश्न पत्र लीक हुए हैं. छात्र नेता श्यामदेव हेम्ब्रम ने कहा कि एक तो पिछले साढ़े चार वर्षों में इस सरकार ने बेरोजगारों को नौकरी नहीं दी और अब जब सरकार का कार्यकाल पूरा हो रहा है तो परीक्षा ली गई, लेकिन इसमें भी व्यापक अनियमितता बरती गई. इसलिए छात्र के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इसे जल्द से जल्द रद्द किया जाए.

आर्थिक नाकेबंदी की दी चेतावनी

छात्र नेताओं ने आर्थिक नाकेबंदी की चेतावनी दी है. छात्रों का कहना है कि अगर इस एग्जाम को रद्द नहीं किया जाता है तो आज हम लोगों ने सिर्फ सड़क जाम किया है, आने वाले दिनों में पूरे राज्य में आर्थिक नाकेबंदी की जाएगी, जो अनिश्चितकालीन होगा और इस पूरे मामले की जिम्मेदारी हेमंत सरकार की होगी.

पोक्सो मामले में सजा काट रहे आरोपी ने जेल में आत्महत्या कर ली

वडोदरा (ईएमएस)। वडोदरा की सेंट्रल जेल में सजा काट रहे पोक्सो मामले के आरोपी ने आज सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद आरोपी का शव पोस्टमार्टम के लिए वडोदरा के एसएसजी अस्पताल ले जाया गया। बताया जाता है कि आरोपी ने 2019 में 8 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था और वडोदरा के केन्द्रीय कारागार में सजा काट रहा था। वडोदरा की सेंट्रल जेल मध्य गुजरात की सबसे बड़ी जेल मानी जाती है और उसी जेल में आज एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जेल में सजा काट रहे पोक्सो मामले के आरोपी संजय बारिया ने आज सुबह 4 बजे से पहले बैरक के शौचालय में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। इस घटना से जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। घटना के बाद मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए वडोदरा के एसएसजी अस्पताल ले जाया गया।

संक्षिप्त ख़बरें

ओलचिकि लिपि से ही संथाली भाषा को समृद्ध बनाया जा सकता हैं : बृजलाल

धनबाद, गोल्फ ग्राउंड स्थित न्यू टाउन हॉल धनबाद में माझी रामदास टुडु रास्का के 17वें जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय संताली लेखक संघ झारखंड शाखा की 15वां वार्षिक संताली साहित्य महासम्मेलन का आयोजन किया गया।सर्वप्रथम उद्घाटन कर्ता टोरच मुर्मू द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। महासम्मेलन के मुख्य अतिथि बृजलाल मरांडी तथा अन्य अतिथियों द्वारा माझी रामदास टुडु रास्का, सिदो-कान्हू, चांद-भैरो, फुलो-झानो, साधुराम चांद मुर्मू, रघुनाथ मुर्मू तथा महात्मा गांधी के तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। संताली लेखक संघ की नव जीवन पर्वत सदस्यता ग्रहण करने वाले लेखक रतर मरांडी द्वारा ओलचिकी लिपि में प्रकाशित 'ओलचिकी सेंड़ा' पुस्तक मुख्य अतिथि बृजलाल मरांडी तथा अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया।संताली साहित्य महासम्मेलन के मुख्य अतिथि बृजलाल मरांडी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि साहित्य को उचित मंच दिलाने के लिए समाज के सभी लोगों को आगे आने की जरूरत है। संताली भाषा की अपनी लिपि ओलचिकी है। ओलचिकी लिपि से ही संताली भाषा को उन्नत किया जा सकता है। इसलिए हमें ओलचिकी लिपि को घर-घर तक पहुंचाने की जरूरत है।

संदिग्ध परिस्थिति में घर में मिला गृहस्वामी का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

दुमकाः जिला के फसियाडंगाल स्थित एक घर में गृह स्वामी शशिकांत मुर्मू का शव संदिग्ध हालात में मिला. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर फूलोझानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया. इस मामले में परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है. जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या की प्राथमिक दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है.जानकारी के अनुसार मृतक का नाम शशिकांत मुर्मू है जो बुधवार को अपनी पत्नी व मां को जामा थाना के डाड़ो डुमरिया में लगे मेला घुमाने ले गया. शाम में दोनों को उसी गांव में मामा के घर छोड़ने के बाद शशिकांत वापस मेला गया और जमकर शराब पी. तबीयत बिगड़ने पर मंगलवार की रात भतीजा और उसका दोस्त शशिकांत को फसियाडंगाल लाया और सुलाने के बाद फिर दोनों मेला देखने चला गया.देर रात भतीजा वापस लौटा और अपने चाचा के पास सो गया। लेकिन सोने के दौरान भतीजा का हाथ चाचा के शरीर से टकराया तो शरीर ठंडा पड़ा हुआ था. भतीजा द्वारा इसकी सूचना शशिकांत की मां और पत्नी को दी गई.दोनों वापस घर लौटी और गुरुवार की सुबह इसकी सूचना पुलिस को दी.मां का कहना है कि घर के एक कमरे का सारा सामान बिखरा हुआ है.आशंका जताई कि लगता है कल रात को चोर आया और इसी बीच बेटे की आंख खुल गई.विरोध करने पर चोर द्वारा बेटे की बेरहमी से पिटाई की गई, जिससे उसकी मौत हो गयी. उसके सीने पर जख्म के निशान है.इस मामले में थाना प्रभारी नीतीश कुमार का कहना है कि घर वालें ने हत्या की बात कही है, इसलिए अज्ञात पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है. उन्होंने यह भी कहा कि मरने वाला बहुत ज्यादा शराब पीता था. पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा.

कुएं से मिले शव मामलें में आरोपी पति पत्नी पर नामजद प्राथमिकी दर्ज

दुमकाःहंसडीहा थाना क्षेत्र के परमा गांव स्थित कुएं से बीते मंगलवार को मिले युवक के शव मामले में गुरुवार को हंसडीहा पुलिस ने आरोपी पति-पत्नी के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज की है ।बताते चलें कि बीते मंगलवार को ग्रामीणों की सूचना पर परमा गांव स्थित कुएं से हंसडीहा पुलिस ने एक युवक का शव नग्न अवस्था में बरामद किया था। उक्त मामलें को लेकर मृतक गोपाल कुमार के पिता घटरू मांझी द्वारा गांव के ही दंपति रोहित सिंह व उसकी पत्नी मूर्ति देवी पर हत्या का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करने हेतु आवेदन दिया गया था। आवेदन में मृतक के पिता ने बताया था कि दो माह पूर्व उनका बेटा बाहर से कमा कर घर लौटा था। बीते रविवार को वो मेला देखने गया था जो देर शाम तक घर नही लौटा। इस क्रम में घरवालों द्वारा उसकी काफी खोजबीन की गई मगर उसका पता नहीं चला। मंगलवार को स्थानीय लोगों द्वारा जानकारी दी गई कि उसके पुत्र गोपाल कुमार का शव कुएं में पड़ा है। सूचना पाकर घरवाले कुएं के पास पहुँचे और घटना की सूचना हंसडीहा पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुँचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुमका भेज दिया। इधर पुलिस मृतक के पिता घुटरू मांझी के बयान व आवेदन पर जांच में जुट गई थी। मामले में गुरुवार को आरोपी दम्पति के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है।

प्रशासनिक सख्ती के बावजूद शिकारीपाड़ा वन क्षेत्र में नहीं थम रहा कोयला का अवैध उत्खनन

दुमकाःशिकारीपाड़ा वन क्षेत्र अंतर्गत कोयला का अवैध उत्खनन एवं परिवहन रुकने का नाम नहीं ले रहा। प्रशासनिक कार्रवाई के बावजूद कोयला माफिया कोयला का उत्खनन एवं परिवहन बंद नहीं कर रहे हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकारीपाड़ा वन क्षेत्र के बादल पाड़ा एवं कल्याणपुर वन क्षेत्र में कोयला माफिया सुरंग बनाकर कोयला का उत्खनन कर रहे हैं। बताते चलें कि 3 माह पूर्व जिला टास्क फोर्स की टीम द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी दुमका के नेतृत्व में वन विभाग एवं राजस्व विभाग के कर्मचारियों के साथ बादल पाड़ा एवं लुटिया पहाड़ में चल रही रैयती एवं वन भूमि की कोयला खदानों को डोजरिंग कर ध्वस्त कर दिया गया था। अब एक बार फिर कोयला माफियाओं ने स्थान बदलकर दोबारा कोयला का अवैध खनन शुरू कर दिया हैं। एक सप्ताह पूर्व वन विभाग की टीम ने कल्याणपुर में संचालित कोयला खदान से कुछ मशीनों को उठाकर वन परिसर शिकारी पाड़ा लाया था, उसके बावजूद कोयला खदानें बंद नहीं हुई। सूत्रों ने बताया कि वर्तमान समय में भी कोयला की अवैध खदानें धड़ल्ले से चल रही है।कल्याणपुर एवं लुटिया पहाड़ वन क्षेत्र में चल रही कोयले की अवैध खदानों के संबंध में शिकारीपाड़ा के अंचल अधिकारी कपिल देव ठाकुर कहते हैं कि वन क्षेत्र अंतर्गत जो भी गतिविधि होती है, उस पर निगरानी एवं कार्रवाई करना वन विभाग का दायित्व होता है।यदि रैयती एवं राजस्व भूमि पर किसी प्रकार का अवैध उत्खनन होता है तो राजस्व विभाग द्वारा कार्रवाई की जाती है।शिकारीपाड़ा के वनपाल तारिणी मंडल ने बताया कि एक सप्ताह पूर्व ही कल्याणपुर में चल रही कोयला खदान से कुछ सामग्रियों को जप्त कर वन परिसर लाया गया था तथा कोयला खदान संचालित करने वाले व्यक्तियों की विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जा रही है। कहा कि यदि वर्तमान समय में भी कोयला का अवैध खनन बंद नहीं हुआ है तो जिला प्रशासन से डोजरिंग करने का अनुरोध किया जाएगा।

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर आहूत झारखंड बंद का शिकारीपाड़ा में मिला-जुला असर

दुमकाःआदिवासी क्रांति सेना की ओर से जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा 2023 को रद्द करने की मांग को लेकर गुरुवार को आहूत झारखंड बंद का शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत मिला जुला असर देखा गया। बंद के आह्वान के बीच आम दिनों की तरह दुकान खुली रही।दुमका रामपुरहाट राष्ट्रीय उच्च पथ पर माल वाहक एवं बसों का परिचालन कम रहा। क्षेत्र में कहीं से भी किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं रही। अवकाश का दिन होने के कारण झारखंड सरकार के कार्यालय बंद रहे। बताते चलें कि विभिन्न छात्र संगठनों ने परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर गुरुवार को झारखंड बंद का आह्वान किया था जिसका व्यापक असर सदर प्रखंड दुमका में देखा गया जबकि अन्य प्रखंडों में कहीं मिला-जुला असर तो कहीं आंशिक असर तो कहीं व्यापक असर देखने को मिला।

भालसुमर दुर्गा मंदिर व मेले की सैरात बंदोबस्ती के लिए फिर से होगा आम सभा का आयोजन

दुमकाःदूर-दूर तक विख्यात रामगढ़ प्रखंड के भालसुमर दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले मेले तथा मंदिर की वार्षिक सैरात बंदोबस्ती के लिए 4 अक्टूबर शुक्रवार को एक बार फिर से प्रखंड कार्यालय सभागार में आम सभा का आयोजन किया जाएगा। बीडीओ सह सीओ द्वारा इससे संबंधित आदेश पत्र जारी कर दिया गया है। बताते चलें कि बंदोबस्ती के लिए बीते मंगलवार को प्रखंड कार्यालय सभागार में आम सभा का आयोजन किया गया था। नीलामी के लिए प्रशासन द्वारा सुरक्षित राशि के रूप में ढाई लाख रुपए तय किए गए थे। सुरक्षित राशि को अधिक बताते हुए भालसुमर के ग्रामीणों ने नीलामी की बोली लगाने से इनकार कर दिया था। साथ ही लिखित आवेदन देकर प्रशासन से नीलामी के लिए सुरक्षित राशि को कम करने की मांग की थी। इसके बाद उप विकास आयुक्त सह कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद दुमका द्वारा बंदोबस्ती के लिए 4 अक्टूबर को आम सभा आयोजित करने के निर्देश के साथ सुरक्षित राशि को डेढ़ लाख रुपए कर दिया गया है। प्रशासन ने भालसुमर के सोलह आना रैयतों के साथ-साथ स्थानीय जिला परिषद सदस्य सुलोचना देवी, प्रखंड प्रमुख बाबूलाल मुर्मू, उप प्रमुख श्रीकांत राउत, मुखिया तेरेसा मुर्मू, पंचायत समिति सदस्य कलावती देवी से भी मंदिर एवं मेले के बंदोबस्ती के लिए आयोजित होने वाली आम सभा में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है। प्रशासन द्वारा जारी पत्र के अनुसार अधिकतम बोली लगाने वाले व्यक्ति के नाम से मेले तथा मंदिर की बंदोबस्ती की जाएगी। अधिकतम बोली लगाने वाले व्यक्ति को बोली की पूरी राशि को 4 अक्टूबर को ही नजारत में जमा कराना होगा।

दुर्गा पूजा समिति खुटहरी की ओर से शारदीय नवरात्र को लेकर निकाली गई भव्य कलश शोभायात्रा

दुमकाःनोनीहाट के पुराना बाजार एवं नोनीगांव में शारदीय नवरात्रा को लेकर प्रथम दिन मां माता शैलपुत्री की पूजा की गई।वहीं दुमका जिला के जरमुंडी प्रखंड अंतर्गत ग्राम खुटहरी में दुर्गा पूजा समिति खुटहरी द्वारा शारदीय नवरात्र के पहले दिन गाजे-बाजे और जयकारे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा में 251 कुमारी कन्याएं एवं महिलाओं ने खुटहरी नदी से वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कलश में जल भर कर दुर्गा स्थान लाया । इस दौरान श्रद्धालु भक्ति धुनों पर भक्ति भाव से थिरकते देखें गए।इस दौरान पूरा वातावरण माता के जयकारों से गुंज उठा।मंदिर के पुजारी उपेंद्र दर्वे ने बताया कि खुटहरी दुर्गा मंदिर में वर्ष 2023 से कलश यात्रा का आयोजन किया जा रहा है ।वर्ष 2023 के पूर्व कलश यात्रा का आयोजन नहीं किया जाता था । दुर्गा नवरात्रि महोत्सव इस वर्ष चौदहवें सोपान में प्रवेश करेगा। बताते चलें कि विगत 40 वर्षों से ग्राम खुटहरी मे दुर्गा नवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। गाजे बाजे व भव्य कलश यात्रा के साथ गांव भ्रमण करते हुए जगत जननी मां जगदम्बे गांव के मंदिर प्रांगण में विराजमान हुईं। गांव के बुजुर्गों ने बताया कि 40 वर्ष पूर्व खुटहरी गांव की रहने वाली पचनी देवी पति परण दर्वे में माँ दुर्गा समायी हुई थी ।उसी दिन से ग्राम खुटहरी में मां दुर्गा का मंदिर स्थापित किया गया और प्रत्येक वर्ष मां दुर्गा की पूजा खूब धूमधाम से की जाती है ।इस मंदिर के प्रथम पंडा परशुराम दर्वे थे।उनकी मृत्यु के पश्चात उनके पुत्र उपेंद्र दर्बे इस मंदिर में विगत 20 वर्षों से पूजा अर्चना कराते आ रहे हैं । इस मंदिर में पूर्व से ही बलि प्रथा होती आ रही है। इस स्थान पर दसवीं के दिन भव्य मेला का भी आयोजन किया जाता है। इस मेले मे तकरीबन 20 गांवों के लोग विजयादशमी के दिन मेला देखने आते हैं एवं हजारो की संख्या में भीड़ जमा होती है।

06 महीनों में लोक निर्माण विभाग के 113.19 करोड़ रुपयों की 43 सड़क निर्माण कार्यों की मिली स्वीकृति

जिले के विकास को मिल रही नई उड़ान, तीव्र गति से हो रहा विकास कार्य

जशपुर,(ईएमएस)। जिले के विकास को नई उड़ान दिलाने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर नई विकास परियोजनाओं का आगाज हो रहा है। जिसके द्वारा जिले के विकास को गति मिल रही है। पिछले 06 माह में लोक निर्माण विभाग की 113.19 करोड़ रुपयों की 43 सड़क निर्माण परियोजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति मिल गयी है। जिले के सभी विकासखंडों में आधारभूत संरचना के विकास के लिए मुहिम चलाई जा रही है ताकि जिले के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं की पहुंच को बढ़ाया जा सके। इसके लिए आवश्यक है कि उन क्षेत्रों में आधारभूत संरचनाओं का विकास किया जाए। इसके लिए आवश्यकता वाले क्षेत्रों की पहचान कर उनके लिए तीव्र गति से तकनीकी विश्लेषण द्वारा डीपीआर निर्माण कर तकनीकी स्वीकृति एवं प्रशासकीय स्वीकृति के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। जिसका परिणाम है कि विगत 06 माह में 43 सड़क निर्माण कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के साथ निविदा प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी है। कलेक्टर द्वारा मुख्यमंत्री श्री साय की मंशानुरूप सभी सड़क निर्माण कार्यों की निविदा प्रक्रिया जल्द से जल्द पूर्ण कर आगामी 01 वर्ष में सभी को पूर्ण कराने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिया गया हैं। लोक निर्माण विभाग से मिली जानकारी के अनुसार के पत्थलगांव के अंतर्गत 73.30 करोड़ रुपयों के 25 सड़क मार्गों का निर्माण किया जाना है। जिसमें 10.94 करोड़ की लागत के एन.एच.43 से बिच्छीकानी ढुढरूपारा से जमरगी तक 8 किमी सड़क मार्ग, 7.98 करोड़ रूपए लागत के बगीया से सूजीबहार तक के 8.70 किमी सड़क मार्ग, 5.57 करोड़ रूपए लागत के लैलूंगा, कोतबा से लवाकेरा तक के 5.18 किमी सड़क मार्ग, 4.28 करोड़ लागत के 3.5 किमी के कांसाबेल मुसकुटी तक सड़क मार्ग, 4.03 करोड़ रूपए लागत के बाबूसाजबहार से गोलीडीह नदी तक सड़क मार्ग, 3 करोड़ रूपए लागत के 1.2 किमी के करजटोली से रजौटी तक सड़क मार्ग सहित 25 सड़क मार्गों का निर्माण कराया जाएगा।लोक निर्माण विभाग के जशपुर के कार्यपालन अभियंता विरेन्द्र कुमार चौधरी ने बताया कि जशपुर में 39.89 करोड़ रुपयों के 18 सड़क मार्गों का निर्माण किया जाना है। जिसके लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। जिसमें 3.39 करोड़ लागत के चांडीडांड हत्ता हल्काटोली तक के 2.36 किमी सड़क मार्ग, 4.75 करोड़ लागत के एस.एच 17 मुख्य मार्ग से ढोगाअम्बा जामचुआ तक 3.26 किमी सड़क मार्ग, 3.6 करोड़ रूपए लागत के बनकोम्बों से घटमुंडा तक के 3.4 किमी सड़क मार्ग, 2.57 करोड़ रूपए लागत के बालाछापर आरा सकरडेगा से छोटाबनई तक के 2.4 किमी सड़क मार्ग, 2.45 करोड़ रूपए लागत के एन.एच. 43 खड़सा से कोमड़ो तक के 1.94 किमी सड़क मार्ग, 2.38 करोड़ रूपए लागत के भुड़केला से लवानदी पुल तक के 2.10 किमी सड़क मार्ग, 2.33 करोड़ रूपए लागत के खरवाटोली से बांधाटोली तक के 2 किमी सड़क मार्ग, 2.25 करोड़ रूपए लागत के बालाछापर आरा सकरडेगा से कारीताला तक के 2 किमी सड़क मार्ग, 2.29 करोड़ रूपए लागत के बहराखैर से जुड़वाईन तक के 1.63 किमी सड़क मार्ग सहित 18 मार्गों का निर्माण कराया जाएगा।

चंपातरी गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मार-पीट,एक दर्जन से अधिक घायल

दुमकाःहंसडीहा थाना क्षेत्र के दुमका-भागलपुर स्टेट हाईवे पर चंपातरी गांव में गुरुवार को जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मार-पीट हुई।दर्जनो लोगों ने एक-दूसरे पर लाठी, डंडे, तीर-धनुष, गुलेल से प्रहार कर खूनी संघर्ष जैसी घटना को अंजाम देने का काम किया। घटना में महिला समेत दोनों पक्षों से करीब एक दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। प्रथम पक्ष के रामनाथ मंडल, पीतांबर मंडल, छोटू मंड,सोनालाल मण्डल, प्रकाश मंडल, विशु मंडल वही द्वितीय पक्ष के फागु राय, हीरालाल राय, झाबर राय तथा राबड़ी देवी गंभीर रूप से घायल हो गए । घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरैयाहाट भेजि दिया गया है। दोनों पक्ष से कुछ वैसे भी लोग हैं जिनके हाथ, पैर एवं सर पर चोट आई है। घटना की जानकारी पाते ही रामगढ़ पुलिस के गस्ती दल ने घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझा-बुझा कर मामला शांत कराया ।इस बाबत दोनों पक्षों ने हंसडीहा थाना में लिखित आवेदन दिया।घटना के पश्चात हंसडीहा पुलिस ने दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर तहकीकात शुरू कर दी है।

गौरव पेट्रोल पम्प को किया गया सील संपत्तिकर जमा नहीं करने पर

भिलाईनगर(ईएमएस)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के जोन क्रमांक 02 वैशाली नगर स्थित ओम शांति ओम चैंक के पास स्थित गौरव पेट्रोल पम्प को आयुक्त बजरंग दुबे के आदेश पर सील किया गया। सनद रहे कि गौरव पेट्रोल पम्प विगत 2011-12 से अब तक संपत्तिकर एवं अन्य कर की राशि निगम कोष में जमा नहीं कर रहा था। उसको संपत्तिकर जमा करने के लिए बार-बार नोटिस भी जारी किया गया था। किन्तु उनके द्वारा अब तक संपत्तिकर की राशि 1636934. निगम कोष में जमा नहीं किया गया।आयुक्त बजरंग दुबे के संज्ञान में जैसे ही आया, उन्होने नगर निगम अधिनियम की धारा 175 के तहत कुर्की वारंट जारी कर पेट्रोल पम्प को सील करने का आदेश दिया। आदेश के परिपालन में जोन राजस्व अधिकारी जे.पी.तिवारी अपने दल के साथ गौरव पेट्रोल पम्प पर उपस्थित हुए। उनको देखकर सब आना कानी करने लगे, फिर वही बातें आज नहीं कल करेगें। अभी छूट दे दिजीए, यह सब एक भी नही चला। आयुक्त के आदेश का परिपालन हुआ गौरव पेट्रोल पम्प पर नगर निगम का विधिवत ताला चपड़ा लगाकर नियमानुसार सीलिंग की कार्यवाही की गई। ज्ञात हो कि जो भी बकायादार संपत्तिकर की राशि जमा नहीं कर रहे हैं उनको निगम द्वारा नोटिस जारी किया जा चुका है। सभी पर कार्यवाही की जावेगी। समय अवधि के अंतर्गत संपत्तिकर की राशि जमा करना अनिवार्य है।कार्यवाही के दौरान अरूण सिंह, दिनेश बेलचंदन, कन्हैया यादव, मंगल जांगड़े, राजेन्द्र सिंह, विष्णु सोनी, गौरकरण कुर्रे, खेमराज आदि सीलिंग की कार्यवाही में उपस्थित रहे।

बुरहानपुर में जल प्रदाय परियोजना का कार्य लगभग पूरा

बुरहानपुर/इन्दौर (ईएमएस)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा विश्व बैंक के सहयोग से इन्दौर संभाग के बुरहानपुर में जलावर्द्धन परियोजना का कार्य किया जा रहा है जो कि पूर्णता की ओर है। नगरवासियों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए ताप्ती नदी पर इंटेक-वैल लगाया गया है। वहीं जल को शुद्ध करने के लिए 50 एमएलडी क्षमता का जल शोधन संयंत्र भी स्थापित किया गया है। शोधित जल उपलब्ध होने से जल-जनित बीमारियों का जोखिम भी कम रहेगा।जल के संग्रहण के लिए 8 ओवर हैड टेंक बनाए गए है साथ ही मौजूदा 4 ओवर टैंक का इस्तेमाल भी जल संग्रहण के लिए किया जायेगा। हर घर जल पहुँचाने के लिए 296 किलोमीटर की वितरण पाइप लाइन बिछाई बिछा दी गई है। नल कनेक्शन देने का कार्य भी प्रारंभ हो गया है। अब तक कुल 35 हजार से अधिक नल कनेक्शन दे दिए गए है। बुरहानपुर जलावर्धन योजना अंतर्गत जोन क्रमांक 5 शिवाजी नगर, जोन क्रमांक 6 मरीचिका गार्डन एवं जोन 10 इंदिरा कॉलोनी में जलावर्धन योजना द्वारा न्यू वॉटर सप्लाई सिस्टम से नई पाइपलाइन में प्रतिदिन पानी सप्लाई किया जा रहा है और नगर निगम द्वारा पुरानी जल प्रदाय व्यवस्था को पूरी तरीके से बंद कर दिया गया है। वहीं जोन क्रमांक 1 सुभाष स्कूल, जोन क्रमांक 2 किला व जोन क्रमांक 3 में भी जलावर्धन योजना अंतर्गत प्रतिदिन पानी सप्लाई किया जा रहा है एवं ओल्ड सिस्टम को बंद करने की प्रक्रिया भी जारी है।

ख्यमंत्री साय आज दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले के दौरे पर रहेंगे

रायपुर,(ईएमएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 04 अक्टूबर को प्रदेश के नक्सल हिंसा प्रभावित दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले के दौरे पर रहेंगे। वे इन जिलों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय सवेरे 10.05 बजे पुलिस ग्राउण्ड हेलीपेड रायपुर से हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर 11.25 बजे जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे दंतेश्वरी मंदिर में मंदिर दर्शन एवं पूजा-अर्चना करने के बाद विभिन्न विकास कार्यो का लोकार्पण-भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री अपरान्ह 01.50 बजे दंतेवाड़ा से हेलीकॉप्टर से रवाना होकर 2.10 बजे जिला मुख्यालय बीजापुर पहुंचेंगे, यहां वे 2.15 बजे सेंट्रल लायब्रेरी बीजापुर में युवा संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे।

समीर खान छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन के सहसचिव पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुये

दुर्ग (ईएमएस)। छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन की विशेष सामान्य सभा की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2024 को प्रातः 11:00 बजे से सर्किट हाउस, सिविल लाईन, रायपुर (छ.ग.) में आयोजित की गई। उक्त बैठक में छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन के चुनाव अधिकारी अशोक कुमार अग्रवाल, आईएएस, पूर्व आयुक्त, छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग, भारतीय ओलम्पिक एसोसिएशन के पर्यवेक्षक दिग्विजय सिंह, महासचिव, मध्यप्रदेश ओलम्पिक संघ एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग से पर्यवेक्षक प्रवेश जोशी, जिला खेल अधिकारी, रायपुर की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन का वर्ष 2024-2028 (4 वर्षों के लिये) कार्यकारिणी समिति का निर्विरोध चुनाव की घोषणा की गई। चुनाव अधिकारी अशोक कुमार अग्रवाल जी द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर, विक्रम सिंह सिसोदिया (सचिव, माननीय विधानसभा अध्यक्ष, छत्तीसगढ़) को महासचिव पद पर तथा संजय मिश्रा (महासचिव, भारतीय बैडमिंटन महासंघ) को कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित करते हुये प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। छत्तसीगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन के 43 पदों में से 32 पदों पर निर्विरोध निर्वाचन किया गया जिसमें मुख्य रुप से रायपुर जिला के माननीय लोकसभा सदस्य बृजमोहन अग्रवाल जी को उपाध्यक्ष पद, दुर्ग जिला के माननीय लोकसभा अध्यक्ष विजय बघेल जी को उपाध्यक्ष पद, छत्तीसगढ़ शासन के माननीय केबिनेट मंत्री केदार कश्यप जी को उपाध्यक्ष पद, सहसचिव पद पर सही राम जाखड़ (सचिव, छत्तीसगढ़ तैराकी संघ), मोहम्मद अकरम खान (सचिव, छत्तीसगढ़ राज्य वॉलीबाल संघ), आर. राजेन्द्रन (अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रदेश बॉक्सिंग संघ) एवं समीर खान (महासचिव, छत्तीसगढ़ हैंडबाल संघ) को छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के सहसचिव पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित करते हुये माननीय मुख्यमंत्री एवं छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन के अध्यक्ष विष्णु देव साय जी के करकमलों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।
ज्ञात रहे कि समीर खान वर्तमान में छत्तीसगढ़ हैंडबाल संघ के महासचिव तथा हैंडबाल एसोसिएशन इंडिया में सहसचिव पद का कार्यभार संभाल रहे है.समीर खान को छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन के सहसचिव पद परनिर्विरोध निर्वाचित होने पर हैंडबाल संघ के चेयरमेन विनोद चंद्राकर, अध्यक्ष धर्मेन्द्र यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिमन्यु मिश्रा, इमरान अली (उपाध्यक्ष), विरेन्द्र सिंह भाटिया (उपाध्यक्ष), डी.एस. क्रिस्टोफर (उपाध्यक्ष), आशीष यादव (उपाध्यक्ष), जितेन्द्र तिवारी (सहसचिव), एस.के.डी. मिश्रा (सहसचिव), हरिशचन्द वर्मा (सहसचिव), विजय बहादुर (कोषाध्यक्ष), भारतीय फेंसिंग महासंघ के कोषाध्यक्ष बशीर अहमद खान, बी.एस.पी. हैंडबाल क्लब के सचिव अब्दुल रहीम, छत्तीसगढ़ तैराकी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष गोपाल खंडेलवाल, सचिव सहीराम जाखड़, छत्तीसगढ़ बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष आर. राजेन्द्रन, छत्तीसगढ़ रोविंग संघ के महासचिव डॉ. आर.के. श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ जूडो संघ के अध्यक्ष अरुणकुमार द्विवेदी, सचिव एस.आर. सोनी, सहित हैंडबाल संघ के समस्त पदाधिकारियों/सदस्यों एवं विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों ने अपना आशीर्वाद देते हुये अपनी हार्दिक शुभकामनाये प्रदान की।

पीएम आवास ने दुरपति के सपने को किया साकार मिला पक्का आवास

रायगढ़,(ईएमएस)। श्रीमती दुरपति राठिया कच्चे मकान में रहकर रोजी-मजदूरी कर अपना जीवन-यापन करती थी। पक्का आवास बनाने के लिए वह पाई-पाई जोड़कर रकम जमा की थी। लेकिन उन्हे पक्के आवास के लिए जोड़े पैसे बेटे की शादी में खर्च करना पड़ा। विधवा महिला के लिए अब पक्का आवास बनाना मानो असंभव सा लगने लगा। तभी पीएम आवास योजना ने उनके पक्के घर के इरादे को बल दिया और आज दुरपति का कच्चा मकान पक्के मकान में तब्दील हो गया है।तमनार विकासखण्ड के ग्राम पंचायत महलोई जो कि जनपद मुख्यालय से 07 कि.मी. एवं जिला से लगभग 30 कि.मी. दूरी पर स्थित है। हितग्राही दूरपति राठिया विधवा एकल महिला है, जो कि मजदूरी कर अपना जीवन-यापन करती है। इन्हीं कमाएं हुए पैसों से अपने लड़के का भी विवाह भी किया। जिससे पक्का आवास बनाना उनके लिए अब लगभग असंभव था। कच्चा मकान होने के कारण आशियाने की चिंता बनी रहती है। कच्चे मिट्टी के मकान जिसमें बरसात में पानी टपकता रहता था, विषैले जीव-जंतुओं का भी खतरा बना रहता था। वहीं बरसात के दिनों में घर में पानी घुसने के साथ ही गंदगी फैलने से रहने में काफी असुविधा होती थी।कच्चा मकान बनाकर अपना जीवन यापन करने वाली दुरपति राठिया का भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास स्वीकृत होने से उनके चेहरे पर खुशी स्पष्ट दिखने लगी। जब उन्हें शासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत पक्का आवास निर्माण हेतु सहायता राशि प्राप्त होना बताया गया तो वह खुशी से फुले नहीं समाये। इस प्रकार दूरपति राठिया अपने पुराने कच्चे मिट्टी के घर को छोड़कर पक्के प्रधानमंत्री आवास में निवासरत है। पक्का मकान मिलने से अब वह बहुत खुश हैं। उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए शासन-प्रशासन को अपना धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री आवास योजना भारत सरकार द्वारा शहरी गरीबों एवं निम्न आय वर्ग के लोगों को किफायती आवास उपलब्ध कराने की पहल है।

गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग का आईपीओ आठ को खुलेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड ने 264 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 92-95 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने गुरुवार को घोषणा की कि उसका आईपीओ आठ अक्टूबर को खुलेगा और 10 अक्टूबर को बंद होगा। आईपीओ दस्तावेज के अनुसार, निर्गम 1.83 करोड़ के ताजा शेयर और प्रवर्तक पीकेएच वेंचर्स द्वारा 95 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इससे उच्च दायरे के तहत आईपीओ की कीमत 264 करोड़ रुपये बैठती है। कंपनी इस नए निर्गम से हासिल 100 करोड़ रुपये तक की राशि का इस्तेमाल कार्यशील पूंजीगत आवश्यकताओं के लिए करेगी। शेष राशि का इस्तेताल विलय व अधिग्रहण सहित सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

बायोकॉन ने 1.1 अरब डॉलर के दीर्घकालिक ऋण का किया पुनर्वित्तपोषण

नई दिल्ली (ईएमएस)। बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने डॉलर बॉण्ड और नई सामूहिक सुविधा के जरिये 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर (9,347 करोड़ रुपये) के दीर्घकालिक ऋण का पुनर्वित्तपोषण किया है।बायोकॉन की इकाई बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने बयान में कहा कि बॉण्ड बायोकॉन बायोलॉजिक्स ग्लोबल पीएलसी द्वारा जारी किए जाएंगे, जो कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। इसे एक मजबूत सुरक्षा पैकेज द्वारा समर्थित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह लेनदेन नौ अक्टूबर 2024 को पारंपरिक समापन शर्तों के अधीन निपटाए जाने की उम्मीद है। बायोलॉजिक्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह रणनीतिक पुनर्वित्तपोषण वित्तीय जुझारूपन को बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बायोकॉन बायोलॉजिक्स की दीर्घकालिक वृद्धि को बढ़ावा देता है और हमारे व्यवसाय के समेकन चरण का मूल है। उन्होंने कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि इस लेनदेन से पूंजी संरचना मजबूत होगी और उसे व्यवसाय में निवेश को पुनः स्थापित करने में मदद मिलेगी। इसमें बायोसिमिलर की हमारी पाइपलाइन को आगे बढ़ाना भी शामिल है।

अमेरिका-भारत सीईओ फोरम ने द्विपक्षीय व्यापार, वाणिज्य बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका-भारत सीईओ मंच ने द्विपक्षीय व्यापार तथा वाणिज्य का विस्तार करने, समावेशी आर्थिक वृद्धि और नवाचार को बढ़ाने के साथ मजबूत साझेदारी को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के इस मंच की सह-अध्यक्षता अमेरिकी वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने की।मंच का छठा संस्करण बुधवार को अमेरिकी राजधानी में आयोजित किया गया।यह एक ऐसा मंच है जो द्विपक्षीय वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने तथा दोनों देशों के बीच व्यापार व निवेश का विस्तार करने के उद्देश्य से संयुक्त सिफारिशें करने के लिए अमेरिका और भारत के व्यापार जगत के लोगों को एक साथ लाता है।लॉकहीड मार्टिन के सीईओ एवं अध्यक्ष जेम्स टेसलेट और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन 2023-2024 के लिए निजी क्षेत्र के सह-अध्यक्ष हैं। बैठक के दौरान, रायमोंडो और गोयल ने पिछले दो वर्षों में मंच के सदस्यों द्वारा की गई सिफारिशों और उनकी पहलों की सराहना भी की। गोयल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि भारत-अमेरिका सीईओ मंच में दोपहर के भोजन पर अमेरिकी वाणिज्य मंत्री रायमोंडो के साथ एक सार्थक बैठक हुई। हमारी चर्चा रक्षा, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार, एआई (कृत्रिम मेधा) और स्वच्छ ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान व विकास सहयोग की संभावनाओं पर केंद्रित रही।

दवाइयों, इंश्योरेंस और ट्रैक्टरों पर जीएसटी दर कम कर सकती है सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के लिए बनी मंत्री स्तरीय समिति आम आदमी को बड़ी राहत दे सकती है। समिति कई दवाइयों, इंश्योरेंस और ट्रैक्टरों पर जीएसटी दर को कम करके 5 फीसदी तक कम करने पर विचार कर रही है। वर्तमान में ट्रैक्टरों पर 12 फीसदी या 28 फीसदी जीएसटी लगता है, जो उनके वर्गीकरण पर निर्भर करता है। ट्रैक्टरों से होने वाले कम राजस्व की भरपाई महंगे इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीएसटी दर बढ़ाकर की जा सकती है। हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस पर जीएसटी दर में कटौती होने की भी संभावना है। स्वास्थ्य बीमा पर 18 फीसदी से घटाकर 12 फीसदी तक जीएसटी किया जा सकता है, जबकि टर्म इंश्योरेंस पर 5 फीसदी जीएसटी लगने की उम्मीद है। हालांकि, टर्म इंश्योरेंस पर जीएसटी शून्य करने की मांग कई दिनों से उठ रही है, लेकिन इससे बीमा कंपनियों को इनपुट टैक्स क्रेडिट का नुकसान हो सकता है. ऐसे में टर्म इंश्योरेंस पर 5 फीसदी जीएसटी का प्रस्ताव सबसे उपयुक्त माना जा रहा है। एक खबर के अनुसार मंत्री स्तरीय समिति जीएसटी की चार दरों को तीन में बदलने के पक्ष में नहीं है, लेकिन 12 फीसदी की दर वाली वस्तुओं की संख्या घटाने पर विचार हो रहा है। कुछ वस्तुओं को 5 फीसदी के स्लैब में डाला जा सकता है, जबकि कुछ अन्य वस्तुएं 18 फीसदी के स्लैब में स्थानांतरित की जा सकती हैं। समिति इस महीने के अंत तक अपनी सिफारिशें स्पष्ट करेगी। 19 अक्टूबर को बीमा पर चर्चा के लिए बैठक होगी और 20 अक्टूबर को दर युक्तिकरण पर वस्तु-विशेष पर चर्चा की जाएगी।

दिल्ली में कार खरीदना और सस्ता हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। अरविंद केजरीवाल के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री बनीं आतिशी सिंह ने दिल्ली वासियों को एक बड़ी सौगात दी है। दिल्ली सरकार अपने पुराने वाहनों को कबाड़ घोषित करने का विकल्प चुनने वाले वाहन मालिकों को नए वाहनों की खरीद पर 10-20 प्रतिशत की टैक्स छूट देगी। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री आतिशी ने पुराने वाहनों को कबाड़ में बदलने की पहल को बढ़ावा देने के लिए एक प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है, इस नीति को जल्द ही अधिसूचित किया जाएगा। दिल्ली सरकार ने कहा कि सरकार अपने पुराने वाहनों को कबाड़ में बदलने का विकल्प चुनने वालों को तीन साल के भीतर नए वाहन खरीदने पर मोटर-वाहन कर में छूट के माध्यम से प्रोत्साहन देगी। बयान के मुताबिक इस प्रोत्साहन नीति के तहत नॉन-कमर्शियल सीएनजी और पेट्रोल वाहनों की खरीद पर 20 प्रतिशत, कमर्शियल सीएनजी और पेट्रोल वाहनों की खरीद पर 15 प्रतिशत और डीजल वाहनों पर 10 प्रतिशत की कर छूट मिलेगी।

पश्चिम एशिया में ईरान और इजराइल के बीच बढ़ रहे तनाव से दुनियाभर के बाजार में दिखी चिंता

सेंसेक्स 1,769 अंक गिरकर 82,497 पर बंद, निफ्टी भी 546 अंक फिसला

निवेशकों को लगा 10.7 लाख करोड़ का चूना

मुंबई(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में ईरान और इजराइल के बीच बढ़ रहा तनाव दुनियाभर के बाजार के लिए चिंता का कारण है। इन्ही चिंताओं को देखते हुए निवेशक बाजार में नई खरीदारी से बच रहे हैं। भारत के घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को तेज बिकवाली दिखी। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी लगभग दो फीसदी से ज्यादा टूट गए। बाजार में यह गिरावट पश्चिम एशिया में तनाव के बाद निवेशकों की ओर से सर्तकता बरतने के कारण आया। घरेलू शेयर बाजार को गुरुवार का दिन रास नहीं आया। वायदा कारोबार की एक्सपायरी के दिन सेंसेक्स और निफ्टी दो-दो फीसदी तक फिसल गए। साल की चौथी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स 1,769 अंक (2.10 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 82,497 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 546 अंक (2.12 प्रतिशत) की गिरावट रही, ये 25,250 के स्तर पर बंद हुआ। इस कारण निवेशकों को 10.7 लाख करोड़ रुपए का लगा चूना लगा।

गुरूवार को ऑटो, एनर्जी, फाइनेंस और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा गिरावट रही। बीपीसीएल, श्रीराम फाइनेंस और एलएंडटी के शेयर्स में 4 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली। ये निफ्टी के टॉप लूजर रहे। वहीं जेएसडब्ल्यू स्टील का शेयर 1.33 प्रतिशत की तेजी के साथ निफ्टी टॉप गेनर रहा।

कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका

बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 5.63 लाख करोड़ रुपये घटकर 469.23 लाख करोड़ रुपये रह गया। इस सप्ताह की शुरुआत में ईरान की ओर से इस्राइल पर बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढने की आशंका बढ़ गई है। अगर यह संघर्ष तेज हुआ तो इस क्षेत्र से तेल की आपूर्ति बाधित हो सकती है। गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी दिखी। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी भारत जैसे कमोडिटी के आयातक देशों के लिए नकारात्मक है, क्योंकि देश के आयात बिल में कच्चे तेल का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

बीएसई सेंसेक्स के 30 शेयरों का हाल

सेंसेक्स के शेयरों की बात करें तो रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम, एलएंडटी और भारती एयरटेल के शेयर इंडेक्स के फिसलने के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार रहे। वहीं, जेएसडब्ल्यू स्टील और टाटा स्टील ही ऐसे शेयर थे जो बढ़त के साथ खुले। मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष को लेकर चिंताओं के कारण निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स में शुरुआती कारोबार में 1.2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। इंडेक्स में

हिंदुस्तान पेट्रोलियम, आईओसी और जीएसपीएल सबसे अधिक पिछड़े रहे। इस बीच, इंडिया वीआईएक्स 8.9 प्रतिशत उछलकर 13.06 पर पहुंच गया।

घरेलू शेयर बाजार में गिरावट के प्रमुख कारण

ईरान और इजराइल के बीच युद्ध की आशंका के कारण ग्लोबल मार्केट में निगेटिव सेंटिमेंट है। इसी का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है। भारतीय शेयर बाजार के मौजूदा वैल्यूएशन बढ़े हुए हैं। खासकर मिड और स्मॉल-कैप सेगमेंट में। बाजार में इस कारण अच्छा-खासा करेक्शन दिख सकता है। अमेरिका में मंदी की आशंका बढ़ गई है, जिसके कारण पिछले कारोबारी दिन अमेरिकी बाजार में गिरावट रही। इसका असर दुनियाभर के बाजारों में दिख रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव का असर कच्चे तेल की कीमतों पर पडऩे लगा है। ब्रेंट क्रूड 75 डॉलर प्रति डॉलर के भाव को पार कर गया है। बेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएड क्रूड भी 72 डॉलर पर पहुंच गया। दोनों ही सूचकांक में पिछले तीन दिनों में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरवट आई। इसका बाजार पर नकारात्मक असर पड़ा, क्योंकि भारत एक तेल आयातक देश है और आयात बिल में कच्चे तेल का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

वायदा कारोबार के नियमों का सख्त होना

सेबी ने हाल ही में अपनी बोर्ड की बैठक में वायदा करोबार के नियमों में बदलाव की मंजूरी दी है। बाजार नियामक सेबी की ओर से वायदा व विकल्प (एफएंडओ) सेगमेंट में नियमों को सख्त करने के हाल के फैसले ने भी आज इक्विटी बाजारों में गिरावट में योगदान दिया। विश्लेषकों के अनुसार ये नए उपाय, जिनमें साप्ताहिक समाप्ति को हर एक्सचेंज पर एक दिन करना और अनुबंध आकार बढ़ाना शामिल है, रिटेलर्स को निराश कर सकते हैं। इससे ट्रेडिंग में कमी आ सकती है। व्यापार की गतिशीलता के बारे में इस अनिश्चितता ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। जिससे व्यापक भू-राजनीतिक तनावों के बीच बाजार में गिरावट का दबाव बढ़ गया।

चीन का असर

चीन के शेयर बाजार में मजबूती से भी भारतीय निवेशक चिंता में हैं। हाल के वर्षों में चीन के शेयर बाजार ने खराब प्रदर्शन किया है। पिछले सप्ताह चीनी सरकार द्वारा आर्थिक प्रोत्साहन उपायों की घोषणा के बाद, विश्लेषकों ने चीनी शेयरों में निरंतर वृद्धि की भविष्यवाणी की है। जिससे भारत से पूंजी के बाहर भेजे जाने को बढ़ावा मिल रहा है। एसएमई कंपोजिट इंडेक्स मंगलवार को 8 प्रतिशत बढ़ा और पिछले सप्ताह में 15 प्रतिशत से अधिक बढ़ा। नतीजतन, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले दो कारोबारी सत्रों में भारतीय इक्विटी से 15,370 करोड़ रुपये निकाले।

रुपया डॉलर के मुकाबले 11 पैसे कमजोर हुआ

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव की चिंताओं के बीच घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक धारणा बनी, इससे रुपये में भी गिरावट आई। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे टूटकर 83.93 पर आ गया। मुद्रा व्यापारियों के अनुसार पूंजी बाजारों से विदेशी निवेश के लगातार बाहर जाने और अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने से भारतीय मुद्रा पर दबाव पड़ा।

सितंबर में 47 कंपनियों ने आईपीओ से जुटाए 16152 करोड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। निवेशकों के जबरदस्त उत्साह के चलते सितंबर में आईपीओ से 47 कंपनियों ने 16,152 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसमें से 13 मुख्य प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध हुई हैं। एक्सचेंजों के आंकड़ों के मुताबिक, 13 प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम यानी आईपीओ में बजाज हाउसिंग ने सर्वाधिक 6,560 करोड़ व प्रीमियर एनर्जीज ने 2,830 करोड़ जुटाए। 34 कंपनियां छोटी एवं मझोली यानी एसएमई थीं। 47 कंपनियों में से 61 फीसदी के शेयर इश्यू भाव से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। ट्रैवल्स एंड रेंटल्स का एसएमई आईपीओ 283 फीसदी लाभ के साथ सबसे आगे है। प्रीमियर एनर्जीज 146 फीसदी के साथ दूसरे स्थान पर है।आईपीओ में खुदरा निवेशकों की उत्साही भागीदारी ने एसएमई में सदस्यता स्तर को आश्चर्यजनक ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। इस साल के आठ महीनों में आईपीओ बाजार तीन गुना बढ़ा है।

जुलाई-सितंबर में शीर्ष आठ शहरों में आवासीय बिक्री बढी

नई दिल्ली। भारत में मजबूत आवासीय मांग से आठ प्रमुख शहरों में जुलाई-सितंबर में मकानों की बिक्री सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 87,108 इकाई हो गयी। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई। रियल एस्टेट के एक सलाहकार ने गुरुवार को एक वेबिनार के जरिये 2024 कैलेंडर वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए अपनी रिपोर्ट इंडिया रियल एस्टेट जारी की। इसमें एनारॉक और प्रॉपइक्विटी द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के विपरीत आवासीय बिक्री में मामूली वृद्धि की बात कही गई। एनारॉक और प्रॉपइक्विटी की रिपोर्ट में देश के प्रमुख शहरों में जुलाई-सितंबर में कुल बिक्री में गिरावट की बात सामने आई थी।

जंग की आहट से सहमा बाजार , सेंसेक्स में 1,769 अंकों की रिकार्ड गिरावट

निफ्टी 546 अंक गिरा

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से बाजार में ये गिरावट आई है। आज कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक के शेयर नीचे आये। लगातार विदेशी कोषों की निकासी और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भी निवेशकों ने बाजार से दूसरी बनायी है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1769.19 अंक करीब 2.10 फीसदी नीचे आकर 82,497.10 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 546.80 अंक तकरीबन 2.12 फीसदी नीचे आकर 25,250.10 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 29 शेयर गिरे हैं। इनमें लार्सन एंड टुब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, मारुति, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, अदाणी पोर्ट्स और एचडीएफसी बैंक के शेयर शामिल रहे। केवल एक शेयर जेएसडब्ल्यू स्टील है ही ऊपर आया।

बाजार जानकारों के अनुसार ईरान और इजराइल के बीच युद्ध की आशंका के कारण दुनिया भर के बाजारों में घबराहट का माहौल है। इसी का प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। वहीं अमेरिका में मंदी की आशंका बढ़ गई है, जिसके कारण पिछले कारोबारी दिन अमेरिकी बाजार में गिरावट रही। इसका असर दुनियाभर के बाजारों में दिख रहा है। वहीं एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 2.24 फीसदी की तेजी रही है जबकि हांगकांग के इंडेक्स में 2.43 फीसदी और कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में 1.22 फीसदी की गिरावट है।

अमेरिका का डाओ जोंस 0.09 फीसदी ऊपर आकर 42,196 पर और नैस्डैक 0.08 फीसदी उछलकर 17,925 पर बंद हुआ। एसएंडपीए 500 भी 0.01 फीसदी बढ़कर 5,709 पर बंद हुआ। विदेशी निवेशकों ने 5,579 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 भी 0.25 फीसद ऊपर कारोबार करता दिखा। वहीं मंगलवार को बाजार हल्की गिरावट से बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बड़ी गिरावट देखने को मिली। सेबी के नए नियमों और मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष का सीधा असर निवेशकों पर पड़ा है, जिससे भारी बिकवाली का माहौल बना। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 1,264 अंक गिरकर 83,002.09 पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 266 अंक की गिरावट के साथ 25,530 पर खुला। शुरुआती कारोबार में निफ्टी के 50 में से 44 शेयर लाल निशान पर, जबकि सिर्फ 6 शेयर हरे निशान में थे। इसी तरह सेंसेक्स के 30 शेयरों में से केवल 3 शेयर हरे निशान पर और 27 शेयर लाल निशान पर कारोबार कर रहे थे।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया गिरावट के साथ 83.98 पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव की चिंताओं के बीच घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक धारणा के कारण रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे की गिरावट के साथ ही 83.93 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि पूंजी बाजारों से विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के साथ ही अमेरिकी मुद्रा के मजबूत रुख से भी भारतीय रुपये पर दबाव आया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 83.91 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.82 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी बढ़त के साथ 101.53 पर रहा। वहीं अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.11 फीसदी की बढ़त के साथ 74.72 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

वाहन निर्माताओं को अक्टूबर पर भरोसा 40 फीसदी तक बिक्री की उम्मीद

मुंबई (ईएमएस)। वाहन निर्माताओं को अक्टूबर महीने पर भरोसा है। इसमें नवरात्रि, दशहरा और दिवाली शामिल हैं। उनका कहना है कि वार्षिक बिक्री की 30 से 40 फीसदी बिक्री इन्हीं दिनों पर होती है। कार निर्माता मौसमी मांग में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। होंडा मोटर, ह्यूंडई, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसे वाहन निर्माता सुस्त बिक्री को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक कदम उठा रहे हैं। मांग को बढ़ाने के लिए वाहन निर्माताओं के पास तीन मुख्य रणनीति हैं। इनमें नए मॉडल लॉन्च करना, पर्याप्त छूट देना और कीमतों में कटौती लागू करना। कई कंपनियां ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए पहले ही छूट दे चुकी हैं। टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने चुनिंदा मॉडलों पर ऑफर बढ़ा दिए हैं। मारुति सुजुकी ने पहले ही कई मॉडलों की कीमतों में कटौती की। ऑल्टो के10 और एस-प्रेसो पर 40,000 तक की छूट, वैगनआर पर 30,000 तक का ऑफर, नेक्सा शोरूम में जिम्नी पर 2.5 लाख की छूट, पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर 15,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस है। वहीं ह्यूंडई की ग्रैंड आई10 निओस पर 35,000 रुपये तक छूट, ऑरा सेडान पर 30,000 रुपये तक छूट, वेन्यू एसयूवी पर 45,000 तक फायदा है। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अगस्त में स्कॉर्पियो क्लासिक एसयूवी पर छूट को बढ़ाकर 1,00,000 रुपये किया गया है। थार पर छूट बढ़कर 1,50,000 रुपये हो गई है। वहीं होंडा की अमेज सेडान पर फायदा बढ़कर 1,12,000 रुपये, सिटी सेडान पर 1,14,000 रुपये की छूट मिल रही है। टाटा मोटर्स की छूट इस महीने के अंत तक है।

टाटा इलेक्ट्रानिक्स प्लांट में लगी आग का आईफोन बनने पर असर नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में त्योहारी सीजन शुरू होने के ठीक पहले टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के संयंत्र होसूर में शनिवार को लगी आग का आईफोन के विनिर्माण पर असर पड़ने की संभावना नहीं है। भारत में आईफोन16 सीरीज भी 20 सितंबर से देश में मिलने लगा है। ऐपल भारत में आईफोन का उत्पादन बढ़ाना चाहता है और उसकी इस योजना में होसूर संयंत्र अहम भूमिका निभाने जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार तमिलनाडु के श्रीपेरम्बुदूर में फॉक्सकॉन के असेंबली संयंत्रों में आईफोन के कलपुर्जों (एन्कलोजर) की कमी नहीं है। बेंगलूरु के नजदीक विस्ट्रॉन और चेन्नई के निकट पेगाट्रॉन के संयंत्रों में भी ऐसे एन्क्लोजर की कोई कमी नहीं है। लिहाजा, आईफोन तैयार करने में रुकावट का कोई

जोखिम नहीं है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ऐपल वेंडरों को कुल इन्क्लोजर का एक हिस्सा ही भेजती है और बाकी का अब भी आयात किया जाता है। ऐपल ने आवश्यकता महसूस होने पर अपने दूसरे आपूर्तिकर्ताओं से एन्क्लोजर मंगाने की आपात योजना तैयार कर रखी है। टाटा चीन को भी आईफोन बनाने में इस्तेमाल एन्क्लोजर की आपूर्ति करती है मगर इसका हिस्सा काफी कम है। एक सूत्र ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा कि आईफोन तैयार करने वाले संयंत्रों में एन्क्लोजर की भरपूर संख्या है। इसे देखते हुए हुए आईफोन6 समेत किसी भी आईफोन के तैयार होने में कोई अड़चन नहीं है। हम विशेष परिस्थितियों के लिए भी एन्क्लोजर आयात करते हैं। इस मामले में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और ऐपल को भेजे गए ई-मेल का कोई जवाब नहीं आया। सूत्रों ने कहा कि टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और ऐपल अब भी आग लगने के कारणों की पड़ताल कर रहे हैं। एन्क्लोजर बनाने वाले संयंत्र अक्सर रसायन और प्लास्टिक का भंडार रखते हैं, जो आग लगने का कारण हो सकते हैं। उत्पादन संयंत्र ऐसे जोखिमों से काफी सुरक्षित होते हैं।

एक ही दिन में 15 कंपनियों ने सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली (ईएमएस)। वैश्विक उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत के प्राथमिक बाजार में आईपीओ की लहर जारी है। बड़ी संख्या में कंपनियों के लिस्ट होने के साथ-साथ अभी भी कई कंपनियां कतार में हैं। इसी कड़ी में सितंबर के आखिरी दिन 15 कंपनियों ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड के पास आईपीओ लाने के लिए ड्राफ्ट पेपर जमा किए, जिनमें विक्रम सोलर, आदित्य इंफोटेक और वरिंडेरा कंस्ट्रक्शंस जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों ने कुल मिलाकर 8,000 करोड़ रुपये से अधिक के आईपीओ की योजना बनाई है। बीते महीने में 41 कंपनियों ने आईपीओ के लिए ड्राफ्ट पेपर जमा किए, जो किसी एक महीने में सेबी के पास जमा होने वाला सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसमें अलग-अलग सेक्टर की कंपनियां शामिल हैं, जो

नए शेयरों के साथ-साथ ऑफर फॉर सेल इश्यू भी पेश कर रही हैं। वैश्विक उतार-चढ़ाव के बीच भारत के आईपीओ बाजार में तेजी जारी है। सोमवार को विक्रम सोलर, आदित्य इन्फोटेक, वरिंदरा कंस्ट्रक्शन सहित अजाक्स इंजीनियरिंग, राही इंफ्राटेक, विक्रम इंजीनियरिंग, मिडवेस्ट, विनी कॉरपोरेशन, संभव स्टील ट्यूब्स, जारो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड रिसर्च, ऑल टाइम प्लास्टिक्स, स्कोडा ट्यूब्स और डेव एक्सेलेरेटर ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपने आईपीओ का ड्राफ्ट दाखिल किया। ये कंपनियां विस्तार की योजना, कर्ज चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों और मौजूदा शेयरहोल्डर्स के शेयर बेचने के लिए आईपीओ ला रही हैं। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि 30 सितंबर को 31 मार्च तक के ऑडिटेड फाइनेंशियल्स की अवधि समाप्त होने से पहले बड़ी संख्या में कंपनियों ने ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस जमा किए हैं। सितंबर में सूचीबद्ध 47 कंपनियों में से 61 प्रतिशत से अधिक अपने इश्यू प्राइस से ऊपर कारोबार कर रही हैं, जिसमें ट्रैवल्स एंड रेंटल्स का एसएमई आईपीओ 283 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे आगे है। इसके बाद प्रीमियर एनर्जीज 146 फीसदी और नमो ईवेस्ट मैनेजमेंट 127फीसदी की बढ़त के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। आईपीओ में खुदरा निवेशकों की उत्साही भागीदारी ने विशेष रूप से एसएमई सेगमेंट में सदस्यता स्तर को अप्रत्याशित ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है, जहां खुदरा श्रेणी में पूरी तरह से सब्सक्राइब न होने वाला एसएमई आईपीओ खोजना अब दुर्लभ हो गया है।

संक्षिप्त ख़बरें

ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियान हमले के बाद क्यों पहुंच गए कतर

दोहा,(ईएमएस)। इजराइल पर हमले के फौरन बाद ही ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियान दोहा पहुंचे हैं। यहां उन्होंने हमास नेताओं से मुलाकात की है। ये हमास के वे नेता हैं जो कतर में शरण ले रखी है।कतर पहुंचे ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने इजराइल को चेतावनी दी, कि अब यदि इजराइल हमला करने की कोई छोटी सी भी भूल की तो हमारी सेना उसे और करारा जवाब देने के लिए तैयार है। यहां बताते चलें कि इजराइल और ईरान के बीच जारी तनाव जारी है और ऐसे में ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियान अपनी 2 दिन की यात्रा पर कतर पहुंचे हैं। सूत्रों की मानें तो वो यहां पर 19वें एशियन कोऑपरेशन डायलॉग समिट में हिस्सा लने पहुंचे हैं।वैसे उनकी इस यात्रा को इजराइल के हमले से जोड़कर देखा जा रहा है और कहा जा रहा है कि ईरान इस वक्त मौजूदा स्थिति को देखते हुए कतर का साथ चाह रहा है। यहां चूंकि हमास के अनेक नेता भी मौजूद हैं, ऐसे में एक रणनीति साझा की जा सकती है, जो आगे चलकर जमीनी हकीकत में तब्दील होती दिखाई देगी। इसलिए उनके इस दौरे का अहम माना जा रहा है। ईरान के हमले के बाद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू घोषणा कर चुके हैं कि वो ईरान से बदला लेंगे। इससे मिडिल ईस्ट समेत पूरी दुनियां में हलचल मची हुई है और तृतीय विश्वयुद्ध की आहट इसे बताया जा रहा है।ईरान के यूं तो कतर से बेहतर संबंध है, लेकिन दूसरी तरफ अमेरिका के हजारों सैनिक कतर के सबसे बड़े सैन्य बेस अल-उदेद एयरबेस पर ही तैनात हैं। ऐसे में ईरान को हमेशा ही यह डर रहता है कि कहीं इन सैनिकों के द्वारा अमेरिका उस पर हमला न कर दे। यह एक बड़ी वजह भी ईरान के राष्ट्रपति पेजेशिकयान को कतर यात्रा पर मजबूर करती दिख रही है। देखने वाली बात यह होगी कि इस यात्रा का कतर और अमेरिका पर क्या असर पड़ता है, जिस पर इजराइल की अगली कार्रवाई तय होगी।

इजरायली सेना ने हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर किए हमले, 60 हिज्बुल्लाह लड़ाके मारे गए

तेलअवीव (ईएमएस)। इजरायली सेना (आईडीएफ) द्वारा हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर हमले जारी हैं, इसमें 200 से अधिक ठिकानों पर बमबारी की गई है। आईडीएफ का दावा है कि अभियान में करीब 60 हिज्बुल्लाह लड़ाके मारे गए हैं। बिंट जेबिल के टाउन हॉल में छिपे 15 हिज्बुल्लाह लड़ाकों को इजरायली हमले में मारने का दावा किया गया है, जहां टाउन हॉल को हथियारों के भंडारण के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था।इजरायली सेना ने ड्रोन हमलों के माध्यम से हिज्बुल्लाह के लड़ाकों पर भी आक्रमण किया है, जिसमें एक इलाके में गोलियां चलाने वाले दो लड़ाकों को निशाना बनाया गया। आईडीएफ ने कहा है कि हाल के हवाई हमलों में हिज्बुल्लाह की कई इमारतों, हथियार डिपो, चेकपोस्ट और अन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया है।बात दें कि यह चौथी बार है, जब इजरायली सेना लेबनान की भूमि पर उतरी है, आखिरी बार 2006 में 34 दिनों तक चलने वाले युद्ध के बाद। लेकिन इस बार इजरायली सेना सीमित जमीनी ऑपरेशन कह रही है, जिसमें वायुसेना भी सक्रिय रूप से शामिल है। इजराइल का कहना है कि वह लंबे समय तक लेबनान पर कब्जा नहीं करेगा, लेकिन स्थिति बेहद गंभीर है और शहरी युद्ध की स्थितियों में संघर्ष जारी है।

मिस्र ने इजराइल को चेताया, मध्य पूर्व में छिड़ सकता है क्षेत्रीय युद्ध

काहिरा,(ईएमएस)। मिस्र के पीएम मुस्तफा मदबौली ने इजराइल की एकतरफा कार्रवाइयों पर चेतावनी जारी की है, जिसमें उन्होंने कहा कि इससे मध्य पूर्व में व्यापक क्षेत्रीय युद्ध छिड़ सकता है। उन्होंने मंगलवार को हुई घटनाओं को खतरनाक बताते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय और प्रभावशाली शक्तियों से इसमें तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए युद्ध विराम की अपील की है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मुस्तफा ने विशेष रूप से लेबनान में इजराइल की आक्रामकता की आलोचना की और लेबनान की संप्रभुता को कमजोर करने के किसी भी प्रयास को खारिज किया है। मिस्र की कैबिनेट ने भी गाजा पट्टी और लेबनान में युद्ध विराम की अपील करते हुए इसे तनाव कम करने का एक अहम कदम बताया है। बता दें मंगलवार को ईरान ने इजराइल पर बड़ा मिसाइल हमला किया था। इसके जवाब में, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि ईरान को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। इजराइल ने हाल ही में लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ जमीनी सैन्य अभियान शुरू किया है। इस कार्रवाई के तहत इजराइल ने लेबनान में हवाई हमलों को भी तेज कर दिया है जिससे पूरे मध्य पूर्व में तनाव बढ़ रहा है।

लेबनान और इजरायल के बीच युद्धविराम पर सहमति बनते-बनते रह गई

बेरूत (ईएमएस)। लेबनान के विदेश मंत्री अब्दुल्ला बौ हबीब ने खुलासा किया कि इजरायली हवाई हमलों में हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह के मारे जाने से कुछ दिन पहले ही दोनों पक्षों के बीच 21 दिनों के युद्धविराम पर सहमति बनी थी। यह महत्वपूर्ण जानकारी तब सामने आई है, जब लेबनान और इजरायल के बीच तनाव बढ़ा हुआ है और कई अंतरराष्ट्रीय नेता स्थायी शांति के लिए प्रयासरत हैं।हबीब ने बताया कि युद्धविराम की चर्चा सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर की गई थी, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अन्य सहयोगियों ने अस्थायी युद्धविराम का आह्वान किया था। उन्होंने कहा, हम पूरी तरह सहमत थे। लेबनान ने युद्धविराम के लिए सहमति जाहिर की थी, लेकिन इसके लिए हिजबुल्लाह के साथ परामर्श भी जरूरी था।हबीब ने कहा, लेबनानी संसद के अध्यक्ष नबीह बेरी ने हिजबुल्लाह के साथ मामले में चर्चा की, और हम अमेरिकियों और फ्रांसीसियों को सूचित करने के लिए आगे बढ़े। इस बीच, व्हाइट हाउस के वरिष्ठ सलाहकार अमोस होचस्टीन को लेबनान में युद्धविराम समझौते पर बातचीत करने के लिए भेजा जाना था। हबीब के अनुसार, होचस्टीन ने बताया कि नेतन्याहू इस समझौते के लिए सहमत हैं, और इसके बाद ही हिजबुल्लाह से सहमति प्राप्त की गई।हालांकि, इस जानकारी के सामने आने के बाद भी इजरायली हवाई हमले जारी रहे, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि मौजूदा स्थिति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता का विषय बन गई है।

जमीनी लड़ाई में इजराइल का हुआ बड़ा नुकसान, 8 सैनिकों की मौत, कई घायल

येरुशलम,(ईएमएस)। लेबनान में हिजबुल्लाह के गढ़ में घुसी इजराइली सेना को कड़ी चुनौतियां मिल रही हैं। हिजबुल्लाह इजराइली सेना का जोरदार मुकाबला कर रहा है उसने ओदाइसा और यारून इलाकों से इजराइली सेना को पीछे हटने को मजबूर कर दिया है। इजराइल के इस जमीनी ऑपरेशन में आठ सैनिक मारे गए हैं और 35 से ज्यादा घायल हुए हैं। इजरायल की सेना ने यह पुष्टि की है कि हिजबुल्लाह के हमलों में उसे भारी नुकसान हुआ है, जिससे उसकी आगे की रणनीति पर बड़ा असर पड़ सकता है।लेबनान में जमीनी ऑपरेशन के तहत इजराइली सेना को हर कदम पर प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। हिजबुल्लाह ने ओदाइसा और यारून इलाकों से इजराइली सैनिकों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया है। इजराइली सेना के लिए यह एक कठिन लड़ाई साबित हो रही है, क्योंकि हिजबुल्लाह के लड़ाके लेबनान की भूगोल और स्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं और गुरिल्ला युद्ध में उन्हें महारत हासिल है।इजराइल की हवाई शक्ति भले ही मजबूत हो, लेकिन जमीनी लड़ाई में हिजबुल्लाह उस पर कई गुना भारी है। विशेषज्ञों का कहना है कि हिजबुल्लाह लेबनान में मजबूत स्थिति में है और इस क्षेत्र में उसका प्रभुत्व इजराइल के लिए बड़ी चुनौती है। इससे पहले 2006 के युद्ध में भी हिजबुल्लाह ने इजराइली सेना को कड़ी टक्कर दी थी, जिसमें 125 से ज्यादा इजराइली सैनिक मारे गए थे।इजराइल की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हो रही है। उसे हिजबुल्लाह के अलावा दो अन्य मोर्चों पर भी लड़ना पड़ रहा है। एक तरफ ईरान ने हाल ही में इजराइल पर मिसाइलें दागे हैं, तो दूसरी तरफ गाजा में हमास के साथ लंबे समय से जारी संघर्ष भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। ईरान हिजबुल्लाह और हमास, दोनों को हथियार और वित्तीय मदद मुहैया कराता है, जिससे इजराइल पर दबाव और बढ़ गया है। इजराइली सेना के लिए यह जमीनी लड़ाई कठिन साबित हो रही है। हिजबुल्लाह ने इजराइल के सैनिकों को कड़ी टक्कर दी है और इजराइल को आगे बढ़ने से रोक रहा है।

भीषण जंग की आहट: नेतन्याहू के प्लान पर अमेरिका ने कहा, हम समर्थन नहीं करेंगे

वाशिंगटन,(ईएमएस)। ईरान के तेल और परमाणु संयंत्रों पर भी इजरायल हमला कर सकता है। इजरायली अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि हमारी जवाबी कार्रवाई में ईरान का बुनियादी ढांचा निशाने पर होगा। इजरायल ईरान के पावर प्लांट और तेल संयंत्रों को निशाना बना वहां की अर्थव्यवस्था को तबाह कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायली अधिकारियों ने बताया कि इजरायल ईरान के बड़े मिसाइल हमले का कुछ ही दिनों में करारा जवाब देगा। इजरायल ईरान के अंदर तेल उत्पादन सुविधाओं और अन्य रणनीतिक स्थलों को निशाना बना सकता है। ईरान ने कहा कि अगर इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की तो उसका भी जवाब दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में इजरायल ईरान के परमाणु सुविधाओं पर हमला कर सकता है। वहीं सैन्य विश्लेषकों का मानना है कि इस बार इजरायल ईरान पर बड़ा जवाबी हमला कर सकता है। ऐसी स्थिति में ईरान ने भी पलटवार की बात कही है। अगर ऐसा होता है तो युद्ध का बड़े पैमाने पर फैलना निश्चित है।इजरायल अपने उन्नत लड़ाकू विमानों से ईरान पर हमला कर सकता है। इसके अलावा खुफिया एजेंसी मोसाद हमास नेता इस्माइल हानिया के तर्ज पर कोई बड़ा ऑपरेशन भी कर सकती है। इजरायली अधिकारी का कहना है कि, हमारे सामने यह बड़ा सवाल है कि ईरान पर हमले किस तरह से किया जाए, लेकिन हम इस संभावना को भी ध्यान में रखते हैं कि पूरी ताकत से हमला करेंगे। इजरायल के सभी मंत्रियों ने कहा कि हमला ऐसा हो कि ईरान अपने हमले पर खेद जताए।इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को तेल अवीव में आईडीएफ मुख्यालय में इजरायल के सुरक्षा प्रमुखों के साथ एक बड़ी बैठक की। बैठक में ईरान को कैसे जवाब दिया जाए... इस पर चर्चा हुई।यरुशलम में बुधवार को एक बंकर में इजरायली सुरक्षा कैबिनेट की घंटों बैठक चली। बैठक में फैसला लिया गया कि इजरायल सैन्य तरीके से ईरान पर हमला करेगा। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान ने आज रात एक बड़ी गलती की है। उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। जो कोई भी हम पर हमला करेगा, हम उन पर हमला करेंगे।अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडन ने स्पष्ट कर दिया है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर हमले के समर्थन में नहीं हैं। मगर हमले से पहले इजरायल अमेरिका को अपने विश्वास में लेना चाहता है। बाइडन ने कहा कि इजरायल ईरान में क्या करने जा रहा है... इस पर हम चर्चा करेंगे। बाइडन ने ईरान पर और प्रतिबंध लगाने की बात भी कही है।इजरायल को यह भी पता है कि ईरान पर हमला किया तो वह भी पलटवार करेगा। ऐसे में इजरायल ईरानी हमले के खिलाफ अमेरिकी सेंट्रल कमांड से रक्षात्मक सहयोग चाहता है। वहीं इजरायली वायुसेना की खातिर अधिक गोला-बारूद और अन्य सैन्य साजो-सामान भी अमेरिका से चाहता है।अमेरिका मध्य-पूर्व में सैन्य तैनाती बढ़ाने पर विचार कर रहा है। उसने अपनी वायुसेना और नौसेना को भी अलर्ट पर रखा है। जी-7 देशों के साथ के साथ भी अमेरिका ने चर्चा की है। ऐसे में आपात स्थिति में अप्रैल और उसके सहयोगी इजरायल को सैन्य मदद देने की तैयारी में जुटे हैं।

पाकिस्तान में पोलियो के दो मामले सामने आए, उन्मूलन प्रयासों को झटका

करांची,(ईएमएस)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में पोलियो के दो नए मामलों की पुष्टि होने से देश में अब इनकी संख्या 26 हो गई है। ये नए मामले कराची पूर्व और सुजावल जिलों में सामने आए हैं, जिससे पोलियो वायरस के उन्मूलन के प्रयासों को झटका लगा है।मीडिया रिपोर्ट में एक बयान में कहा कि कराची पूर्व और सुजावल से यह पहला मामला सामने आया है, जहां हाल के महीनों में पर्यावरणीय नमूनों में पोलियो वायरस की मौजूदगी दिखी है। यह संकेत करता है कि पोलियो वायरस समुदायों में फैल रहा है और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। पाकिस्तान के पीएम की विशेष प्रतिनिधि ने इन नए मामलों को बच्चों के लिए चिंताजनक बताया और जोर दिया कि बच्चों को एक ऐसी बीमारी से खतरा है, जिससे आसानी से बचा जा सकता है। उन्होंने अभिभावकों, सामुदायिक नेताओं और शिक्षकों से अपील की कि वे सभी बच्चों का टीकाकरण कराने के लिए तत्परता से कदम उठाएं।

ईरान ने इजरायल पर दागे थे 400 मिसाइल, लक्ष्यों को किया हिट

ईरानी पत्रकार का दावा- इजरायल छिपा रहा अपना नुकसान

तेल अवीव,(ईएमएस)। ईरान ने मंगलवार को इजरायल पर बड़ा मिसाइल हमला किया, था जिसके बाद इस मुद्दे पर नया विवाद खड़ा हो गया है। एक ईरानी पत्रकार ने दावा किया है कि ईरान ने इजराइल पर 400 मिसाइलें दागी हैं, न कि 200, जैसा कि पहले बताया गया था कि इन मिसाइलों में से 90 फीसदी ने अपने लक्ष्यों को हिट किया है।इजरायल ने इस हमले पर प्रतिक्रिया दी, चेतावनी दी कि ईरान ने एक बड़ी गलती की है और उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। इजरायली अधिकारियों का कहना है कि उनके डिफेंस सिस्टम ने ज्यादातर मिसाइलों को रोक दिया। हालाँकि, ईरानी पत्रकार ने इजरायल के इस दावे को चुनौती दी और कहा कि वहां पर एक सख्त सेंसरशिप है, जिसके कारण इजरायल अपना नुकसान छिपा रहा है।उन्होंने कहा कि इजरायल झूठ बोल रहा है। हमारे पास जो जानकारी है, उसके मुताबिक 90 फीसदी मिसाइलों ने अपने लक्ष्यों को हिट किया है। ईरान की ओर से इस हमले में हाइपरसोनिक फतह मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया था। कुछ वीडियो में दिखाया गया है कि मिसाइलें गिर रही हैं और बड़े धमाके कर रही हैं। ईरान के इस हमले को हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह की मौत के बाद बदले के रूप में देखा जा रहा है। यदि इजरायल पलटवार करता है, तो ईरान ने पहले ही चेतावनी दे दी है कि वह भी इजराइल को मुंहतोड़ जवाब देगा। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा बैठक में कहा है कि जो कोई भी इजरायल पर हमला करेगा, हम उन पर पलटवार करेंगे। इस प्रकार की स्थिति मध्य पूर्व में तनाव को और बढ़ा रही है।विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान का यह हमला न केवल इजरायल को बल्कि पूरे क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। ईरान के इस कदम को उसकी सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है, जबकि इजरायल अपनी सुरक्षा को बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाने का प्रयास कर रहा है। यह घटनाक्रम निश्चित रूप से मध्य पूर्व की भू-राजनीति को और जटिल बना सकती है।

इजरायल पर ईरानी हमले में जॉर्डन ने निभाई अहम भूमिका

कई मिसाइलें गिराई, लोग बोले, इजराइल की मदद कर गलत किया

अम्मान,(ईएमएस)। इजरायल पर ईरानी मिसाइल हमले में जॉर्डन ने अहम भूमिका निभाई। जॉर्डन ने 180 मिसाइलों में से एक दर्जन से ज्यादा को अपने ही हवाई क्षेत्र में रोक दिया। जॉर्डन के सार्वजनिक सुरक्षा निदेशालय ने इसकी पुष्टि की कि उनकी वायु रक्षा प्रणाली ने इजरायल को निशाना बनाने वाली ईरानी मिसाइलों और ड्रोन को सफलतापूर्वक मार गिराया।इस कदम ने जॉर्डन सरकार और सेना को जनता के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अम्मान के बाहरी इलाके में सड़क पर गिरी एक ईरानी मिसाइल का दृश्य दिखाया गया है। जॉर्डन अधिकारियों ने कहा कि यह कदम देश की आत्मरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए जरुरी था। जॉर्डन के एक मंत्री ने साफ किया कि देश किसी भी संघर्ष में शामिल नहीं होना चाहता है, लेकिन जॉर्डन के नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी जरुरी कदम उठाए जाएंगे। इसके बावजूद जॉर्डन के नागरिक इस रुख को लेकर असहमत हैं और कई लोगों का मानना है कि सरकार इजरायल की मदद करके गलत दिशा में जा रही है।जॉर्डन की डेमोक्रेटिक यूनिटी पार्टी के सदस्य ने नाराजगी जताई, उन्होंने कहा कि ईरानी मिसाइलों को मार गिराना फिलिस्तीन और लेबनान में प्रतिरोध के समर्थन की भावना के खिलाफ है। जॉर्डन में फिलिस्तीनी शरणार्थियों की बड़ी संख्या है और गाजा में हाल के हमलों के चलते इजरायल के खिलाफ लोगों में नाराजगी बढ़ी है। जॉर्डन सरकार के इस कदम ने वहां के लोगों के बीच असंतोष पैदा हो गया है और नागरिकों में यह चिंता गहराने लगी है कि उनकी सरकार इजरायल के साथ मिलकर एक विवाद में शामिल हो रही है।

हिजबुल्लाह पड़ा कमजोर, इजरायल हमले में नसरल्लाह के दामाद कासिर की मौत

तेल अवीव,(ईएमएस)। हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह की मौत के साथ उनके दामाद हसन जाफर कासिर के मारे जाने की सूचना भी मिली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हसन जाफर कासिर को दमिश्क के करीब एक हवाई हमले में मारा गया है। वह मुहम्मद जाफर कासिर का भाई है, जो बुधवार को बेरूत में एक हवाई हमले में मारा गया था। हिजबुल्लाह के लिए यह एक और बड़ा झटका है, क्योंकि इस हमले से इजरायल के खिलाफ उसका नेतृत्व कमजोर पड़ रहा है।कासिर बंधु 1982 के लेबनान युद्ध के बाद से अहमद कासिर ने अपनी कार में विस्फोटक भरकर इजरायली बेस में घुसपैठ की थी, जिससे वहां बड़ा धमाका हुआ। यह लेबनान के इतिहास में पहला आत्मघाती हमला था और इसे हिजबुल्लाह के संस्थापक इमाद मुग्निया के निर्देश पर अंजाम दिया गया था। अहमद कासिर को 2008 में दमिश्क में रहस्यमय तरीके से हत्या कर दी गई थी। हिजबुल्लाह ने बताया था कि अहमद के हमले ने सभी शहीद अभियानों की शुरुआत की और यह युवाओं के बीच प्रतिरोध की प्रेरणा बना।हिजबुल्लाह हर साल अहमद कासिर की मौत को शहीद दिवस के रूप में मनाता है। हसन जाफर कासिर ने हसन नसरल्लाह की बेटी से शादी की थी, जिससे उसके और हिजबुल्लाह के बीच संबंध और मजबूत हो गए थे। अमेरिका ने मुहम्मद जाफर कासिर की गतिविधियों को देखते हुए उसे आतंकवादी घोषित कर दिया था और उसके पकड़ने या जानकारी देने वाले को 10 मिलियन डॉलर का इनाम देने का ऐलान किया था। यदि कासिर की कोई संपत्ति अमेरिका में है, तो उसे जब्त कर लिया जाएगा। इस घटना ने इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति और भी जटिल हो गई है।

आज निकलेगी नसरल्लाह की अंतिम यात्रा, खामेनेई हो सकते हैं शामिल

तेहरान,। हसन नसरल्लाह के जनाजे के दिन ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई जुमे की नमाज की अगुवाई करेंगे। यह नसरल्लाह की मौत के बाद खामेनेई पहली बार सार्वजनिक रूप से इसमें शामिल होंगे। उन्हें नसरल्लाह की मौत के बाद सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया था।नसरल्लाह की अंतिम यात्रा शुक्रवार को निकाले जाने की खबर है, लेकिन उनके जनाजे की तारीख और स्थान के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक नसरल्लाह के जनाजे में भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है, जो उनकी लोकप्रियता और हिज्बुल्लाह के प्रति लोगों की निष्ठा को दर्शाता है। इस घटना के मद्देनजर, मिडिल ईस्ट में तनाव और अस्थिरता की स्थिति को देखते हुए सुरक्षा प्रबंधों को ध्यान में रखते हुए आयोजनों की योजना बनाई जा रही है।

मोबाइल फोन से नपुंसकता जैसी गंभीर समस्या का खतरा

लंदन (ईएमएस)। मोबाइल फोन ने वर्तमान में हमें कई सहूलियतें दी हैं, लेकिन इसके बढ़ते इस्तेमाल से स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी सामने आए हैं। इनमें सबसे प्रमुख खतरा है रेडिएशन, जो मोबाइल फोन से निकलती है और शरीर पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, खासकर तब जब इसे जेब में रखा जाता है।विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि मोबाइल फोन को जेब में रखना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है और इसके कारण नपुंसकता जैसी गंभीर समस्याएं भी हो सकती हैं। विभिन्न अध्ययनों में यह पाया गया है कि मोबाइल फोन से निकलने वाली विकिरणें (रेडिएशन) कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती हैं। एक रिसर्च के अनुसार, लगातार मोबाइल फोन का उपयोग करने से क्रोनिक स्ट्रेस, ब्रेन ट्यूमर और अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऑस्ट्रिया और मिस्र के मेडिकल रिसर्चर्स ने एक अध्ययन में दावा किया कि मोबाइल का अत्यधिक उपयोग यौन समस्याओं का कारण बन सकता है। इस अध्ययन के दौरान 6 साल तक दो समूहों का विश्लेषण किया गया। एक समूह के पुरुषों में सेक्स से जुड़ी समस्याएं पाई गईं, जबकि दूसरे समूह में यह समस्या नहीं थी। इससे यह संकेत मिला कि मोबाइल फोन से निकलने वाली रेडिएशन यौन स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इसके अलावा, एक अन्य अध्ययन में यह पाया गया कि मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है। मोबाइल फोन से पूरी तरह दूरी बना पाना मुश्किल है, लेकिन इसके उपयोग में कुछ सावधानियां बरतकर स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचा जा सकता है।मोबाइल फोन को पैंट की जेब में रखने से बचें और इसे बैग या पर्स में रखें। अगर जेब में रखना जरूरी हो, तो इसे पीछे की जेब में रखें। मोबाइल फोन का उपयोग सीमित करें और लंबे समय तक बात करने से बचें। एक अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला गया कि प्रति सप्ताह कम से कम एक कॉल करने से भी हृदय से जुड़ी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। रेडिएशन का प्रभाव सिर्फ हृदय पर ही नहीं, बल्कि यह शरीर की डीएनए संरचना को भी प्रभावित कर सकता है, जिससे कैंसर और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

ईरान से इजराइल का तनाव 18,000 भारतीय नागरिकों की चिंता

तेलअवीव (ईएमएस)। ईरान ने इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों की बौछार की, इससे तनाव की स्थिति और भी गंभीर हो गई है। इजरायल की ओर से ईरान को इसके लिए गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी देने के बाद, दुनिया सहम गई है। इस बीच, इजरायल में रह रहे करीब 18,000 भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इसमें से अधिकांश बुजुर्गों की देखभाल, हीरा व्यापार, आईटी पेशेवर और छात्र हैं।इजरायल में डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहे छात्र ने बताया कि स्थिति दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही में एक बम उनके दोस्त के घर के करीब गिरा, जिससे उनकी चिंता और बढ़ गई है। यह स्थिति पिछले साल 7 अक्टूबर से हमास के खिलाफ इजरायल के युद्ध से कहीं अधिक गंभीर है। मैं भी उस दिन अपने दोस्त के घर में हो सकता था।इजरायल के अधिकारियों ने भारतीय नागरिकों सहित अन्य लोगों को नजदीकी बम आश्रयों में जाने का आदेश दिया है। एक अन्य भारतीय ने कहा कि कई लोग इजरायल में अच्छी सैलरी की उम्मीद में आए थे, लेकिन अब वे यहां सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं।भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों को सतर्क रहने और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशानुसार सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी है। दूतावास ने बयान में कहा, कृपया सावधानी बरतें। अनावश्यक यात्रा से बचें और सुरक्षित आश्रयों के पास रहें। हम स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और अपने सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से इजरायली अधिकारियों के संपर्क में हैं।इस घटनाक्रम ने इजरायल में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए गंभीर चिंताओं को जन्म दिया है। उन्हें स्थिति के प्रति सतर्क रहने और सुरक्षा उपायों का पालन करने के लिए कहा गया है।

अमेरिका रिपोर्ट में भारत को चिंता वाले देशों में शामिल करने का आह्वान

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका की बाइडन सरकार के एक आयोग ने भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति को लेकर एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में भारत को विशेष चिंता वाले देशों में नामित करने का आह्वान किया गया है। यह रिपोर्ट अमेरिका के वरिष्ठ नीति विश्लेषक ने तैयारी की है, जिसमें धार्मिक अल्पसंख्यकों और उनके पूजा स्थलों के खिलाफ हिंसक हमलों को उकसाने के लिए गलत सूचना के इस्तेमाल का वर्णन किया गया है।रिपोर्ट में मुस्लिम, वक्फ संशोधन बिल, और गोहत्या विरोधी कानून का उल्लेख किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता के लिए अमेरिकी आयोग ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि भारत को विशेष चिंता वाले देश के रूप में नामित किया जाना चाहिए, क्योंकि धार्मिक स्वतंत्रता के गंभीर उल्लंघनों में भारत शामिल है। उन्होंने कहा कि इस रिपोर्ट में पूरे 2024 में निगरानी समूहों द्वारा धार्मिक नेताओं की हत्या, उन्हें पीट-पीटकर मारने और पूजा स्थलों के ध्वस्त होने की घटनाओं का उल्लेख किया गया है, जो धार्मिक स्वतंत्रता का गंभीर उल्लंघन है।रिपोर्ट ने यह भी बताया कि भारत ने अतीत में अमेरिकी आयोग के सदस्यों को वीजा देने से इनकार किया है, यह कहते हुए कि यह उनके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप है।अमेरिकी आयोग दुनिया के कई देशों पर रिपोर्ट पेश करता है। भारत और कई भारतीय-अमेरिकी समूहों ने आरोप लगाया है कि अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट पक्षपातपूर्ण, अवैज्ञानिक है। रिपोर्ट में भारत के कानूनी ढांचे में बदलाव का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें नागरिकता संशोधन अधिनियम, यूनिफॉर्म सिविल कोड, धर्मांतरण, और गोहत्या विरोधी कानून शामिल हैं।

बांग्लादेशी क्रिकेटर मेहदी ने रोहित को उपहार में बल्ला दिया

मुम्बई (ईएमएस)। बांग्लादेश के क्रिकेटर मेहदी हसन मिराज ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को एक बल्ला भेंट किया है। मिराज ने पिछले साल इमरुल कायस और अपने दूसरे दोस्तों के साथ मिलकर क्रिकेट के बल्ले बनाने का कारोबार शुरु किया था। इसी कारण टेस्ट सीरीज समाप्त होने के बाद इस ऑलराउंडर ने रोहित को उपहार के तौर पर एक बल्ला दिया। फेसबुक पेज पर जारी एक वीडियो में मेहदी ने कहा कि वह हमेशा से ही रोहित को तोहफे के तौर पर एक बल्ला उपहार में देना चाहते थे। इस अवसर पर मिराज ने कहा कि उन्हें रोहित को बल्ला उपहार में देकर खुशी हई है। मेहदी ने कहा,मैं रोहित भाई के साथ हूं और मैंने उन्हें अपनी कंपनी का एक बल्ला उपहार में दे रहा हूं। मैं हमेशा से उन्हें एक बल्ला उपहार में देना चाहता था। इससे मुझे बेहद खुशी हुई है। वहीं रोहित ने कहा कि उन्हें मेहदी को अपना व्यवसाय करते देख खुशी हुई है और मैं उन्हें इसमें सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूं। रोहित ने कहा, मैं मेहदी को लंबे समय से जानता हूं। वह बहुत अच्छे क्रिकेटर हैं। और मुझे उन पर बहुत गर्व है कि उन्होंने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर अपनी कंपनी शुरू की है। मुझे उम्मीद है कि यह कंपनी आगे बढ़ती जाएगी। मेहदी हसन मिराज कानपुर टेस्ट में बांग्लादेश के सबसे सफल गेंदबाज थे।

आईपीएल के नये नियम को कार्तिक ने सही बताया, बोले धोनी के कारण बनाया गया

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने आईपीएल गवर्निंग बॉडी के अनकैप्ड क्रिकेटर को खेलने की अनुमति दिये जाने के फैसले को सही बताया है। नए रिटेंशन नियम के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी जिसने पिछले पांच सालों में भारत के लिए नहीं खेला है, उसे अनकैप्ड माना जाएगा और उसे काफी कम कीमत पर रिटेन किया जा सकता है। यह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए फायदेमंद रहेगा और वह अपने पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को रिटेन कर सकेगा। कार्तिक का मानना है कि यह नियम केवल धोनी के लिए ही बनाया गया है। उन्होंने कहा, हर कोई इसके बारे में बात करता है। यह नियम धोनी के लिए बनाया गया है और मैं इसके लिए पूरी तरह से तैयार हूं। वह आईपीएल के इस इतिहास का एक बड़ा हिस्सा रहा है। हर कोई उसे खुश है चाहे वह बीसीसीआई हो, कोई भी टीम हो, चाहे लीग ने पिछले कुछ सालों में कैसा प्रदर्शन किया हो पर पिछले 15-18 सालों में इसने खिलाड़ियों को खुश रखा है। उन्होंने कहा, आप किसी भी टीवी प्रसारक से पूछ सकते हैं और आपको जवाब मिलेगा कि जब यह व्यक्ति मैदान पर उतरता है, तो रेटिंग बढ़ जाती है। यह एक तथ्य है। अगर आप कुछ ऐसा करने जा रहे हैं जिससे लीग को मदद मिलेगी, तो क्यों नहीं किया जाये? आप नियमों को तोड़ना नहीं चाहते, लेकिन अगर यह निष्पक्ष है, जहां सभी टीमों को सूचित किया गया है और उन्हें लगता है कि यह निष्पक्ष है, तो आगे बढ़ना ही चाहिये।

दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड को दूसरे एकदिवसीय में भी हराया

जोहांसबर्ग (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड को दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 139 रनों से जीत हासिल की। इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरुआत में ही 39 रनों पर तीन विकेट खो दिए। इसके बाद रेयान रिकल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स ने अफ्रीकी टीम को संभाला। नये बल्लेबाज रेयान रिकल्टन ने 102 गेंदों में ही 91 रन बना दिये। वहीं ट्रिस्टन स्टब्स ने भी 79 रनों की पारी खेली। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 152 रन बनाकर अपनी टीम को बेहतर हालातों में पहुंचाया। वहीं ब्योर्न फोर्ट्यून ने 28 और लुंगी एंगिडी ने 20 रन बनाये। इस प्रकार दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 9 विकेट पर 271 रन बनाए। जीत के लिए मिले 272 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की टीम 31.2 ओवरों में 132 रन ही बना पायी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से लिजाड विलियम्स ने सबसे अधिक 4 विकेट जबकि ब्योर्न फोर्ट्यून और लुंगी एंगिडी ने दो-दो विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

अजय जडेजा बोले, आईपीएल 2025 के लिए धोनी सहित इन तीन खिलाड़ियों को रिटेन करेगी सीएसके

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा ने कहा है कि आईपीएल के अगले सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) तीन खिलाड़ियों पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, ऋतुराज गायकवाड और रवींद्र जडेजा को जरुर बरकरार रखेगी। आईपीएल के लिए मेगा नीलामी इस साल के अंत में होने की संभावना है। आईपीएल को लेकर सभी फ्रैंचाइजी अपनी तैयारियों में लगी हैं और इसमें ये तय कर रही हैं कि किसे रिटेन किया जाये और किसे रिलीज। वहीं इस पूर्व ऑलराउंडर ने कहा कि ये तीन प्रमुख खिलाड़ी रिटेन किये जाने वाले खिलाड़ियों की सूची में सबसे पहले होंगे। इनका चयन करने के लिए फ्रेंचाइजी को ज्यादा सोचना नहीं पड़ेगा।इन पूर्व क्रिकेटर ने कहा, धोनी निश्चित रूप रिटेन खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर होंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है, खासकर इसलिए क्योंकि वह अब एक अनकैप्ड खिलाड़ी है। उन्होंने टीम के लिए बहुत कुछ किया है और उनकी कीमत पर कोई सवाल नहीं है। वहीं गायकवाड कप्तान हैं, और उनका यह साल अच्छा रहा है, इसलिए आप उन्हें भी बनाए रखने की उम्मीद करेंगे। रवींद्र को भी बाहर नहीं रखा जा सकता है, इसलिए मुझे लगता है कि ये तीनों उनके लिए एकदम सही रिटेन किये जाने वाले खिलाड़ी होंगे। वहीं पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा को लगता है कि राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड सीएसके के लिए लाभप्रद होगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि वे पांच खिलाड़ियों को रिटेन करेंगे पर वे 3-4 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकते हैं। मुझे ऋतुराज और जडेजा में 18 करोड़ के दो खिलाड़ी नजर आ रहे हैं। अगर आप उन्हें रखना चाहते हैं, तो आपको उस कीमत से मेल खाना होगा। इसके अलावा, उनके पास धोनी, शिवम दुबे और मथीशा पथिराना भी हैं। ऐसे में मुझे लगता है कि वे शिवम दुबे को रखेंगे और फिटनेस देखते हुए दीपक चाहर के लिए आरटीएल कार्ड का उपयोग करेंगे।

अश्विन ने की विराट और जडेजा की बराबरी

कानपुर (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने 10-10 बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने के मामले में विराट कोहली और रवींद्र जडेजा की बराबरी कर ली है। अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ हुए दूसरे टेस्ट में अपने टेस्ट करियर का 10वां प्लेयर ऑफ द मैच और 11वां 11 प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता टेस्ट मैचों में भारतीय क्रिकेटरों में सबसे अधिक प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम हैं। सचिन ने 14 बार यह अवॉर्ड जीता है। वहीं इस सूची में दूसरे नंबर पर भारत के ही राहुल द्रविड़ हैं। द्रविड़ को 11 बार प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार मिला है। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ इसी माह होने वाली 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में विराट , अश्विन या जडेजा के पास द्रविड़ के 11 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड की बराबरी का अवसर है। अश्विन और जडेजा इस रेस में कोहली से थोड़ा आगे नजर आते हैं। इसका कारण है कि घरेलू सीरीज में स्पिनरों को लाभ होता है। जडेजा ने अबतक 74 मैच में 10 बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीते हैं। अश्विन को इसके लिए 102 मैच खेलने पड़े हैं। कोहली को 115 टेस्ट के करियर में 10 बार यह अवॉर्ड मिला है। जडेजा औसतन हर 7वें मैच में यह अवॉर्ड जीत रहे हैं, जबकि अश्विन और कोहली को इसके लिए औसतन 10 मैच खेलने पड़े हैं।

पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट में हो रहा स्मार्ट रिप्ले सिस्टम का इस्तेमाल

महिला टी20 विश्व कप

दुबई (ईएमएस)। आईपीएल 2024 और द हंड्रेड के बाद अब महिला टी20 विश्व कप 2024 में इस बार स्मार्ट रिप्ले सिस्टम का प्रयोग किया जा रहा है। ये पहली बार है जब किसी आईसीसी टूर्नामेंट में आईसीसी स्मार्ट रिप्ले सिस्टम का प्रयोग कर रही है। इसके तहत हर मैच में कवरेज के लिए कम से कम 28 कैमरे रहेंगे। इससे बेहतर प्ररिणाम मिलने की उम्मीदें हैं। सभी मैचों में डिसीज़न रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) भी उपलब्ध होगा, इसमें हॉक-आई स्मार्ट रिप्ले सिस्टम का प्रयोग होता है। इससे टीवी अंपायर को विभिन्न कोणों से एकसाथ आने वाले फुटेज की तुरंत समीक्षा कर सटीक फैसला देने में सहायता मिलेगी।वहीं स्मार्ट रिप्ले सिस्टम के तहत टीवी अंपायर को सीधे दो हॉक-आई ऑपरेटरों से जानकारी मिलेगी, जो अंपायर के साथ एक ही कमरे में बैठेंगे और उन्हें मैदान में लगे हॉक-आई के आठ हाई-स्पीड कैमरों से ली गयीं तस्वीरों को दिखाएंगे। अब तक टीवी प्रसारण निदेशक, तीसरे अंपायर और हॉक-आई ऑपरेटरों के बीच मध्यस्थ का काम करते थे पर अब इसकी जरुरत नहीं रहेगी। यह सिस्टम टीवी अंपायर को पहले से अधिक दृश्य देखने की सुविधा भी देता है, जिसमें स्प्लिट-स्क्रीन भी शामिल हैं। स्मार्ट रिप्ले सिस्टम के तहत स्टंपिंग रेफरल के मामले में भी टीवी अंपायर हॉक-आई ऑपरेटरों से स्प्लिट-स्क्रीन (दो भागों मं बंटी हुई स्क्रीन) के विजुअल मांग सकते हैं जिससे अंपायर ले लिए फैसला लेना आसान रहेगा।

हमें जडेजा से निपटना सीखना होगा स्मिथ

सिडनी (ईएमएस)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इस साल के अंत में होने वाली बॉडर गावस्कर टेस्ट सीरीज की तैयारी में लगे अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि उनकी टीम को भारतीय टीम के स्पिन ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा से निपटना सीखना होगा। स्मिथ के अनुसार जडेजा अपनी आक्रामक बल्लेबाजी , गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण क्षमताओं के कारण मुश्किलें पैदा करते हैं। स्मिथ ने कहा, मैं मैदान पर जडेजा से परेशान हो जाता हूं क्योंकि वह एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। वह हमेशा हमारी परेशानी बढ़ाने का कोई न कोई तरीका तलाश लेते हैं। चाहे वह तेजी से रन बनाना हो, विकेट लेना हो या शानदार कैच लेना हो। ये हमारे लिए परेशानी पर वह वह एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं जिनके होने से मैदान पर रोमांच बना रहता है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड भी स्मिथ से सहमत है। उन्होंने कहा कि जडेजा हर क्षेत्र में कुशल है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए 17 टेस्ट मैचों में जडेजा ने 23 पारियों में 28.50 की औसत से 570 रन बनाए हैं जिसमें पांच अर्द्धशतक रहे हैं जबकि उनका सबसे अधिक स्कोर 81 रन रहा है। ऑस्ट्रेलिया में उन्होंने पांच पारियों में 43.75 की औसत से 175 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उन्होंने टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल 89 विकेट लिए हैं जिनमें से 14 ऑस्ट्रेलिया में लगाये हैं। वहीं बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन के अनुसार उसे भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत अपने मजाकिया स्वभाव के कारण अच्छा लगता है। लाबुशेन ने कहा कि वह हमेशा मजाकिया रहता है, खूब हंसता है और खेल को सही भावना से खेलता है। ऋषभ का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड शानदार है, उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर 7 मैचों और 12 पारियों में 62 से अधिक की औसत से 624 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं।
उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 159 है। वहीं ट्रेविस हेड ने कहा कि मुझे विराट कोहली अच्छे लगते हैं। साथ ही कहा कि बहुत से लोग विराट का नाम इसलिए लेंगे क्योंकि वह अच्छे हैं। वह हमेशा रन बनाते रहते हैं और उनकी ऊर्जावान बने रहते हैं। विराट का ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट रिकॉर्ड शानदार है, उन्होंने 13 टेस्ट में 54.08 की औसत से 1,352 रन बनाए हैं, जिसमें 25 पारियों में छह शतक और चार अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 169 है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 25 टेस्ट में कुल मिलाकर उन्होंने 44 पारियों में आठ शतक और पाँच अर्द्धशतक के साथ 47.48 की औसत से 2,042 रन बनाए हैं। वहीं स्पिनर नाथन लियोन ने मजाकिया अंदाज में कहा कि मुझे सभी भारतीय खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना परोशानी भरा लगत है।

शार्दुल ठाकुर बीमार होने के बाद अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली (ईएमएस)। ईरानी कप खेल रहे मुम्बई के तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर को तबियत खराब होने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शार्दुल की डेंगू और मलेरिया के लिए जांच की गयी है जिसकी रिपोर्ट अभी आनी है। शार्दुल ने पहली पारी में शेष भारत के खिलाफ 59 गेंदों में 36 रन बनाये थे। इस दौरान उन्होंने 4 चौके और 1 छक्का भी लगाया था। शार्दुल को सुबह से ही अच्छा महसूस नहीं हो रहा था फिर भी वह खेलते रहे। उन्हें कमजोर भी लग रही थी। वह दवाई लेकर ड्रेसिंग रूम में आराम कर रहा था और बल्लेबाजी के लिए उतरना चाहता था पर टीम प्रबंधन ने इंकार करते हुए उसे अस्पाल में दिखाया। जांच के बाद इस तेज गेंदबाज को अस्पताल में भर्ती कर लिया गया।

मेसी की फीफा विश्व कप क्वालीफायर के लिए अर्जेंटीना टीम में वापसी

ब्यूनस आयर्स (ईएमएस)। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने कहा है कि स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी फीफा विश्वकप क्वालीफायर में खेलेंगे। टखने की चोट के कारण पिछले कुछ समय से मैदान से बाहर थे। फुटबॉल संघ के अनुसार मेसी वेनेजुएला और बोलीविया के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर में खेलेंगे। मेसी टखने की चोट के कारण चिली और कोलंबिया के खिलाफ सितंबर में एल्बिसेलेस्टे के खिलाफ क्वालीफायर से बाहर हो गये थे हालांकि अब वह फिट हैं और अपने क्लब इंटर मियामी की ओर से उन्होंने मैदान में वापसी कर ली है। अर्जेंटीना का मुकाबला 10 अक्टूबर को वेनेजुएला से और 15 अक्टूबर को बोलीविया से होगा। अभी अर्जेंटीना10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी समूह में आठ मैचों में 18 अंकों लेकर शीर्ष पर है। वह दूसरे स्थान पर चल रहे कोलंबिया से दो अंक आगे है। इसमें से शीर्ष छह टीमें 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी, जिसकी मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा करेंगे। वहीं सातवें स्थान पर रहने वाली टीम अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ में खेलेगी। अर्जेंटीना टीमः डिफेंडर्सः गोंजालो मोंटिएल (सेविला), नहुएल मोलिना (एटलेटिको मैड्रिड), क्रिस्टियन रोमेरो (टोटेनहम), जर्मन पेज़ेला (रिवर प्लेट), मार्कोस एक्यूना (रिवर प्लेट), लियोनार्डो बलेरडी (ओलंपिक मार्सिले), निकोलस ओटामेंडी (बेनफिका), लिसेंड्रो मार्टिनेज (मैनचेस्टर यूनाइटेड), निकोलस टैग्लियाफिको (ल्योन)।
फॉरवर्डः लियोनेल मेसी (इंटर मियामी), निकोलस गोंजालेज (जुवेंटस), एलेजांद्रो गार्नाचो (मैनचेस्टर यूनाइटेड), जूलियन अल्वारेज़ (एटलेटिको मैड्रिड), पाउलो डायबाला (रोमा), लुटारो मार्टिनेज (इंटर मिलान)।गोलकीपरः वाल्टर बेनिटेज़ (पीएसवी आइंडहोवेन), गेरोनिमो रूली (ओलंपिक मार्सिले), जुआन मुसो (एटलेटिको मैड्रिड)।
मिडफील्डरः लिएंड्रो पेरेडेस (रोमा), एलेक्सिस मैक एलिस्टर (लिवरपूल), एंज़ो फर्नांडीज (चेल्सी), जियोवानी लो सेल्सो (रियल बेटिस), निकोलस पाज़ (कोमो), एक्सक्विएल पलासियोस (बायर लीवरकुसेन), रोड्रिगो डी पॉल (एटलेटिको मैड्रिड), वैलेन्टिन कार्बोनी (ओलंपिक मार्सिले), थियागो अल्माडा (बोटाफोगो)।

लीजेंड्स लीग : गप्टिल की शतकीय पारी से साउथर्न सुपर स्टार्स जीती

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटरों की लीजेंड्स लीग 2024 में न्यूजीलैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल ने तूफानी शतक लगाया है। गप्टिल ने साउथर्न सुपर स्टार्स की ओर से खेलते हुए कोणार्क सूर्यास ओडिशा के गेंदबाजों की जमकर पिटाई की। गप्टिल ने अपनी इस पारी में 54 गेंदों पर 9 चौकों और 11 छक्को की सहायता से 131 रन बनाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 242.59 का था। गप्टिल ने अपनी इस आक्रामक पारी के दौरान एक ओवर में 5 छक्के और 1 चौका लगाकर कुल 34 रन भी बनाये। इरफान पठान की कप्तानी में कोणार्क सूर्यास ओडिशा ने इस मैच में रिचर्ड लेवी के 63 रनों की सहायता से पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाये। वहीं साउथर्न सुपर स्टार्स ने यह लक्ष्य केवल 16 ओवर में 2 विकेट पर हासिल कर लिया। साउथर्न सुपर स्टार्स की टीम ने एलएलसी 2024 में पांचवीं जीत दर्ज करते हुए अंक तालिका में नंबर एक स्थान बनाये रखा है।

वेस्टइंडीज दौरे लिए बटलर होंगे कप्तान : ईसीबी

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड व वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इसी माह के अंत में होने वाले वेस्टइंडीज दौरे के लिए जोस बटलर को कप्तान बनाया है। ईसीबी ने कहा है कि बटलर अब फिट हो गये हैं और टीम की कप्तानी के लिए तैयार हैं। इसके अलावा अनकैप्ड युवा लेग स्पिनर जाफर चौहान को भी टीम में शामिल किया है। बटलर पिंडली की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में शामिल नहीं थे। उनकी अनुपस्थिति में फिल साल्ट और हैरी ब्रुक ने टी20 और वनडे टीमों की अगुआई की थी।
जाफर चौहान ने 23 टी20 मैच खेले हैं पर अभी तक लिस्ट ए मुकाबला नहीं खेला है। वहीं जॉन टर्नर और डैन मूसली भी अन्य अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। ये दोनों ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भी शामिल थे पर इन्हें किसी मैच में जगह नहीं मिली थी। इंग्लैंड टीम 31 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैच खेलेगी।इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीमः जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथेल, जाफर चौहान, सैम करेन , विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, साकिब महमूद, डैन मूसली, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपली, जॉन टर्नर।
सीरीज का कार्यक्रम इस प्रकार है : पहला एकदिवसीयः वेस्टइंडीज और इंग्लैंड; एंटीगा, 31 अक्टूबर
दूसरा एकदिवसीय : वेस्टइंडीज और इंग्लैंड; एंटीगा, 2 नवंबर
तीसरा एकदिवसीयः वेस्टइंडीज और इंग्लैंड; बारबाडोस, 6 नवंबर
पहला टी20ः वेस्टइंडीज और इंग्लैंड; बारबाडोस, 9 नवंबर
दूसरा टी20ः वेस्टइंडीज और इंग्लैंड; बारबाडोस, 10 नवंबर
तीसरा टी20ः वेस्टइंडीज और इंग्लैंड; सेंट लूसिया, 14 नवंबर
चौथा टी20ः वेस्टइंडीज और इंग्लैंड; सेंट लूसिया, 16 नवंबर
पांचवां टी20ः वेस्टइंडीज और इंग्लैंड; सेंट लूसिया, 17 नवंबर।

सीपीएल में ख़राब फ्लडलाइट से अपनी टीम की हार पर भड़के रसेल

जेमैका (ईएमएस)। वेस्टइंडीज़ के स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने ख़राब फ्लडलाइट के कारण सीपीएल के एलिमिनेटर मुक़ाबले में उनकी टीम ट्रिनबैगो नाइटराइडर्स की हार पर नाराजगी जतायी है। रसेल ने सोशल मीडिया में कहा कि एलिमिनेटर मुक़ाबले में जिस प्रकार से उनकी टीम को ख़राब फ्लडलाइट से नुकसान हुआ उससे वह बेहद निराश है। ये एक प्रकार से उनकी टीम के साथ धोखेबाजी हुई है। ख़राब फ्लडलाइट के कारण ही मैच उनकी टीम के हाथ से फिसल गया। रसेल ने पोस्ट में खराब इंतजामों पर नाराजगी भी जतायी। इस मुक़ाबले में नाइटराइडर्स की टीम ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 19.1 ओवर में तीन विकेट के नुक़सान पर 168 रन बना लिए थे। उसके बाद मैदान की छह में से तीन फ्लडलाइट्स ख़राब हो गईं। ऐसे में खिलाड़ियों को मैदान से बाहर जाना पड़ा, तब रात के 8.58 बजे थे। इसके बाद फ्लटलाइट्स को ठीक करने में काफी समय लग गया। 10.51 बजे मैच एक बार फिर से शुरू किया गया।मैच अधिकारियों ने इन हालातों को ख़राब रोशनी या बारिश की तरह मानते हुए डीएलएस पद्धति के तहत लक्ष्य को संशोधित किया और रॉयल्स को क्वालिफ़ायर 2 में पहुंचने के लिए पांच ओवरों में 60 रन बनाने का लक्ष्य दिया। ऐसे में डेविड मिलर ने के 17 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाकर अपनी टीम को इस लक्ष्य तक पहुंचा दिया। जब फ्लडलाइट में ख़राबी आई तो रसेल 20 के निजी स्कोर पर बल्लेबाज़ी कर रहे थे। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं वह व्यक्ति नहीं हूं जो इंटरनेट पर आकर अपनी राय व्यक्त करे, लेकिन इस साल के सीपीएल में मुझे ठगा हुआ महसूस हो रहा है।

रमीज ने भारतीय टीम की जमकर प्रशंसा की, बोले अश्विन से सीखें खिलाड़ी

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रमीज राजा ने भारतीय टीम की जमकर प्रशांस की है। रमीज ने कहहा कि भारतीय टीम ने दो दिन बारिश के कारण खेल नहीं होने के बाद भी बांग्लादेश को हराकर अपनी क्षमताएं एक बार फिर दिखायी हैं। इससे टीम के कौशल और अजेय स्वभाव का अंदाज होता है। इससे ये भी पता चलता है कि टीम शीर्ष पर पहुंचने के बाद भी और बेहतर करने में लगी रहती है। रमीज ने इसके साथ ही स्पिनर आर अश्विन की भी प्रशंसा की ओर कहा कि उनसे काफी कुछ सीखा जा सकता है। रमीज ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस समय घरेलू मैदान पर भारतीय टीम को हराना सबसे कठिन है। रोहित शर्मा की कप्तानी में टेस्ट क्रिकेट में भारत को जो विशेषता और भी बेहतर बनाती है, वह है विदेशों में जीत। वे न केवल विदेशों में मुकबला करते हैं बल्कि मैच भी जीतते हैं, जिसकी वजह से भारतीय टीम ने नंबर एक स्थान हासिल किया है।इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि अश्विन गेंदबाजी के साथ ही काफी अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। ये उनके बांग्लादेश के खिलाफ लगाये शतक से दिखता है। रमीज ने कहा, इसके बाद भी एक ऑलराउंडर के तौर पर उन्हें उतना सम्मान नहीं मिला, जितना मिलना चाहिए। अगर आप उनके रिकॉर्ड को देखें, तो वे किसी से कम नहीं हैं। वे एक सीधे-सादे क्रिकेटर हैं, हर चीज को अपने हिसाब से लेते हैं। यहां तक कि जब वे 12वें खिलाड़ी होते हैं या टीम से बाहर होते हैं, तो भी वे किसी तरह का गुस्सा नहीं दिखाते। वे टीम की स्थिति और अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं और जब भी उन्हें मौका मिलता है, वे शानदार खेलते हैं। इसलिए उनसे बहुत कुछ सीखा जा सकता है। इसी तरह रविन्द्र जडेजा भी हैं, जो महत्वपूर्ण मौकों पर अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करते हैं। क्रिकेट में अश्विन और जडेजा के सफर का उदाहरण देते हुए रमीज ने कहा कि उनके देश के खिलाड़ी शीर्ष पर पहुंचने के बाद बेहतर होने का प्रयास नहीं करते इसलिए नीचे आने लगते हैं।

संक्षिप्त खबरें

ब्राउन शुगर और 1 लाख 49 हजार रुपए कैश के साथ पुरुष व महिला गिरफ्तार

ब्राउन शुगर का बाजार में मूल्य 22 लाख रुपए से अधिक

सरायकेला(ईएमएस)।नशा का सफेद जहर ब्राउन शुगर के खिलाफ सरायकेला खरसावां के आदित्यपुर पुलिस ने बड़ा प्रहार किया है। पुलिस ने कुख्यात पेडलर डॉली प्रवीण के पुत्र शाहबाज खान उर्फ गुड्डू तथा आसुमान बीबी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की हैं।पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मुस्लिम बस्ती से गिरफ्तार किया है। पुलिस इसके पास से 113.44 ग्राम ब्राउन शुगर तथा 1 लाख 49 हजार 7 सौ 80 रुपए कैश बरामद किया है। ब्राउन शुगर का बाजार में मूल्य 22 लाख 68 हजार रुपए बताया जा रहा है। पुलिस ने अबतक की सबसे बड़ी कारवाई की है। सरायकेला खरसावां स्थित आदित्यपुर थाना में मामले का उद्भेदन करते हुए एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया की गुप्त सूचना के आधार पर यह कारवाई की है। उन्होंने बताया की ब्राउन शुगर नशे के खिलाफ पुलिस की अभियान जारी रहेगी। बीते दो माह में ब्राउन शुगर बेचनेवाले 14 आरोपी को जेल भेज चुकी है। उन्होंने बताया की नशे के कारोबारियों के खिलाफ पीआईटी एनडीपीएस के नए कानून के तहत कारवाई का प्रस्ताव भेजा गया है। एसपी ने बताया की जो आरोपी गिरफ्तार हो रहे है उनका सीडीआर खंगाला जा रहा है। कहा की जिला पुलिस का प्रयास है की इनके खेत तक जाकर इस कारोबार को पूरी तरह से ध्वस्त करने का। छापेमारी अभियान में आदित्यपुर थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह, राहुल कुमार सिंह, धीरांजन कुमार, रंजित कुमार सिंह, समा लकड़ा, नीतीश पांडे, राघवेंद्र, शिवशंकर दास आदि शामिल थे।

लातेहार में ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

लातेहार(ईएमएस)।चंदवा थाना क्षेत्र के रोल गांव के तीन युवक बुधवार की रात घर में बिना बताए बाइक से लातेहार के डेमू गांव जाने के लिए निकले थे।बीच रास्ते में उनकी बाइक एक ट्रक की चपेट में आ गई। इसमें एक युवक की मौत हो गई।जानकारी के अनुसार सोनू उरांव अपने दो मित्र रामकुमार उरांव और जितेंद्र प्रजापति के साथ घर से बिना कुछ बताए मोटरसाइकिल अपने ससुराल लातेहार थाना क्षेत्र के डेमू गांव जाने के लिए निकला था। बाइक में तेल कम होने की वजह से पेट्रोल पंप जा रहा था। इसी क्रम में भूसाढ़ ग्राम के पास एक ट्रक ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में सोनू उरांव की मौत हो गई।जबकि उसके अन्य दो दोस्त सकुशल है। उन्होंने इसकी जानकारी सोनू के परिजनों को दी।घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस चंदवा अस्पताल पहुंची।पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर लातेहार सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बरहेट में ट्रक के धक्के से बच्ची घायल, रेफर

साहिबगंज(ईएमएस)।बरहेट-लिट्टीपाड़ा मुख्य सड़क पर बरहेट थाना क्षेत्र के कदमा लालमाटी के समीप ट्रक की चपेट में आकर 12 साल की बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल बच्ची की पहचान कदमा लालमाटी गांव निवासी हरफान अंसारी की बेटी नसीमा खातून के रूप में हुई। परिजन उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट ले गए, जहां डॉ चौधरी चंद्रशेखर प्रसाद चंद्र ने प्राथमिक के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर भाग निकला। बताया गया कि बच्ची सड़क किनारे पैदल ही अपने घर की ओर जा रही थी। तभी बरहेट से लिट्टीपाड़ा की ओर जा रहे तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में वह आ गई।बच्ची के दाएं पैर गहरी चोट है।बरहेट पुलिस ने सीएचसी पहुंचकर बच्ची के परिजनों से घटना की जानकारी ली।

बोनस व अन्य मांगों को लेकर झारखंड मजदूर संघर्ष संघ ने की बैठक

पश्चिमी सिंहभूम (ईएमएस)।सेल की गुवा खदान प्रबंधन से दुर्गा पूजा में बोनस व अन्य मांगों को लेकर झारखंड मजदूर संघर्ष संघ ने गुवा रेलवे मार्केट स्थित अपने कार्यालय में ठेका मजदूरों के साथ बैठक की। बैठक की अध्यक्षता झारखंड मजदूर संघर्ष संघ के केंद्रीय अध्यक्ष रामा पांडे ने की। उन्होंने कहा कि गुवा प्रबंधन दुर्गा पूजा को लेकर इस वर्ष ठेका मजदूरों को 20 प्रतिशत बोनस एवं अन्य मांगों में समान कार्य का समान वेतन, मरीज को गुवा सेल अस्पताल से रेफर करने पर गाड़ी भाड़ा दिया जाए। प्रत्येक साल ठेका मजदूरों को 20 प्रतिशत बोनस दी जाए, ठेका मजदूरों का रिट्रेटमेंट बेनीफिट का पैसा सेल प्रबंधन द्वारा काट लिया जाता है। सीक छुट्टी में बढ़ोतरी की जाए, नाइट अलाउंस में बढ़ोतरी की जाए, डिस्पैच में बढ़ोतरी का पैसा दिया जाए. छुट्टी का भी पैसा दिया जाए, सिक्योरिटी गार्ड जब तक चल रहा था, उनका रिट्रेटमेंट बेनीफिट का पैसा 25-26 साल तक का नहीं मिला है।वर्क ऑर्डर में साफ-साफ लिखा है कि जैसे ही काम खत्म होता है उसे रिट्रेटमेंट का पैसा दिया जाए। परंतु सेल प्रबंधन ऐसा नहीं कर रही है जिसकी जांच होनी चाहिए। सेल प्रबंधन द्वारा सिक्योरिटी एजेंसी कोबरा को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया था, लेकिन पुनः उसी एजेंसी को नाम बदल कर काम दिया गया है।अगर सेल प्रबंधन इन मांगों पर विचार नहीं करता है तो 2 से 3 दिनों के अंदर ठेका मजदूरों के साथ बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी सेल प्रबंधन की होगी।बैठक में संघ के महामंत्री अंतर्यामी महाकुड़, राजेश यादव, संजू गोच्छाईत सहित काफी संख्या में ठेका मजदूर मौजूद थे।

हाईकोर्ट का आदेशः कोयला चोरी के आरोपों की जांच करे सीबीआई

रांची(ईएमएस)।धनबाद में कोयला चोरी और इसमें पुलिस संलिप्तता की सीबीआई जांच का आदेश झारखंड हाईकोर्ट ने दिया है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत ने गुरुवार को फैसला सुनाया और इस मामले में प्रतिवादी बने सभी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ जांच करने का निर्देश सीबीआई को दिया है। इस मामले की सुनवाई पूरी करने के बाद अदालत ने 27 सितंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सतबरवा में हेडमास्टर और उनकी पत्नी पर जानलेवा हमला, दोनों गंभीर

पलामू(ईएमएस)।मंगरबांध मिडिल स्कूल के हेड मास्टर अर्जुन मेहता (56) और उनकी पत्नी चमेली देवी (52) पर जानलेवा हमला किया गया।तेज धारदार हथियार से शरीर के कई हिस्से को जख्मी कर दिया गया। घटना उस वक्त हुई, जब दोनों सलैया गांव में ट्रैक्टर से जमीन की जोताई करवा रहे थे। गांव के चार लोगों ने उनपर हमला किया। सत्येंद्र उरांव, बिलास भुइयां, हरिचरण भुइयां, बिनु देवी पर हमला करने का आरोप है।नाजुक स्थिति में दोनों पति-पत्नी को नवजीवन अस्पताल तुंबागड़ा ले जाया गया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों की टीम ने महिला को रांची रिम्स रेफर कर दिया, जबकि अर्जुन मेहता को इलाज के लिए डालटनगंज के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया है।दोनों की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

झारखंड में जेडीयू ने तय किया लक्ष्य- 11 सीटों पर जीतने का कर रही दावा

रांची(ईएमएस)। झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां राजनैतिक दल कर रहे हैं। जदयू ने 11सीटों पर जीत का दावा करते हुए उन पर ध्यान केंद्रित किया है। इसी सिलसिले में जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सदस्य खीरू महतो ने अपने नेताओं के साथ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की और उन्हे विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही एनडीए गठबंधन के तहत इन सीटों का दावा करने का अनुरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष से किया। कहा कि एनडीए गठबंधन के तहत इन सीटों पर पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ सकती है।इससे पहले खीरू महतो ने झारखंड के झरिया, टुंडी, मांडू, छतरपुर तथा मांडर विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी द्वारा सफलतापूर्वक कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित होने की रिपोर्ट सौंपी। इस दौरान झारखंड में होनेवाले विधानसभा चुनाव को लेकर उनके साथ चर्चा हुई।सीटों की मांग पर नीतीश ने प्रदेश नेताओं को सकारात्मक आश्वासन देते हुए कहा कि इस मामले को लेकर पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा बहुत जल्द भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ बात करेंगे। उन्होंने इन सीटों पर तैयारी को और मजबूत करने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर बिहार सरकार के मंत्री सह झारखंड प्रभारी अशोक चौधरी भी उपस्थित थे।

रेल कर्मियों को 78 दिनों के बोनस की घोषणा, 11 लाख से अधिक रेल कर्मचारियों को लाभ

रेल कर्मचारियों को बोनस के रूप में मिलेगा 2028.57 करोड़ रुपया

हाजीपुर, (ईएमएस)। प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा/दशहरा की छुट्टी से पहले पात्र रेल कर्मचारियों को उत्पादकता संबद्ध बोनस का भुगतान किया जाता है। इस वर्ष भी लगभग 11.72 लाख अराजपत्रित रेल कर्मचारियों को 78 दिनों के समतुल्य उत्पादकता संबद्ध बोनस राशि का भुगतान किया जा रहा है। प्रत्येक पात्र रेल कर्मचारी को 78 दिनों के लिए संदेय अधिकतम राशि 17,951 रुपए है। रेल कर्मचारियों की रेलपथ अनुरक्षक, लोको पायलट, रेलगाड़ी प्रबंधक (गार्ड), स्टेशन मास्टर, पर्यवेक्षक, तकनीशियन, तकनीशियन सहायक, पॉइंट्समैन, मिनिस्ट्रियल स्टाफ और अन्य ग्रुप सी कर्मचारियों जैसी विभिन्न श्रेणियों को इस राशि का भुगतान किया जाएगा। रेल कर्मचारियों को 78 दिनों के उत्पादकता संबद्ध बोनस भुगतान के वित्तीय निहितार्थ का अनुमान 2028.57 करोड़ रुपए है। उत्पादकता संबद्ध बोनस का भुगतान रेलवे के कार्य निष्पादन में सुधार लाने की दिशा में रेल कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने का कार्य करेगा। बताया गया है कि वर्ष 2023-2024 में रेलवे का कार्य निष्पादन बहुत अच्छा रहा। रेलवे ने 1588 मिलियन टन का रिकॉर्ड कार्गो लदान किया और लगभग 6.7 बिलियन यात्रियों ने रेल यात्रा की। इस रिकॉर्ड प्रदर्शन में कई कारकों का योगदान है। इनमें सरकार द्वारा रेलवे में रिकार्ड पूंजीगत व्यय किए जाने के कारण अवसंरचना में सुधार, परिचालन कुशलता और बेहतर प्रौद्योगिकी आदि शामिल हैं। रेल कर्मचारियों के उत्कृष्ट कार्य निष्पादन को सम्मान देते हुए, केंद्र सरकार ने 11,72,240 रेल कर्मचारियों को 2028.57 करोड़ रुपये के उत्पादकता संबद्ध बोनस (पीएलबी) के भुगतान की स्वीकृति प्रदान की है। रेल कर्मचारियों की रेलपथ अनुरक्षक, लोको पायलट, रेलगाड़ी प्रबंधक (गार्ड), स्टेशन मास्टर, पर्यवेक्षक, तकनीशियन, तकनीशियन सहायक, पॉइंट्समैन, मिनिस्ट्रियल स्टाफ और अन्य ग्रुप सी कर्मचारियों जैसी विभिन्न श्रेणियों को इस राशि का भुगतान किया जाएगा। पीएलबी का भुगतान रेल कर्मचारियों को प्रदर्शन में और अधिक सुधार की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहन के रूप में कार्य करेगा।

भारतनेट प्रोजेक्ट से गुजरात के 8000 से अधिक गांव बने स्मार्ट, मिला हाईस्पीड इंटरनेट

भारतनेट प्रोजेक्ट फेज-2 में 22 जिलों में 35000 किलोमीटर का ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क स्थापित किया गया

गांधीनगर (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शितापूर्ण नेतृत्व में भारत डिजिटल कनेक्टिविटी में निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री के डिजिटल भारत के विजन को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों तक इंटरनेट की सुविधा पहुँचाने के लिए केन्द्र सरकार ने 25 अक्टूबर, 2011 को नेशनल ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क पहल शुरू की थी, जिसे वर्ष 2015 में भारतनेट प्रोजेक्ट नाम दिया गया था। भारतनेट प्रोजेक्ट के द्वितीय चरण के सफल क्रियान्वयन के लिए गुजरात सरकार ने गुजरात फाइबर ग्रिड नेटवर्क (जीएफजीएनएल) नामक स्पेशल पर्पज व्हीकल (एपपीवी) की स्थापना की थी, जिसके अंतर्गत 22 जिलों में 35000 से अधिक किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क स्थापित किया गया है।

गाँव आधुनिक बने : 8036 ग्राम पंचायतों को मिला हाईस्पीड इंटरनेट मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने भारतनेट फेज-2 अंतर्गत 8036 ग्राम पंचायतों में 100 एमबीपीएस तक का हाईस्पीड नेटवर्क स्थापित किया है और प्रति ग्राम पंचायत 12 फाइबर का प्रावधान किया है। हाल में राज्य में 300 स्थानों पर गुजरात स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क यानी जीस्वैन (जिला व तहसील मुख्यालय) के साथ भारतनेट नेटव्क का सिमलेस वर्टिकली अलाइनमेंट किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारतनेट से पहले राज्य में प्रति ग्राम पंचायत नेटवर्क स्पीड 100 केबीपीएस थी, जो अब 1000 गुना बढ़ कर 100 एमबीपीएस तक पहुँच गई है।

भारतनेट के सामाजिक-आर्थिक लाभ

भारतनेट फेज-2 नेटवर्क का उपयोग कर डिजिटल सेवा सेतु प्लेटफॉर्म ने लगभग 1.57 करोड़ ग्रामीण आवासियों को 321 सेवाओं का लाभ दिया है। होरिजोंटल कनेक्टिविटी का विस्तार कर ग्राम पंचायत स्तरीय सार्वजनिक कार्यालयों के विलेज लोकल एरिया (वी-लैन) नेटवर्क की रचना 7340 विद्यालयों, 587 ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 372 पुलिस चौकियों में की गई है। डिजिटल समावेशन को आगे बढ़ाते हुए 7692 गाँवों में सार्वजनिक वाई-फाई सुविधा पहुँचाई गई है। वाई-फाई में पंजीकृत कुल उपभोक्ताओं की संख्या 368446 तक पहुँच गई है। महात्मा मंदिर, धोलेरा एसआईआर, साइंस सिटी, जीआईडीसीस, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जैसे आइकॉनिक स्थलों को भारतनेट फेज 2 नेटवर्क द्वारा सेवा दी जाती है। इतना ही नहीं; 200 से अधिक सरकारी कार्यक्रमों का (पीएम-सीएम इवेंट्स) भारतनेट नेटवर्क द्वारा सीधा प्रसारण किया जाता है। ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म्स तथा वर्चुअल क्लासरूम्स के एक्सेस के कारण शिक्षा क्षेत्र में प्रोत्साहन मिल रहा है। टेलीकॉम सेक्टर तथा रेलटेल में भारतनेट फेज-2 का श्रेष्ठ उपयोग भारतनेट फेज-2 नेटवर्क के कारण टेलीकॉम सेक्टर का भी सशक्तिकीरण हुआ है।

केन्द्र और राज्य सरकार को मंदी से जूझ रहे सूरत के हीरा उद्योग की चिंता नहीं : कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में हीरा पॉलिशिंग उद्योग जो अनगिनत लोगों को आजीविका प्रदान करता है और बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा अर्जित करता है वह आज एक अभूतपूर्व संकट का सामना कर रहा है। इस उद्योग से लाखों लोगों का भरण-पोषण होता है। उद्योग में संकट के कारण 100 से अधिक हीरा तराशने वाले कर्मचारियों ने आत्महत्या कर ली है। हीरा उद्योग जगत में पैदा हुए इतने अभूतपूर्व संकट के बावजूद यह दुखद तथ्य है कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार कारीगरों या उद्योग की सुरक्षा के लिए जरा भी चिंता नहीं दिखा रही हैं। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख और राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हीरा उद्योग में आये अभूतपूर्व संकट के बारे में प्रेस एवं मीडिया को विस्तृत जानकारी दी एवं हीरा उद्योग के लिए कल्याणकारी मांगें रखीं| शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि भाजपा के चंदा और वोट जुटाने में अग्रणी होने के बावजूद भाजपा सरकार को हीरा उद्योग से जुड़े लाखों लोगों की चिंता नहीं है। हजारों कारीगरों ने अपनी नौकरियाँ खो दीं और एक गंभीर मंदी आ गई जिसमें विशेष रूप से कारीगरों का शोषण किया जा रहा था। कारीगरों को अनिवार्य छुट्टियाँ और वेतन कटौती तथा अनावश्यक छुट्टियाँ दी जा रही हैं। इस अभूतपूर्व मंदी के कारणों पर नजर डालें तो मुख्य कारण यह है कि जी-7 देशों यानी अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और यूनाइटेड किंगडम ने फैसला किया है कि हम रूस के रफ से तैयार हीरे नहीं खरीदेंगे। दरअसल सबसे ज्यादा रूसी हीरे भारत में लाकर यहां के हीरों पूरी दुनिया में आपूर्ति की जाती है। इस प्रकार भारत का नुकसान रूस से ज्यादा है| फिर भी भारत के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री जी-7 देशों के बिना सोचे-समझे लिए गए फैसले पर चुप हैं।

पीएम मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी सुराज्य की प्रेरक है : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस)| मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृह एवं देश के प्रथम सहकारिता मंत्री अमित शाह की जोड़ी सुराज्य-गुड गवर्नेंस की प्रेरक है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आद्यशक्ति की आराधना के पर्व की सभी को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि अमित शाह ने नवरात्रि के गरबा की ज्योत की तरह विकास की ज्योत से झिलमिलाने का अवसर दिया है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल अहमदाबाद के भाड़ज में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा 919 करोड़ की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह में बोल रहे थे| भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब से देश का सेवा दायित्व संभाला है, तब से देश में लोगों को ईज ऑफ लिविंग का अनुभव हो रहा है। शहरों में भविष्य में पैदा होने वाली जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने विकास कार्यों का आयोजन किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का केवल बजट में विकास कार्यों की घोषणाएँ नहीं, बल्कि लोगों के जीवन स्तर को ऊँचा लाने का सदा-सर्वदा प्रयास रहा है। उन्होंने कहा कि नगर की 'नल, गटर तथा रास्ते' की व्याख्या से बाहर आकर बाग-बगीचे, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, लाइब्रेरी, सीसीटीवी युक्त कमांड कंट्रोल सेंटर, ऑनलाइन सरकारी सुविधाओं के निर्माण से सरकार ने स्मार्ट सिटीज बनाई हैं। मुख्यमंत्री ने सोला सिविल अस्पताल में टेलीफोन द्वारा स्पीच थेरेपी उपचार के लिए नवीनीकृत और अमित शाह द्वारा लोकार्पित टेली-रिहैबिलिटेशन तथा ऑडियोलॉजी एंड स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी कॉलेज के बारे में विस्तार से जानकारी दी। भूपेंद्र पटेल ने इस संदर्भ में कहा कि अहमदाबाद से दूरस्थ क्षेत्रों में रहने तथा बोलने-सुनने में तकलीफ से पीड़ित लोगों और विशेषकर कॉक्लियर इम्प्लांट ऑपरेशन करा चुके बच्चों की स्पीच थेरेपी के लिए सोला सिविल का यह टेली-रिहैबिलिटेशन सेंटर वरदान सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद के गोता, चांदलोडिया तथा जोधपुर वॉर्डों में वेजिटेबल मार्केट शुरू होने के बारे में कहा कि इससे सब्जी विक्रेता छोटे फेरी वालों को आत्मनिर्भरता का मार्ग मिला है।

मैरिटल रेप को अपराध बनाने की जरूरत नहीं यह कानूनी से ज्यादा सामाजिक मुद्दा : केंद्र

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने की मांग करने वाली याचिकाओं का विरोध किया है और कहा है कि मैरिटल रेप को अपराध बनाने की जरूरत नहीं है, यह यह कानूनी से ज्यादा सामाजिक मुद्दा है। साथ ही कहा कि इसके लिए वैकल्पिक उपयुक्त रूप से तैयार दंडात्मक उपाय मौजूद हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मौजूदा कानून का समर्थन किया, जो पति और पत्नी के बीच यौन संबंधों के लिए अपवाद बनाता है। केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में कहा कि यह मुद्दा कानूनी से अधिक सामाजिक है, जिसका सामान्य रूप से समाज पर सीधा असर पड़ता है। इस मुद्दे पर सभी हितधारकों से उचित परामर्श किए बिना या सभी राज्यों के विचारों को ध्यान में रखे बिना फैसला नहीं लिया जा सकता है। केंद्र सरकार ने कहा कि विवाह से महिला की सहमति समाप्त नहीं होती है और इसके उल्लंघन के परिणामस्वरूप दंडात्मक परिणाम होने चाहिए। हालांकि, विवाह के भीतर इस तरह के उल्लंघन के परिणाम विवाह के बाहर के उल्लंघन से भिन्न होते हैं। सहमति के उल्लंघन के लिए अलग-अलग सजा दी जानी चाहिए। यह इस बात पर निर्भर करता है कि ऐसा कृत्य विवाह के भीतर हुआ है या विवाह के बाहर।

सरकार ने कहा कि विवाह में अपने जीवनसाथी से उचित यौन संबंध बनाने की निरंतर अपेक्षा की जाती है। ऐसी अपेक्षाएं पति को अपनी पत्नी को उसकी इच्छा के विरुद्ध यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करने का अधिकार नहीं देती हैं। हालांकि, केंद्र ने कहा कि इस तरह के कृत्य के लिए बलात्कार विरोधी कानूनों के तहत किसी व्यक्ति को दंडित करना अत्यधिक और असंगत हो सकता है।

सरकार ने कहा कि संसद ने विवाह के भीतर विवाहित महिला की सहमति की रक्षा के लिए पहले से ही विभिन्न उपाय प्रदान किए हैं। इन उपायों में विवाहित महिलाओं के प्रति क्रूरता को दंडित करने वाले कानून (भारतीय दंड संहिता के तहत धारा 498ए) है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश की आंतरिक सुरक्षा में बहुत बड़ा बदलाव आया : केंद्रीय गृह मंत्री

अमित शाह ने अहमदाबाद पुलिस आयुक्त कार्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया

अहमदाबाद (ईएमएस)| केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को अहमदाबाद पुलिस आयुक्त कार्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी और राज्य के पुलिस महानिदेशक विकास सहाय उपस्थित रहे। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उपस्थित महानुभावों के करकमलों द्वारा अहमदाबाद में निर्मित जॉइंट इंटेरोगेशन सेंटर की नई इमारत का ई-लोकार्पण किया गया। इसके अलावा, गुजरात पुलिस के नागरिक केंद्रित पोर्टल 'तेरा तुझको अर्पण' तथा एडीसी बैंक और साइबर क्राइम के संयुक्त उपक्रम से तैयार की गई पुस्तिका 'साथी' को लॉन्च किया गया।

अपने संबोधन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज नवरात्रि के पहले दिन अद्यतन टेक्नोलॉजी से सुसज्जित अहमदाबाद पुलिस आयुक्त कार्यालय के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन हुआ है, जिससे आगामी समय में अहमदाबाद शहर पुलिस की एक नई कार्य पद्धति स्थापित होगी। इस संदर्भ में केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि अहमदाबाद पुलिस आयुक्त कार्यालय का नवनिर्मित भवन 18,068.67 वर्ग मीटर क्षेत्र में बनाया गया है। यह नवनिर्मित भवन अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ-साथ पुलिस कंट्रोल रूम, फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम, वीडियो एनालिटिक्स, डेटा सेंटर, इमरजेंसी कॉल बॉक्स, पब्लिक एड्रेस सिस्टम जैसी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इस नवनिर्मित भवन में पुलिसकर्मियों के त्याग और बलिदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए शहीद स्मारक और पुलिस म्यूजियम भी तैयार किया गया है। इस अवसर

पर केंद्रीय गृह मंत्री ने अहमदाबाद में जॉइंट इंटेरोगेशन सेंटर का उद्घाटन करते हुए कहा कि अहमदाबाद में शुरू होने जा रहे इस जॉइंट इंटेरोगेशन सेंटर में केंद्रीय पुलिस, केंद्र की इन्वेस्टिगेशन टीम तथा राज्य की पुलिस, तीनों साथ मिलकर काम करेंगे। आगामी समय में इस सेंटर के जरिए मामलों को वैज्ञानिक तरीके से सुलझाना आसान हो जाएगा।

देश की आंतरिक सुरक्षा के संबंध में बात करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्ष में देश की आंतरिक सुरक्षा में बहुत बड़ा सकारात्मक परिवर्तन आया है। कश्मीर, उत्तर-पूर्व और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा में पिछले दस वर्ष में 70 फीसदी की कमी हुई है, जबकि मौत के मामलों में 72 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार ने अंग्रेजों के समय के तीन आपराधिक कानूनों में बारीकी से परिवर्तन कर गत जून महीने से देश में नए कानून लागू कर दिए हैं। इन कानूनों को भविष्य में आने वाली टेक्नोलॉजी और उनके प्रभावों की कल्पना करके बनाया गया है। इस वजह से इन कानूनों में लंबे समय तक बदलाव की जरूरत नहीं पड़ेगी। इतना ही नहीं, इन कानूनों में टेक्नोलॉजी की मदद से अपराधों का पता लगाने, उसे रोकने और मुकदमे को जल्द खत्म कर अपराधियों को त्वरित सजा दिलाने के प्रावधान भी जोड़कर न्याय प्रक्रिया को और भी त्वरित और सुसंगत बनाने का प्रयास किया गया है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था और गुजरात पुलिस के कामकाज के बारे में आगे बात करते हुए उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था दुनिया में 11वें नंबर से पांचवें नंबर पर पहुंच गई है और हम 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शक नेतृत्व के परिणामस्वरूप राज्य की मौजूदा पीढ़ी को यह तक नहीं पता कि कर्फ्यू किसे कहते हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात पुलिस ने ई-गुजकॉप पोर्टल, बॉडी वॉर्न कैमरा और विश्वास प्रोजेक्ट सहित कई नई पहलें की हैं। आज देश में गुजरात पुलिस की छवि आधुनिक टेक्नोलॉजी से सुसज्जित पुलिस फोर्स के रूप में बन गई है। गुजरात पुलिस ने नार्कोटिक्स और ड्रग्स की बुराई के खिलाफ सक्रिय कार्य कर देश में टॉप टू बॉटम और बॉटम टू टॉप इन्वेस्टिगेशन के साथ प्रशंसनीय प्रदर्शन किया है।

बीसीसीएल में सफाई कर्मचारियों के सम्मान समारोह का आयोजन

धनबाद । बीसीसीएल के पश्चिमी झरिया क्षेत्र में स्पेशल कैम्पेन 4.0के तहत सफाई कर्मचारियों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर क्षेत्र में कार्यरत 20 सफाई कर्मचारियों तथा 7 ठेका कर्मियों को शॉल उढ़ाकर और उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता के प्रति कर्मचारियों की समर्पण भावना को प्रोत्साहित करना और उनके अमूल्य योगदान की सराहना करना था। समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में क्षे.प्र.कार्मिक आशीष मिश्रा, क्षेत्रीय प्रबंधक वित्त सौरव कुमार, उप प्रबंधक कार्मिक कु. बर्षा, और उप प्रबंधक कम्यूनिटी डेवलपमेंट पवन लॉकड़ा शामिल थे। सभी ने संयुक्त रूप से कर्मचारियों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामुदायिक स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। क्षे.प्र.कार्मिक आशीष मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा, "सफाई कर्मचारियों का कार्य अत्यधिक कठिन और चुनौतीपूर्ण होता है। उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के बिना स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण की कल्पना करना असंभव है। आज का यह सम्मान समारोह हमारी आभार प्रकट करने की एक छोटी सी कोशिश है।" इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक वित्त सौरव कुमार ने भी कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा, "आप सभी का कार्य केवल स्वच्छता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे क्षेत्र के विकास और स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।" समारोह के अंत में सभी उपस्थित अधिकारियों ने कर्मचारियों को उपहार प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात चाय-जलपान का भी आयोजन किया गया।

गुलगुलिया समुदाय में गुलगुलिया विद्यालय की शाखा खोली जाएगी : अनिल पांडेय

धनबाद। प्रत्येक झोपड़ीनुमा घर में गुलगुलिया विद्यालय की शाखा योजना का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर गुलगुलिया विद्यालय के संस्थापक अनिल पाण्डेय ने कहा कि गुलगुलिया समुदाय के वंचित बच्चों को शिक्षा प्रदान करने वाले स्कूल गुलगुलिया विद्यालय को असामाजिक तत्वों ने ध्वस्त कर दिया है । यह विद्यालय झरिया गुलगुलिया बस्ती में स्थित है। इसका पुनर्निर्माण किया जा किया जाना है ।तबतक के लिए गुलगुलिया समुदाय के प्रत्येक घर में गुलगुलिया विद्यालय की शाखा खोली जाएगी। आज गुलगुलिया बस्ती झरिया में प्रथम शाखा खोली गई। इस योजना के तहत संबंधित बच्चों को शिक्षा संबंधित सारी सुविधाएं गुलगुलिया विद्यालय द्वारा प्रदान किया जाएगा। विद्यालय की इस शाखा में चार बच्चियां हैं । उनमें से तीन के. सी . गर्ल्स स्कूल झरिया जाती हैं और बाद के समय में गुलगुलिया विद्यालय प्रबंधन द्वारा इनके लिए शिक्षा संबंधी सभी व्यवस्था की जाती है। जिस भी गुलगुलिया परिवार के बच्चे पढ़ेंगे, उनके घर में ही गुलगुलिया विद्यालय की शाखा खोली जाएगी।

खनन टास्क फोर्स ने गोविंदपुर के 2 हार्ड कोक भट्ठों में की औचक जांच

भट्ठों में मिला 3500 टन कच्चा कोयला व 400 टन हार्ड कोक

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, माधवी मिश्रा के निर्देश पर जिले में खनिज संपदा के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई जारी रखते हुए जिला खनन टास्क फोर्स ने अनुमंडल पदाधिकारी, राजेश कुमार के नेतृत्व में बृहस्पतिवार को गोविंदपुर थाना क्षेत्र के कापासरा, रतनपुर स्थित अलका इस्पात प्राइवेट लिमिटेड तथा देवली, जंगलपुर स्थित केशव कोक इंडस्ट्रीज में औचक जांच की।

इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि आज खान निरीक्षक, बिनोद बिहारी प्रमाणिक तथा गोविंदपुर थाना प्रभारी श्री रुस्तम के साथ मिलकर उपरोक्त दोनों हार्ड कोक भट्ठों में औचक जांच की गई।

जांच के क्रम में गणेश कुमार अग्रवाल के अलका इस्पात प्राइवेट लिमिटेड में लगभग 1500 टन कच्चा कोयला मिला। टीम ने उसके मुंशी सोनू अग्रवाल को कोयले से संबंधित परिवहन चालान, लाइसेंस, सीटीओ तथा अन्य कागजातों की मांग की। परंतु मुंशी कागजात दिखाने में असमर्थ रहा। कोयले का जिम्मा नामा मुंशी को सौंपकर उसे यथावत रखने तथा खनन कार्यालय में कोयले से संबंधित कागजात प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।

वहीं अभियान की दूसरी कड़ी में टीम ने गोविंदपुर थाना क्षेत्र के देवली, जंगलपुर में उमंग कुमार गुप्ता, पिता हेमंत गुप्ता के केशव कोक इंडस्ट्रीज में औचक जांच की।

जांच के क्रम में यहां लगभग 2000 टन कच्चा कोयला एवं 400 टन हार्ड कोक मिला। भट्ठा का मुंशी राजीव कुमार कोयले से संबंधित परिवहन चालान, लाइसेंस, सीटीओ तथा अन्य कागजात दिखाने में असमर्थ रहा। कोयले का जिम्मा नामा मुंशी को सौंपकर उसे यथावत रखने तथा खनन कार्यालय में कोयले से संबंधित कागजात प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।

लिन्डसे क्लब एव लायब्रेरी द्वारा महालया पर नृत्य नाटिका "माटीर दुर्गा" का किया गया आयोजन

धनबाद, महालया के अवसर पर लिन्डसे क्लब एव लायब्रेरी द्वारा "माटीर दुर्गा" सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम के उद्घाटन मुख्य अतिथि बीसीसीएल सीएमडी समीरन दत्ता उनकी पत्नी मिली दत्ता एव विशिष्ट अतिथि डायरेक्टर टेक्निकल, बीसीसीएल एम के रमैया एवं उनकी पत्नी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया । उद्घाटन समारोह में मंच पर लिन्डसे क्लब के अध्यक्ष अमलेन्दु सिन्हा, सचिव सलिल विश्वास, पूर्व सचिव डॉक्टर दीपक सेन , देवजानी विश्वास,शर्मिला सिंहा, अरुण बनर्जी, विकास कांति खां व अन्य उपस्थित थे ।माटिर दुर्गा गीतिनाट्य मे दुर्गा पूजा की कहानी के साथ चंद बुरे लोगों के द्वारा महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को दर्शाया गया साथ ही समाज द्वारा इसका विरोध भी दर्शाया गया है । जो कहीं ना कहीं वर्तमान स्थिति से मेल खाती है। मुख्य अतिथि ,विशिष्ट अतिथि सहित सभी अतिथियों एवं दर्शकों ने इस कार्यक्रम की भरपूर प्रशंसा की ।नृत्य नाटिका में छोटे बड़े कलाकार मिलाकर लगभग पचहत्तर कलाकारो ने भाग लिया।

अपने भाषण मे क्लब के अध्यक्ष इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से समाज को आईना दिखाने की अवश्यकाता पर जोर दिया । साथ ही सचिव ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी कलाकारो के प्रति आभार व्यक्त किया ।

विस चुनाव को लेकर जयराम ने जारी की उम्मीद्वारों की पहली सूची

डुमरी से जयराम महतो लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

धनबाद, झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के अध्यक्ष,जयराम महतो ने नई राजनीतिक पार्टी बनाई है। उनकी पार्टी का नाम झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) है। धनबाद के सर्किट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में जयराम महतो ने आगामी विधान सभा के चुनाव में जेएलकेएम से प्रत्याशीयों की पहली सूची जारी कर दी है।छह विधानसभा सीट डुमरी,जमुआ, राजमहल,तमाड़, सरायकेला और छत्तरपुर से प्रत्याशीयों के नाम की घोषणा कर दी है।डुमरी से जयराम महतो स्वंय प्रत्याशी बने हैं।जयराम महतो ने बताया अभीतक 69 सीट से उम्मीदवारी के लिए आवेदन मिले हैं। पार्टी का 69 सीट पर चुनाव लड़ना तय है। इसके बाद भी अच्छे कंडीडेट आते हैं तो उन्हें चुनाव में जरूर लड़ाएंगे।महिलाओं की ज्यादा से ज्यादा भागेदारी हो, यह पार्टी भी चाहती है।उन्होंने कहा हमारी पार्टी उत्तरी छोटानागपुर की सभी 25 सीटों पर चुनाव लड़ेगी यह तय है। आगे उन्होंने कहा कि टुंडी,गोमिया, बेरमो बाघमारा और मांडू भी उनकी पसंदीदा सीटों में से है।जयराम महतो ने कहा कि आचार संहिता से पहले पहले पार्टी अपना घोषणा पत्र जारी कर देगी।सिल्ली सीट के मामले में उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक अमित महतो को सिल्ली से पार्टी लड़ाना चाहती है और इसपर बातचीत का दौर भी जारी है ।जयराम महतो ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारी पार्टी गठबंधन में नही जाकर अकेले चुनाव लड़ेगी।उन्होंने कहा कि विधान सभा के चुनाव राज्य के मुद्दे पर लड़े जाते हैं।मुद्दे कई हैं।

धनबाद में उन्होंने विस्थापन, नियोजन आदि को ज्वलंत मुद्दा बताया ।उन्होंने कहा कि दूसरी लिस्ट जल्द ही जारी की जाएगी।

स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत भारतीय रेल द्वारा आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा

धनबाद, धनबाद मंडल में "स्वच्छ स्टेशन अभियान" चलाया गया , जिसके अंतर्गत धनबाद मंडल के सभी A1 एवं A श्रेणी के स्टेशनों पर सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में, स्टेशन परिसर और उसके आसपास के जगहों की सफाई के लिए स्थानीय शहरी निकायों के लोगों को शामिल किया गया ।

धनबाद स्टेशन पर इस अभियान की शुरुआत रेल कर्मचारियों द्वारा "स्वच्छता शपथ" लेकर किया गया । धनबाद मंडल में यात्रियों के मध्य स्वच्छता जागरूकता फ़ैलाने हेतु "मेरी सीट मेरा डिब्बा" मुहीम की शुरुआत की गयी । इस मुहीम के द्वारा धनबाद मंडल में चलने वाले विभिन्न ट्रेनों के यात्रियों को सफ़र के दौरान अपनी सीट एवं डिब्बे में जिम्मेदारीपूर्वक स्वच्छता बनाये रखने की अपील की गयी। इसके अलावे , यांत्रिक विभाग के अधिकारियों ने स्टेशन जाकर सफाई मशीनों, उपकरणों की उपलब्धता एवं सफाईमित्रों के लिए पी पी इ किट की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए औचक निरिक्षण किया। इस औचक निरिक्षण में, स्टेशन पर कचरा निष्पादन हेतु उपलब्ध कूड़ेदानों की जांच की गयी तथा रेलवे बोर्ड के मौजूदा निर्देशों के अनुसार, कचरे को अलग-अलग एकत्र करने के लिए स्टेशनों पर अलग कूड़ेदान उपलब्ध करने का निर्देश दिया । इस सन्दर्भ में , अधिकारियों ने बताया कि रेल उपयोगकर्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए 'कूड़ेदान भरें' एवं 'कूड़ेदान दान करें' अभियान चलाया जाएगा ताकि लोग कचरे के निष्पादन के लिए आवश्यक रूप से कूड़ेदान का प्रयोग करें ।धनबाद स्टेशन पर रेलकर्मियों द्वारा नालियों एवं शौचालयों की भी सफाई की गयी । गौरतलब है की धनबाद मंडल में दिनांक 2.10.2024 को "स्वच्छ भारत दिवस" मनाया गया । जिसमें बीते 15 दिन से चले आ रहे स्वच्छता ही सेवा -2024 अभियान का समापन हुआ । इसके साथ ही दिनांक 1.10.2024 से धनबाद मंडल के स्वच्छता पखवाड़े की शुरुआत भी की गयी ।ज्ञात हो की धनबाद मंडल जमीनी स्तर पर विभिन्न रेल परिसरों के आसपास बृहद रूप से स्वच्छता हेतु श्रमदान कर पर्यावरण संरक्षा में अहम् भूमिका निभा रही है । धनबाद मंडल भारतीय रेल में सर्वाधिक आय करने वाले मंडल के रूप में शुमार है और इसके साथ साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन कर रहा है ।

चयनित खिलाड़ी खेलेंगे पानीपत में 8 वीं राष्ट्रीय पिकलबॉल चैंपियनशिप

4 से 6 अक्टूबर तक होने वाले चैंपियनशिप में झारखंड के खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम : सुधीर

धनबाद, झारखंड पिकलबॉल के उपाध्यक्ष बी सुधीर ने बताया कि पिछले 21 और 22 सितंबर को गोल्फ ग्राउंड धनबाद में स्टेट चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पानीपत में आठवीं राष्ट्रीय पीतल बॉल प्रतियोगिता के लिए चयनित किया था।पानीपत में 4 से 6 अक्टूबर तक होने वाले 8वीं राष्ट्रीय पिकल प्रतियोगिता में भाग लेने झारखंड की चयनित टीम रांची से रवाना हुई। झारखंड पिकलबाल एसोसिएशन के सचिव, प्रभात कुमार के नेतृत्व में 15 सदस्यीय टीम प्रचेता वर्मा, सुचेता वर्मा बालिका वर्ग में खेलेगी, जबकि बालक वर्ग में जीगर विश्वकर्मा,आदित्य प्रजापति, दीपक कुमार, शशि कुमार, मो.जैद,सोनू कुमार, गौरव कुमार, रेहान अहमद,मो साहिद,चंद्र देव प्रजापति, चंदन पंडित, अभय शर्मा, प्रिंस विश्वकर्मा औरआयुष कुमार अपने अपने आयु वर्ग में खेलेंगे।झारखंड पिकलबाल संघ के बी.सुधीर,नरेश कुमार, देव राज आनंद, गुंजन कुमार, रूपेश कुमार, संदीप सिन्हा, सृजन सहाय,निशांत भास्कर, ब्रह्मदेव बर्नवाल ने अच्छे प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी।

डॉक्टर अतुल वर्मा ने डॉ, पी एन वर्मा फाउंडेशन के तहत मोबाइल टॉयलेट उपलब्ध कराया

धनबाद। हिमाचल प्रदेश के पुलिस महानिदेशक, डॉ, अतुल वर्मा ने आज धनबाद पुलिस केंद्र में आयोजित एक कार्यक्रम के तहत डॉ, पी एन वर्मा फाउंडेशन के सौजन्य से मोबाइल टॉयलेट उपलब्ध कराया।उन्होंने जवानों की कठिनाईयों को देखते हुए एक मोबाइल टॉयलेट सहयोग के रूप में दिया ताकि विशेष परिस्थिति में बाहर ड्यूटी के दौरान किसी जवान को कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जरूरत के मद्देनजर जल्द ही कई और मोबाइल टॉयलेट जवानों के लिए उपलब्ध कराये जाएंगे।अपने सम्बोधन में डॉ अतुल वर्मा ने पुलिस जवानों को सेहतमंद रहने को कहा ताकि सभी जवान तत्परता के साथ जनता की सुरक्षा व सेवा कर सके। जवानों की सेहत को बेहतर बनाने की दिशा में पहल करते हुए उन्होंने डॉ पी एन वर्मा फाउंडेशन के सौजन्य पुलिस केंद्र में एक ओपन जिम बनाने की भी घोषणा की ताकि सभी जवान व्यायाम के जरिए खुद को फिट रख सके।

मौके पर मौजूद एसएसपी, हृदीप पी जनार्दनन ने डॉ, अतुल वर्मा का इस सहयोग के लिए आभार प्रकट किया और् कहा कि पुलिस जवानो की समस्याओं को देखते हुए सुविधा हेतु भविष्य में और भी बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम में मौक़े पर ग्रामीण एसपी, कपील चौधरी, श्रीमती निवेदिता वर्मा, शैलेश सिंह, डीएसपी मुख्यालय, संदीप गुप्ता, डीएसपी यातायात, अरविंद सिंह, डीएसपी साइबर, संजीव कुमार समेत कई पदाधिकारी व जवान मौजूद थे।

आईआईटी,आईएसएम में कचरे की मूल्यांकन पर एक दिवसीय तकनीकी सेमिनार का किया गया आयोजन

देश के विभिन्न देशों से सिविल इंजीनियरिंग विशेषज्ञ हुए सेमिनार में एकत्र

धनबाद, देश के विभिन्न हिस्सों के सिविल इंजीनियरिंग विशेषज्ञों ने राजमार्ग निर्माण में औद्योगिक और खदानों के कचरे के मूल्यांकन पर एक दिवसीय तकनीकी सेमिनार के लिए आईआईटी,आईएसएम धनबाद में एकत्र हुए। जिसमें निर्माण सामग्री के रूप में औद्योगिक और खदान कचरे के अवसरों और चुनौतियों में नवीनतम सफलताओं का पता लगाया गया।

इंडियन जियोटेक्निकल सोसाइटी, आईजीएस धनबाद चैप्टर द्वारा केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान,नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित सेमिनार,जिसका उद्घाटन सीएसआईआर-केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान के प्रो. मनोरंजन परिदा ने किया था, जिनमें चार प्रमुख संबोधन देखे गए, जिनमें से एक डॉ. अनिल कुमार सिन्हा, प्रमुख जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग और वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीआरआरआई नई दिल्ली द्वारा सड़क निर्माण के लिए औद्योगिक अपशिष्ट सामग्री पर, दूसरा ओडिशा रोड्स एंड फेरोक्रोम स्लैग, ए ग्रीन रिप्लेसमेंट फॉर नेचुरल एग्रीगेट्स पर था। प्रो, सौमिया चावला, एसोसिएट प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, आईएसएम धनबाद ने अपने मुख्य भाषण के दौरान जियोसिंथेटिक्स का उपयोग करके परिवहन अवसंरचना में संभावित भू-सामग्री के रूप में के बारे में बात की। स्मृति सौरव महापात्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग विभाग,आईआईटी,आईएसएम धनबाद ने कम मात्रा में सड़क निर्माण के लिए कोयला खदान ओवरबर्डन सामग्री की व्यवहार्यता की खोज विषय पर अपना मुख्य भाषण दिया। उद्घाटन भाषण के दौरान, मुख्य अतिथि प्रो. मनोरंजन परिदा ने केंद्रीय सड़क अनुसंधान संगठन, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद की एक प्रमुख अनुसंधान प्रयोगशाला, और इसकी अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के बारे में बताया।प्रो. शरत दास, डीन फैकल्टी, आई. आई. टी. आई. एस. एम., जो आई. जी. एस. धनबाद चैप्टर के अध्यक्ष भी थे, ने अपने संबोधन के दौरान सेमिनार के महत्व के बारे में बातलाया। साथ ही उन्होंने कहा की हमारा उद्देश्य बुनियादी ढांचे के विकास और औद्योगीकरण में विस्तार करना है, एक समग्र दृष्टिकोण राजमार्ग निर्माण सामग्री के रूप में औद्योगिक और खनन कचरे का मूल्यांकन करने में निहित है।सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख प्रो. श्रीनिवास पासुपुलेती, जो समारोह के दौरान उपस्थित थे, ने इतिहास और चल रहे पाठ्यक्रमों और स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग, जल संसाधन इंजीनियरिंग और परिवहन इंजीनियरिंग जैसे विशेषज्ञताओं के बारे में बताया।इससे पहले दिन में, आईआईटी,आईएसएम के प्रशासनिक भवन के सम्मेलन कक्ष में कोलैबोरेटिव रिसर्च एंड डेवलपमेंट वर्क के लिए आईआईटी,आईएसएम धनबाद और केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान धनबाद के बीच एक एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए गए । जिसके दौरान प्रो. सुकुमार, निदेशक आईआईटी,आईएसएम, प्रो. सागर पाल, डीन, आर एंड डी; और प्रो. श्रीनिवास पासुपुलेटी, एचओडी, सिविल इंजीनियरिंग ने आईआई टी,आईएसएम पक्ष का प्रतिनिधित्व किया । जबकि प्रो. मनोज परिदा के नेतृत्व वाली टीम ने सीएसआईआर-सीआरआरआई पक्ष का प्रतिनिधित्व किया।

देश के जवानों की सुरक्षा एवं जजमानों के घरों में खुशियां लाने के लिए

सुनैना किन्नर ने मां दुर्गा की कलश स्थापना की

धनबाद। दुर्गा पूजा के नवरात्र आज से शुरू हो गई । इसके बाद लोग मां दुर्गा की पूजा अर्चना में जुट गए ।जगह-जगह पर कलश का स्थापना की जा रही है । इसी दौरान अखिल भारतीय किन्नर कल्याण समिति की प्रदेश अध्यक्ष सुनैना किन्नर ने भी अपने आवास धनबाद मनाईटांड़ कुम्हार पट्टी में कलश स्थापना की और बताई की मैया का कलश स्थापना अपने देश के जवानों की सुरक्षा और जजमानों के घरों में खुशियां आए इसके लिए करती हूं। सुनैना किन्नर ने बताया की मेरी गुरु जटावली भी हमेशा पूजा पाठ में रुचि रखती थी ।आज मैं भी उन्ही के मार्ग दर्शन पर चलते हुए आज मैं कई वर्षों से अपने आवास पर मां दुर्गा की कलश स्थापना कर पाठ करवाती हूं।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▮ समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।